जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 188 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 13 फरवरी, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कायदे, कानून व प्रक्रिया की पूरी जानकारी न होना भारी पड़ रहा है, भाजपा पर संसद में

जो हश्र ''प्रिवलेज मोशन'' का हुआ, वह ही अंजाम राहुल को डिस्क्वालिफाई करने के हल्ले का होगा?

- ''प्रिवलेज मोशन'' नहीं लाया गया, क्योंकि ''प्रिवलेज कमेटी'' का अभी तक गठन नहीं हुआ है। प्रिवलेज कमेटी प्रस्ताव का अध्ययन करके अपनी रिपोर्ट देती है, जो ''एथिक्स कमेटी'' के सामने प्रस्तुत होती है। ''एथिक्स कमेटी'' की सिफारिश के बाद, निर्णय लिया जाता है, किसी व्यक्ति के खिलाफ ''प्रिवलेज मोशन'' लाया जाए या नहीं। जब ''प्रिवलेज कमेटी'' का गठन ही नहीं हुआ अभी तक, तो ''प्रिवलेज मोशन'' की कार्यवाही आगे कैसे बढ़ती।
- इसी प्रकार निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी को ''डिस्क्वालिफाई'' करने की मुहिम शुरु की। पर, यह स्पष्ट नहीं था कि राहुल गांधी को किस ''रूल'' के अंतर्गत ''डिस्क्वालिफाई'' करने की मांग की जा रही है या किस प्रक्रिया के जरिए राहुल गांधी को डिस्क्वालिफाई करने का प्रयास किया जा रहा है।
- निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायतों की लाइन लगा दी, शून्यकाल में। पर, ये शिकायतें किसी भी ''लैटर हैड'' पर नहीं लिखी गई थीं तथा शिकायत पत्र पर किसी भी सांसद के हस्ताक्षर नहीं थे तथा यह भी स्पष्ट नहीं था कि यह शिकायत पत्र किस के पास भेजा जाए।

-रेणु मित्तल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। भाजपा और निशिकांत दुबे विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद से डिस्क्वालिफाई करने की मांग करके देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की धमकी दी थी। लेकिन यह धमकी इसलिए वापस ले ली गई, क्योंकि लोकसभा की विशेषाधिकार समिति अभी तक गठित ही नहीं हुई है। संभव है कि रिजिजू को भी इस बात की जानकारी नहीं थी।

विशेषाधिकार प्रस्ताव के लिए एक तय प्रक्रिया और नियम होता है। पहले विशेषाधिकार समिति अपनी रिपोर्ट देती है। इसके बाद मामला आचार समिति (एथिक्स कमेटी) के पास जाता है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाती है।

इसलिए प्लान बी के तौर पर निशिकांत दुबे को आगे किया गया।

उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी को अयोग्य घोषित किया जाए।

लेकिन किस प्रस्ताव के तहत? किस नियम के तहत? किस प्रक्रिया के तहत? खुद सांसद को ही इसकी जानकारी नहीं है।

उन्होंने विपक्ष के नेता के खिलाफ शिकायतों की लंबी सूची लिखी और उसे शून्य काल में पढ़कर सुना दिया।

जिस कागज पर शिकायत लिखी गईं, वह न तो कोई लेटरहेड था और न ही उस पर कोई हस्ताक्षर।

यह शिकायत किसे संबोधित की गई थी? किसी को भी इसकी जानकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी फिल्म ''घूसखोर पंडत'' का नाम बदलने का नोटिस दिया

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी फिल्म ''घूसखोर पंडित'' के निर्माताओं को इसके कथित जातिसूचक शीर्षक को लेकर नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि ''फिल्म का नया नाम बताइए, नहीं तो रिलीज की अनुमति नहीं दी जाएगी।''

नीरज पांडे द्वारा निर्देशित और मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म

- सुप्रीम कोर्ट ने माना कि फिल्म का नाम ब्राह्मण भावनाओं को आहत करता है। कोर्ट ने कहा, इसे बदलें, वरना रिलीज़ की अनुमति नहीं मिलेगी।

''घूसखोर पंडित'' नैटफ्लिक्स पर रिलीज की घोषणा के बाद विवादों में घिर गई है। आरोप है कि फिल्म का शीर्षक ब्राह्मण समुदाय की भावनाओं को आहत करता है। अंग्रेजी में अनुवाद करने पर इस शीर्षक का मतलब एक भ्रष्ट ब्राह्मण होता है।

फिल्म निर्माताओं की ओर से पेश वकील ने अदालत को भरोसा दिलाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिंसा व हत्याओं के वातावरण में बांग्लादेश में चुनाव सम्पन्न

पिछले चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी व जमात-ए-इस्लामी ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के खिलाफ

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। भारत के पूर्वी पड़ोसी बांग्लादेश में गुरुवार को संसदीय चुनाव हुए, जो देशभर में गंभीर हिंसा और मतदान प्रक्रिया को लेकर अनिश्चितता के कारण प्रभावित रहे। यह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरोध प्रदर्शनों के बीच, भारत आ जाने के बाद पहला राष्ट्रीय चुनाव है।

मतपेटियों और मतदानकर्मियों की कड़ी सशस्त्र सुरक्षा के बीच मतगणना शुरू हो चुकी है। हालांकि, मतदान के दौरान कई गड़बड़ियों की खबरें सामने आईं। इसके अलावा, मतदान में आम लोगों की भागीदारी का स्तर भी कम रहा, जो मुश्किल से आधे से थोड़ा अधिक ही पहुंच पाया।

भारत में निर्वासित जीवन बिता रहीं हसीना ने चुनाव को फर्जी और एक ढोंग बताया। उन्होंने इसे रद्द करने की मांग की, क्योंकि सबसे बड़ी पार्टी अवामी लीग को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई और चुनाव लड़ने से भी रोक दिया गया।

- अब शेख हसीना की पार्टी चुनाव क्षेत्र में नहीं है, अतः बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी व जमात-ए-इस्लामी आमने-सामने मुख्य प्रतिद्वंदी के रूप में चुनाव लड़ रही हैं।
- भारत के लिए एक तरफ खड्डा और दूसरी तरफ खाई है, क्योंकि दोनों ही भारत विरोधी पार्टियां हैं, तथा बांग्लादेश से हिंदुओं को बाहर निकालकर फेंकना चाहती हैं। अजीबोगरीब बात है, जब बांग्लादेश, पाकिस्तान का हिस्सा था और पूर्वी पाकिस्तान कहलाता था, जब हिंदू विरोधी हिंसा व वारदातें कम होती थीं। ये घटनाएं अब कई गुना बढ़ गई हैं।
- बहरहाल, बांग्लादेश में वर्तमान गरीबी व कानून व्यवस्था भारत के लिए भारी संकट पैदा कर रही है, क्योंकि इस निर्धनता व बेरोज़गारी के कारण भारत के लिए पलायन करने वाले बांग्लादेशियों की संख्या निरंतर बढ़ती ही जा रही है और भारत के लिए संकट व सुरक्षा का मुद्दा और गंभीर बनाता जा रहा है।

इसके बजाय, विभिन्न स्तरों की कट्टरपंथी सोच वाले राजनीतिक दलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सावलकोट पावर प्रोजैक्ट पर काम शुरु होने से घबराया पाकिस्तान

पाकिस्तान ने फिर से भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाया

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। भारत-पाकिस्तान के बीच पानी को लेकर चल रहा विवाद फिलहाल कम होता नज़र नहीं आ रहा है और आने वाले समय में भी इसके शांत होने की संभावना कम दिखती है।

पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत पर इस्लामाबाद के खिलाफ ''पानी रोकने की नीति'' अपनाने का आरोप लगाया है। वहीं, भारत का कहना है कि उसे अपने क्षेत्र के अंदर बुनियादी ढांचा बनाने और सिंधु नदी की सहायक नदियों के बेहतर प्रबंधन का पूरा संप्रभु अधिकार है।

पाकिस्तान की ताजा आपत्ति चिनाब नदी पर 5129 करोड़ रुपये की लागत वाली सावलकोट जलविद्युत परियोजना का निर्माण कार्य शुरू होने की खबरों के बाद सामने आई है। पाकिस्तान ने कहा है कि वह भारत की

- भारत सरकार ने कहा, उसे अपने क्षेत्र में नदियों पर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का पूरा अधिकार है। इसके लिए किसी से अनुमति लेने की जरुरत नहीं है।
- इधर पाकिस्तान ने कहा कि उसकी पानी की तीन चौथाई जरुरत चिनाब जैसी नदियों से पूरी होती है, और भारत द्वारा बाँध बनाने से उसका पानी रुक जाएगा।
- ज्ञातव्य है कि भारत सरकार ने चिनाब पर 5129 करोड़ रूपए की लागत से सावलकोट पन बिजली योजना शुरु की है।

इस कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानूनी मंचों पर चुनौती देगा।

पहलगाम हत्याकांड और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इसके बाद भारत ने जम्मू-कश्मीर में कई जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण शुरू किया है और कहा है कि अपने बुनियादी ढांचे का प्रबंधन करना उसका संप्रभु अधिकार है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आज कहा कि देश के भीतर शुरू की गई किसी भी विकास परियोजना का फैसला हमारी अपनी समझ के आधार पर होता है।

नैशनल हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बनाया जा रहा सावलकोट बांध, सिंधु जल संधि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश चुनावों से गायब हैं महिला नेता

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। बांग्लादेश के चुनावी परिदृश्य में नाटकीय बदलाव आया है। कभी शेख हसीना और खालिदा ज़िया जैसी प्रभावशाली महिला नेताओं से पहचाने

- शेख हसीना और खालिदा ज़िया जैसी सशक्त महिला नेताओं का नेतृत्व देख चुके बांग्लादेश के आम चुनावों में मात्र 4 प्रतिशत महिलाएं ही चुनाव मैदान में दिखीं।

जाने वाले देश में अब मतपत्रों पर महिलाएं लगभग नदारद हैं। देशभर में केवल 4 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं हैं, जिनमें से कई केवल पुरुष नेताओं से जुड़ी प्रतीकात्मक उम्मीदवार मानी जा रही हैं।

जहां कुछ इस्लामी दलों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव नहीं लाया जाएगा

लोकसभा सचिवालय ने कहा, ऐसा कोई प्रस्ताव विचार के लिए प्रस्तुत नहीं हुआ है

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रस्तावित विशेषाधिकार प्रस्ताव को लेकर जोर-शोर से शुरू हुए राजनीतिक टकराव की हवा निकलती लग रही है। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, ऐसा कोई प्रस्ताव फिलहाल सक्रिय रुप से विचाराधीन नहीं है।

इस घटनाक्रम ने राजधानी में तीव्र राजनीतिक अटकलों को जन्म दिया है, विशेषकर ऐसी खबरों के बाद, कि स्पीकर कार्यालय ने ऐसी किसी भी कार्रवाई से स्वयं को अलग कर लिया है।

विवाद की शुरुआत लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी के तीखे भाषण के बाद हुई। अपने भाषण में, जिसमें आर्थिक आलोचना के साथ

- विशेषाधिकार प्रस्ताव नहीं लाए जाने पर यह चर्चा भी है कि स्पीकर के कार्यालय ने ऐसी कोई प्रक्रिया शुरु करने से खुद का अलग कर लिया है।
- गुरुवार सुबह भी संसद का माहौल उस समय काफी उग्र हो गया, जब भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गांधी को संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहराने की मांग कर दी।
- लेकिन शाम तक माहौल ठंडा पड़ चुका था, जब यह पता लगा कि न तो विशेषाधिकार प्रस्ताव का औपचारिक आवेदन आया है, न ही राहुल को ''डिस्क्वालिफाई'' करने का प्रस्ताव आया है।
- राजनैतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि सत्ता पक्ष का पीछे हटना उसकी कमज़ोरी नहीं, बल्कि रणनीतिक कदम है। भले ही भाजपा राष्ट्रीय राजनीति में हावी है, पर, संसद में उसके पास प्रचंड बहुमत नहीं है। नेता प्रतिपक्ष को डिस्क्वालिफाई करना न केवल उन्हें हीरो बना सकता है, बल्कि सहयोगी दलों को भी नाराज़ कर सकता है।

कड़ा राजनीतिक हमला भी शामिल था, गांधी ने कथित तौर पर तथाकथित ''एपस्टीन फाइल्स'' और उसके अंतरराष्ट्रीय संपर्कों का उल्लेख किया। सत्तापक्ष के सदस्यों के अनुसार, यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मुद्दों की सीमा को स्पर्श कर रहा था।

इसके तुरंत बाद, उनके भाषण के महत्वपूर्ण हिस्सों को संसदीय अभिलेखों से हटा दिया गया, और यह कदम स्वयं एक राजनीतिक विवाद का कारण बन गया।

गुरुवार सुबह राजनीतिक माहौल तब और गरमा गया, जब भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, जो अपने आक्रामक तेवरों के लिए जाने जाते हैं, को कथित तौर पर गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त करने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का दायित्व सौंपे जाने की खबरें आईं।

सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों का तर्क

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बेअसर रहा भारत बंद

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। गुरुवार को सभी केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों द्वारा दिए गए भारत बंद के एक दिवसीय आ ान का सामान्य जनजीवन पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा।

कांग्रेस ने इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन किया। राहुल गांधी और

- भारत बंद से अधिकांशतः जनजीवन सामान्य रहा, लेकिन तमिलनाडु, ओडिशा, केरल, गोवा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व पंजाब में मिलाजुला असर दिखा।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने व्यापार समझौते और श्रम कानूनों को लेकर केन्द्र सरकार पर हमला बोला। खड़गे ने कहा कि देश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'दूषित फल-सब्जियों की जांच के लिए 44 जिलों में मात्र 11 फूड सेफ्टी प्रयोगशालाएं ही क्यों हैं?'

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि हर जिले में फूड सेफ्टी लैब हो, ताकि लोगों को दूसरे जिलों में नहीं जाना पड़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 12 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने खाद्य पदार्थों में मिलावट व दूषित पानी में उगाई गई फल-सब्जियों से आमजन को होने वाली गंभीर बीमारियों के मामले में स्वत : संज्ञान लिया है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है कि प्रदेश के 44 जिलों में मात्र 11 फूड सेफ्टी प्रयोगशालाएं ही क्यों हैं? राज्य सरकार यह सुनिश्चित करे कि प्रदेश के हर जिले में एक प्रयोगशाला हो और वहां पर्याप्त प्रशिक्षित अधिकारी हों, जो नहरों व सिंचाई के अन्य स्त्रोतों की जांच करके यह सुनिश्चित करें कि गंदे पानी व दवाइयों अथवा रसायनों के उपयोग से फल-सब्जियों की पैदावार नहीं की जाए। हाईकोर्ट ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल को इस प्रकरण में पक्षकार बनाया है। अदालत ने अलग-अलग डेयरियों में दूध के सैंपल फेल होने के प्रकरण को भी गंभीरता से लेते हुए आरसीडीएफ को पक्षकार बनाते हुए जवाब तलब किया है कि दूध एकत्र करने के बाद प्लांट में पैकिंग तक, वह जांच की किन प्रक्रियाओं से गुजरता है।

कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ के समक्ष खाद्य पदार्थों में मिलावट तथा प्रदेश में फैल रहे कुपोषण के मुद्दे पर सुनवाई हुई। इसमें पूर्व महाधिवक्ता एम.एस. सिंघवी व उनके सहायक अधिवक्ता दर्श पारीक ने अदालत को बताया कि प्रदेश में कई जगहों पर फल-सब्जियों को उगाने में फैक्ट्रियों तथा सीवरेज व गंदे नालों के दूषित पानी का उपयोग किया जाता है। न्यायमित्र सिंघवी ने कहा कि जयपुर के लोग चौमूं की सब्जियां पसंद करते हैं,

- अदालत ने आदेश दिए कि जिन नदी-नालों का पानी सिंचाई के काम में लिया जा रहा है, वहां एस.टी.पी. और आरओ प्लांट लगाया जाए।
- हाईकोर्ट ने प्रदेश में कई डेयरी ब्रॉड्स के दूध सैंपल फेल होने पर चिंता जताते हुए आरसीडीएफ से मिलावट रोकने तथा जांच की प्रक्रिया के बारे में पूछा।

लेकिन सांगानेर की नहीं, क्योंकि सांगानेर की ज़मीन में फैक्ट्रियों का दूषित पानी जा रहा है और यहां पैदा होने वाली सब्जियां इससे दूषित हो गई हैं।

उन्होंने अदालत को अवगत कराया कि कुछ समय पहले द्रव्यवती नदी के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.) बंद हो गए थे और उसी गंदे पानी से फल-सब्जियां उगाई जा रही हैं या नहीं, इसकी जांच के लिए न तो उपयुक्त संख्या में लैब है और न ही अधिकारी। इस पर महाधिवक्ता ने जवाब दिया कि सांगानेर में एसटीपी संचालन करने वाली फर्म ने काम बीच में बंद कर दिया था, जिसके खिलाफ राज्य सरकार ने कार्रवाई शुरू की है, वर्तमान में यह एसटीपी सुचारू रूप से चल रहा है।

इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता एम.एस. सिंघवी ने अदालत को बताया कि प्रदेश में 44 जिले हैं, लेकिन मात्र 11 ही टैस्टिंग लैब हैं, यानी 4 जिलों पर केवल एक लैब है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उपयुक्त अधिकारी भी नहीं है, जो नालों के पानी की जांच के लिए प्रशिक्षित हों। इस पर महाधिवक्ता ने कहा कि टैस्टिंग लैब में अधिकारी नियुक्त करने के लिए भर्ती प्रक्रिया अदालती आदेशों के कारण लंबित थी, परंतु राज्य सरकार ने नई भर्तियां शुरू कर दी हैं। सुनवाई के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि नालों के पानी को ट्रीट करने के लिए एस.टी.पी. के साथ-साथ आरओ प्लांट भी लगाया जाए, परंतु प्रदेश के किसी भी जिले में एसटीपी के साथ आर.ओ. नहीं लगाया गया है।

खंडपीठ ने नाराजगी जताते हुए महाधिवक्ता से कहा कि 11 प्रयोगशालाओं से प्रदेश के सभी जिलों में कैसे काम चलेगा। आप यह अपेक्षा करते हैं कि एक जिले का आदमी जांच के लिए दूसरे जिले में जाएगा। राज्य सरकार को देखना चाहिए कि हर जिले में प्रयोगशाला हो, वह लोगों के नजदीक हो, ताकि उसका उपयोग हो सके। इस पर एजी ने कहा कि यह प्रशासनिक निर्णय है। अदालत ने आदेश देते हुए कहा कि राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के आयुक्त यह सुनिश्चित करें कि जिन नालों का पानी सिंचाई के लिए उपयोग में लिया जा रहा है, वहां पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के साथ-साथ आरओ प्लांट लगाया हुआ हो।

सोशल मीडिया पर मदर डेयरी, अमूल और कंट्री डिलाइट जैसे ब्रांड्स के दूध पैकेट्स के सैंपल जांच में फेल होने की जो खबरें चल रही हैं, वह मुद्दा भी सुनवाई के दौरान सामने आया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कक्षा-10 की परीक्षा का फॉर्मैट बदला

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे संशोधित प्रश्नपत्र पैटर्न से परिचित होने के लिए सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सैकण्डरी

- सीबीएसई ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि नए फॉर्मैट को समझने के लिए सीबीएसई की वैबसाइट पर उपलब्ध विज्ञान व सामाजिक ज्ञान के नमूना प्रश्न पत्र को हल करें।

एजुकेशन (सीबीएसई) की शैक्षणिक वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के नमूना प्रश्नपत्रों का अध्ययन करें।

सीबीएसई ने कक्षा 10 की बोर्ड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

दस पिल्लरों के मजबूत आधार से लिखी जा रही 2047 के राजस्थान की इबारत

वैसे तो यह परंपरा रही है कि किसी भी सरकार का बजट हो और कितना ही विजनरी बजट हो पर सत्ता पक्ष उसके गुणगाण में लगता है तो विपक्ष कमियां ही कमियां देखने में जुट जाता है। इसलिए वित्तमंत्री दिया कुमारी के 2 घंटे 54 मिनट के 143 पेज के बजट को लेकर आलोचना-प्रत्यालोचना से अलग हटकर देखना ही सही मायने में उसके साथ न्याय हो सकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार के तीसरे बजट में खास बात यह है कि यह बजट दूरगामी सोच यानी कि 2047 की राजस्थान की इबारत लिखने का बढ़ता कदम है। इस बजट को विजनरी बजट इस मायने में कहा जा सकता है कि पहली बार किसी बजट को समग्रता से रखा गया है। भजनलाल सरकार ने बजट को प्रदेश के समग्र विकास की दृष्टि से दस पिल्लरों का ठोस आधार दिया है। इसे यों भी समझा जा सकता है कि प्रदेश के विकास के दस पिल्लरों से 2047 के राजस्थान का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। पिल्लर्स भी इस तरह से तैयार किये गये हैं जिससे किसी तरह के संदेह की गुजांइस नहीं रह जाती है। आधारभूत संरचना से लेकर 4.3 ट्रिलियन डॉलर की इकोनोमी का रोडमैप इस बजट में देखा जा सकता है।

राजस्थान की सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट को 10 पिल्लरों का आधार दिया है। वैसे तो सभी दस पिल्लर्स अपने आपमें अपना महत्व रखते हैं पर जिस तरह से इन पिल्लरों को प्राथमिकता दी गई है उससे यह साफ हो गया है कि प्रदेश के विकास का सशक्त आधार तय करने पर जोर दिया गया है। बजट में पहला पिल्लर इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार का है तो अन्य पिल्लरों में क्रमशः नागरिक सुविधाओं में गुणात्मक जीवन स्तर में सुधार, औद्योगिक विकास और निवेश प्रोत्साहन, मानव संसाधन सशक्तिकरण, सुदृढ सामाजिक सुरक्षा प्रणाली, पर्यटन, कला सांस्कृतिक धरोहर, सुशासन-डिजिटल परिवर्तन, कृषि विकास-किसान कल्याण, हरित विकास-पर्यावरण सततता और आखिरी व 10 वां पिल्लर 2047 का राजस्थान का है। देखा जाएं तो यह सभी दसों पिल्लर राजस्थान और राजस्थानवासियों के समग्र विकास और प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को चरणबद्ध रुप से गति देने वाले होने के साथ ही विकसित राजस्थान, शिक्षित राजस्थान, निरोगी राजस्थान, समृद्ध किसान-और खेती, औद्योगिक विकास, रोजगार और स्वरोजगार के विपुल अवसर, खनन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। खास बात यह है कि प्रदेश के बजट में अरावली संरक्षण के प्रति दर्द भी है तो संरक्षण के प्रति गंभीरता भी स्पष्टता दिखाई देती है।

देखा जाएं तो यह सभी दसों पिल्लर राजस्थान और राजस्थानवासियों के समग्र विकास और प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को चरणबद्ध रुप से गति देने वाले होने के साथ ही विकसित राजस्थान, शिक्षित राजस्थान, निरोगी राजस्थान, समृद्ध किसान-और खेती, औद्योगिक विकास, रोजगार और स्वरोजगार के विपुल अवसर, खनन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। खासबात यह है कि प्रदेश के बजट में अरावली संरक्षण के प्रति दर्द भी है तो संरक्षण के प्रति गंभीरता भी स्पष्टता दिखाई देती है।

किसी भी देश या प्रदेश के विकसित देश या प्रदेश होने की पहली शर्त आज की बदलती दुनिया की तस्वीर में संरचनात्मक सुविधाओं के विस्तार की होती है। निर्बाध आवागमन के लिए सड़कों का जाल, आवागमन साधनों की सहज उपलब्धता, पानी-बिजली की सहज उपलब्धता, शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं की सहज उपलब्धता और बेहतर कानून व्यवस्था आदि-आदि। यह भी साफ हो जाता है कि किसी भी राज्य के तेजी से विकास की राह इन्हीं आधारभूत सुविधाओं के मार्ग से निकलती है। आज राजस्थान तेज गति से विकास की राह पर बढ़ रहा हैं। जब पानी-बिजली, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य की आधारभूत सुविधाएं और बेहतर कानून व्यवस्था किसी भी देश या प्रदेश में निर्बाध उपलब्ध होती है तो विकास की राह अपने आप खुलने लगती है। देशी-विदेशी निवेश आने लगता है तो औद्योगिक विकास से रोजगार और आय के साधन विकसित होते हैं। सांस्कृतिक धरोहरों को संजोने से पर्यटन को बढ़ावा मिलता है और इससे इकोनोमी को बूस्ट मिलता है। सबसे बड़ी बात तो यह कि जब समग्र विकास की रुपरेखा बनती है तो फिर निवासियों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आता ही है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजनरी सोच को इस तरह से समझा जा सकता है कि सरकार के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान का आयोजन कर औद्योगिक निवेश के करार किये गये। उसके बाद लगातार मोनेटरिंग का परिणाम है कि ग्राउण्ड ब्रेकिंग के प्रयासों में तेजी आई है। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों को मातृभूमि से जोड़ने की जो पहल प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन से की है और अब प्रतिवर्ष इसके आयोजन का निर्णय किया है इसके भी सकारात्मक प्रयास आने ही हैं। क्योंकि प्रवासी राजस्थानियों ने अपने उद्यम कौशल से देश-दुनिया में डंका बजा रखा है और अब सरकार की पहल से इसका लाभ प्रदेश को मिलना ही है। क्योंकि प्रवासी राजस्थानी राजस्थान में आधारभूत सुविधाओं और निवेश अनुकूल माहौल से प्रेरित होकर प्रदेश में निवेश के लिए आगे आएंगे ही और इसका एक बड़ा कारण सरकार का प्रोएक्टिव रोल व दूसरा सरकार द्वारा प्रवासियों को अपनी मातृभूमि से जोड़ने की भावनात्मक पहल है।

सवाल यह नहीं है कि किस क्षेत्र के लिए कितना बजट दिया गया है या किस क्षेत्र को अधिक प्राथमिकता दी गई है अपितु यह है कि समग्र रुप से दसों पिल्लर अपने-अपने क्षेत्रों में परफारमेंस दिखाते हैं तो 2047 की सशक्त इमारत तैयार होने से कोई नहीं रोक सकता। राज्य के बजट को इस दृष्टि से भी देखने की आवश्यकता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शुक्रवार 13 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र सायं 4:16 तक, वज्र योग रात्रि 3:23 तक, बालव करण दिन 2:26 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

कुमार योग सूर्योदय से दिन 2:26 तक है। राजयोग सायं 4:13 से सूर्योदय तक है। आज विजया एकादशी व्रत, संक्रांति पुण्य काल पूर्वान्ह में है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:32 तक, लाभ-अमृत 8:32 से 11:18 तक, शुभ 12:41 से 2:04 तक, चर 4:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:09, सूर्यास्त 6:13

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय रहेगा। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

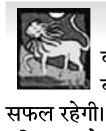

सिंह

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उचित सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

राजस्थान बजट 2026-27 : सुदृढ़ कानून व्यवस्था से समृद्धि

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट सुरक्षा और समृद्धि के संतुलित समन्वय का दस्तावेज है

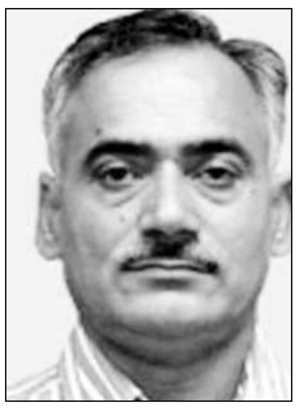

ओ. पी. गल्होत्रा

राजस्थान का बजट 2026-27 विकास की रूपरेखा होने के साथ ही सुरक्षित और विश्वासपूर्ण समाज के निर्माण का भी स्पष्ट संकल्प है। किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक आधार उसकी कानून-व्यवस्था होती है। यदि नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें, निवेशक निश्चिंत होकर पूंजी लगाएँ, महिलाएँ और बच्चे भयमुक्त वातावरण में जीवन जी सकें, तभी विकास के सभी आंकड़े सार्थक सिद्ध होते हैं। इस दृष्टि से देखा जाए तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट सुरक्षा और समृद्धि के संतुलित समन्वय का दस्तावेज है।

कुल 6 लाख 10 हजार 956 करोड़ रुपये के आकार वाला यह बजट न केवल आर्थिक विस्तार को दर्शाता है, बल्कि प्रशासनिक और सुरक्षा तंत्र के सुदृढ़ीकरण की स्पष्ट दिशा भी देता है। बजट में किए गए प्रावधान प्रदेश में कानून-व्यवस्था को आधुनिक, जवाबदेह और तकनीक-सक्षम बनाने की व्यापक योजना प्रस्तुत करते हैं।

बजट में पुलिस बल की संरचनात्मक मजबूती पर जोर दिया गया है। रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती और प्रशिक्षण व्यवस्था के आधुनिकीकरण का निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। लंबे समय से पुलिस बल पर बढ़ते कार्यभार को देखते हुए यह आवश्यक था कि बल की संख्या और क्षमता दोनों में वृद्धि हो। नए पुलिसकर्मियों की नियुक्ति से थानों में लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण होगा और गश्त व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। इससे अपराध की रोकथाम में प्रत्यक्ष सुधार देखने को मिलेगा।

डिजिटल युग में अपराध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल ठगी जैसे मामलों में वृद्धि के परिप्रेक्ष्य में प्रत्येक संभाग में अत्याधुनिक साइबर क्राइम यूनिट की स्थापना का निर्णय दूरदर्शी कदम है। इससे न केवल अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में तेजी आएगी, बल्कि आम नागरिकों में डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।यह पहल दर्शाती है कि सरकार भविष्य की चुनौतियों के लिए वर्तमान में तैयारी कर रही है।

महिला सुरक्षा इस बजट की प्राथमिकताओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रत्येक जिले में महिला सहायता डेस्क और विशेष अन्वेषण प्रकोष्ठ की स्थापना से पीड़ित महिलाओं को त्वरित और संवेदनशील सहायता मिलेगी। महिला अपराधों की जांच के लिए समयबद्ध प्रणाली और फास्ट ट्रैक दृष्टिकोण से न्याय की प्रक्रिया में गति आएगी। यह संदेश भी जाएगा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा के प्रश्न पर किसी प्रकार की ढिलाई बरतने के पक्ष में नहीं है।

पुलिस थानों के आधुनिकीकरण और डिजिटल केस मैनेजमेंट प्रणाली का विस्तार कानून-व्यवस्था में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। सीसीटीएनएस के उन्नयन और डेटा इंटीग्रेशन से अपराधियों का ट्रैक रिकॉर्ड तुरंत उपलब्ध होगा, जिससे अपराध नियंत्रण की प्रक्रिया अधिक सटीक और त्वरित बनेगी। संवेदनशील क्षेत्रों में स्मार्ट सर्विलांस और सीसीटीवी नेटवर्क का विस्तार सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी व्यवस्था को मजबूत करेगा, जिससे अपराध की संभावनाएं स्वतः कम होंगी। सामुदायिक पुलिसिंग को प्रोत्साहन देने का निर्णय भी उल्लेखनीय है। कानून-व्यवस्था केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना का परिणाम होती है। नागरिकों और पुलिस के बीच संवाद को मजबूत कर विश्वास का वातावरण बनाया जा सकता है। सामुदायिक सहभागिता से स्थानीय स्तर पर विवादों का समाधान शीघ्र होगा और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगेगा।

पुलिस कर्मियों के आवास, कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य सहायता कार्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान भी इस बजट की संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। निरंतर दबाव में कार्य करने वाले पुलिस बल के मनोबल को बनाए रखना उतना ही आवश्यक है जितना कि तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराना। जब बल संतुष्ट और प्रेरित होगा, तो उसका प्रदर्शन भी बेहतर होगा। इन सभी पहलों का परिणाम प्रदेश की समग्र कानून-व्यवस्था की स्थिति में स्पष्ट सुधार के रूप में सामने आया है। संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और महिला अपराधों के मामलों में सख्त कार्रवाई से अपराधियों में भय और नागरिकों में विश्वास का वातावरण बना है। निवेशकों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध होने से औद्योगिक गतिविधियाँ बढ़ी हैं और पर्यटन क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

विकास और सुरक्षा परस्पर पूरक हैं। जब राज्य की सकल घरेलू उत्पाद 21 लाख 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुँचने का अनुमान हो, प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो, शिक्षा और स्वास्थ्य पर रिकॉर्ड निवेश हो, तो यह सब तभी सार्थक है जब समाज सुरक्षित हो। 53 हजार 978 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय, शिक्षा के लिए 69 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान और स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े निवेश भी अंततः उसी सामाजिक स्थिरता पर निर्भर करते हैं, जिसकी नींव मजबूत कानून-व्यवस्था से पड़ती है।

कृषि, जल प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण जैसी योजनाएँ सामाजिक असमानताओं को कम करती हैं और इससे अपराध के सामाजिक कारणों में कमी आती है। युवाओं को रोजगार के अवसर, पारदर्शी भर्ती प्रणाली और कौशल विकास कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं। इस प्रकार यह बजट अपराध नियंत्रण को केवल दंडात्मक दृष्टि से नहीं, बल्कि संरचनात्मक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी देखता है। समग्र रूप से राजस्थान बजट 2026-27 यह स्पष्ट संदेश देता है कि सरकार विकास को सुरक्षा से अलग नहीं मानती। आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा, सामुदायिक सहभागिता और पुलिस कल्याण आदि सभी आयामों के माध्यम से प्रदेश में एक सुरक्षित, स्थिर और निवेश-अनुकूल वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया गया है।

इन घोषणाओं के समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन से राजस्थान न केवल आर्थिक प्रगति के मानकों पर, बल्कि कानून-व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी देश के अठाणी राज्यों में स्थान प्राप्त करेगा।

–ओ. पी. गल्होत्रा,
महानिदेशक पुलिस (सेनि.)

समृद्ध राजस्थान की ओर निर्णायक कदम है प्रदेश का बजट

सीए सुनील भार्गव

राजस्थान का बजट 2026-27 आय-व्यय का औपचारिक दस्तावेज़ होने के साथ ही राज्य की विकास-दृष्टि का सुसंगठित घोषणापत्र है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री श्रीमती दिया कुमारी द्वारा प्रस्तुत यह बजट स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार अल्पकालिक लोकलुभावन उपायों के बजाय दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से समृद्ध प्रदेश के संकल्प को साकार करना चाहती है। लगभग 6.11 लाख करोड़ रुपये के बजट आकार के साथ यह वित्तीय खाका विकास, सुशासन और सामाजिक संतुलन पर आधारित है।

राजकोषीय प्रबंधन की दृष्टि से यह उल्लेखनीय है कि सरकार ने विकास व्यय में वृद्धि करते हुए भी वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। राजकोषीय घाटे (79 हजार करोड़ से अधिक) का सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.69 प्रतिशत रहना यह दर्शाता है कि सरकार ने जिम्मेदार वित्तीय नीति को प्राथमिकता दी है। अनुमानित 21.52 लाख करोड़ रुपये का सकल घरेलु उत्पाद राज्य की अर्थव्यवस्था के विस्तार की संभावनाओं को रेखांकित करता है।

किसी भी राज्य की समृद्धि का आधार उसका आधारभूत ढांचा होता है। बजट में सड़कों, फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज, बाईपास और राज्य राजमार्गों के विस्तार एवं उन्नयन के लिए 1800 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह निर्माण कार्य आर्थिक गतिविधियों की गति बढ़ाने की रणनीति है। क्षतिग्रस्त सड़कों के लिए 1400 करोड़, अटल प्रगति पथ के लिए 500 करोड़ एवं राज्य राजमार्ग के लिए 2700 करोड़ से सड़को की स्थिति बेहतर होगी। इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की स्थापना और प्रमुख मार्गों पर आधुनिक निगरानी तंत्र का विस्तार शहरीकरण की चुनौतियों का तकनीकी समाधान प्रस्तुत करता है। इससे सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और पारदर्शिता में सुधार होगा।

पेयजल क्षेत्र में मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के विस्तार और 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव राज्य की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है। बीसलपुर परियोजना से जलापूर्ति सुदृढ़ करने के लिए नई ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण दीर्घकालिक जल सुरक्षा का संकेत है। ऊर्जा क्षेत्र में 4,830 मेगावाट क्षमता के सौर पार्कों के विकास की योजना राजस्थान को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह हरित विकास और आर्थिक आत्मनिर्भरता का संतुलित मॉडल प्रस्तुत करता है।

राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए 'प्लग एंड प्ले' सुविधा, लॉजिस्टिक हब और इनलैंड कंटेनर डिपो की स्थापना जैसे कदम उठाकर निवेश वातावरण को सुदृढ़ करने का संकेत दिया है। -2024 के तहत मैन्युफैक्चरिंग के साथ सेवा क्षेत्र को भी प्रोत्साहन देना औद्योगिक विस्तार की व्यापक दृष्टि को दर्शाता है। सरकार ने वर्ष 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य तभी संभव है जब निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को समानांतर गति दी जाए और बजट में इन तीनों आयामों को स्पष्ट रूप से संबोधित किया गया है।

समृद्ध प्रदेश की परिकल्पना युवाओं की सहभागिता के बिना अधूरी है। चार लाख भर्तियों के संकल्प की दिशा में एक लाख से अधिक नियुक्तियाँ और निजी क्षेत्र में दो लाख से अधिक रोजगार सृजन का उल्लेख राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्तमान में 1.43 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन होना प्रशासनिक सक्रियता का संकेत है। 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के तहत 1,000 करोड़ रुपये का प्रावधान युवाओं को उद्यिमता की ओर प्रेरित करेगा। शिक्षा क्षेत्र में 400 विद्यालयों को - स्कूलों में उन्नत करने हेतु 1,000 करोड़ रुपये का निवेश गुणवत्ता सुधार का ठोस प्रयास है। आधारित पर्सनलाइज्ड लर्निंग लैब्स और डिजिटल मेंटरिंग कार्यक्रम यह संकेत देते हैं कि सरकार शिक्षा को तकनीकी नवाचार से जोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाना चाहती है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक विश्राम गृहों और जेके लॉन हॉस्पिटल में 500 बेड के टॉवर के निर्माण हेतु बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्तावित है । मानसिक स्वास्थ्य के लिए - कार्यक्रम और जिला स्तर पर मेंटल हेल्थ केयर सेल की स्थापना यह दर्शाती है कि सरकार स्वास्थ्य को केवल शारीरिक उपचार तक सीमित नहीं मानती। महिलाओं के लिए ऋण सीमा में वृद्धि, 'नंद घर' मॉडल की आंगनबाड़ियों का विस्तार और लखपति दीदी योजना सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में ठोस कदम हैं।

कृषि क्षेत्र में 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की सिंचाई परियोजनाएँ और 50 हजार सौर पंप संयंत्रों की योजना किसान हितैषी दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। 35 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त फसली ऋण का प्रावधान ठामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा। राज मिशन के माध्यम से कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने का प्रयास कृषि को मूल्य संवर्धन और निर्यात से जोड़ता है।

'हरियालो-राजस्थान' के अंतर्गत 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का प्रमाण है । जल संरक्षण के लिए 2.0 के तहत व्यापक निवेश और वन्यजीव संरक्षण हेतु परियोजना हरित विकास की व्यापक सोच को दर्शाती है । कार्बन क्रेडिट पायलट परियोजना और औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन के लिए निर्माण यह संकेत देते हैं कि औद्योगिक विकास को पर्यावरणीय संतुलन के साथ जोड़ा गया है।

व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म पर 100 सेवाओं की शुरुआत, मिनी ई-मित्र मॉडल और - जैसी पहलें प्रशासन को पारदर्शी, उत्तरदायी और डेटा-आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। बजट 2026-27 एक समग्र विकास दृष्टि प्रस्तुत करता है जिसमें अवसंरचना, उद्योग, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच संतुलित तालमेल दिखाई देता है।

इस बजट से स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार केवल घोषणाएँ नहीं, बल्कि परिणामोन्मुख नीतिगत ढाँचा स्थापित करना चाहती है। यदि प्रस्तावित योजनाओं का समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, तो यह बजट राजस्थान को आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक समृद्धि की नई ऊँचाइयों तक ले जा सकता है। समृद्ध प्रदेश का संकल्प अब नीतिगत दस्तावेज़ में रूपांतरित हो चुका है, अब परीक्षा उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है।

–सीए सुनील भार्गव,
आर्थिक मामलों के जानकार

राजस्थान बजट 2026-27 : विकास की नई ऊंचाइयां और वित्तीय मजबूती का प्रमाण

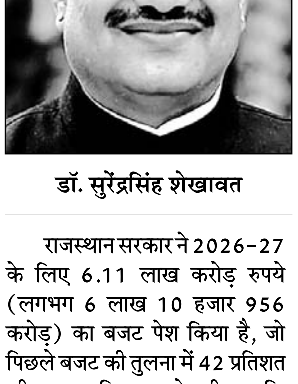

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

राजस्थान सरकार ने 2026-27 के लिए 6.11 लाख करोड़ रुपये (लगभग 6 लाख 10 हजार 956 करोड़) का बजट पेश किया है, जो पिछले बजट की तुलना में 42 प्रतिशत की अप्रत्याशित उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दीया कुमारी द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत इस बजट में राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार तेजी से बढ़ने का प्रमाण मिलता है-41.39 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब यह 21.52 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने का अनुमान है। प्रति व्यक्ति आय 1.67 लाख से बढ़कर 2.02 लाख रुपये हो गई है, जो सरकार की कुशल नीतियों और संरचनात्मक सुधारों का परिणाम है। यह बजट न केवल आकार में बड़ा है, बल्कि विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर और जन-कल्याण पर केंद्रित है, जो विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

बजट के आकार में यह वृद्धि राजस्थान की आर्थिक प्रगति का स्पष्ट संकेत है। पिछले वर्षों में जीएसडीपी की वृद्धि दर उच्च रही-2022-23 में 15.2 , 2023-24 में 11.5 प्रतिशत, और 2024-25 में 17 प्रतिशत। 2025-26 के लिए जीएसडीपी 19.89 लाख करोड़ रुपये अनुमानित था, जो 16.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। अब 2026-27 में 21.52 लाख करोड़ रुपये का अनुमान राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान कर रहा है। यह वृद्धि कृषि, उद्योग, रिन्यूएबल एनर्जी और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में विविधीकरण से संभव हुई है। कृषि जीएसडीपी का लगभग 27-30 प्रतिशत योगदान देती है, जबकि उद्योग और सेवाएँ क्रमशः 27 प्रतिशत और 46 प्रतिशत के आसपास हैं। सरकार ने इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाकर राज्य को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में मजबूत स्थान दिलाया है।

पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) इस बजट की सबसे मजबूत विशेषता है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर अब तक का सर्वाधिक आवंटन किया गया है-सड़कों, पुलों, जल आपूर्ति और सौर ऊर्जा पर फोकस। उदाहरणस्वरूप, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नल जल पहुँचाने के लिए 6,800 करोड़ रुपये, बीकानेर और जैसलमेर में नए सोलर पार्क्स के लिए 3,000 करोड़ रुपये (विशेष रूप से 2,950 करोड़ का प्रावधान), और कुल इंफ्रास्ट्रक्चर पर 3,427 करोड़ रुपये का प्रस्ताव। 42,000 किमी नई सड़कों का निर्माण, 6,500 गांवों में जल कनेक्शन, सिग्नल-फ्री शहर, पीएम आवास योजना का विस्तार, और ड्रेनेज-सड़क लाइट जैसी योजनाएँ शामिल हैं।

केंद्र सरकार के 12.2 लाख करोड़ रुपये के कैपेक्स से प्रेरित होकर राजस्थान भी इंफ्रास्ट्रक्चर-लेड ग्रोथ को प्राथमिकता दे रहा है। इससे रोजगार सृजन होगा, निवेश आकर्षित होगा, और राज्य की आर्थिक क्षमता मजबूत होगी।

अर्थव्यवस्था के आकार में वृद्धि और कैपेक्स बढ़ोतरी से राज्य की समग्र प्रगति स्पष्ट है। राइजिंग राजस्थान माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश आकर्षित हुए, जिनमें से 8 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट्स ठाउंड पर हैं। यह डबल इंजन सरकार की सफलता है। कृषि क्षेत्र में 25,000 करोड़ रुपये के ब्याज-मुक्त लोन, युवाओं के लिए मुख्यमंत्री स्व-रोजगार योजना में 30,000 युवाओं को 10 लाख तक ब्याज-मुक्त लोन, 400 इनोवेटिव स्कूल, होमगार्ड में 5,000 नए पद, और फ्री इलाज जैसी योजनाएँ आमजन की सेवा में सरकार की प्रतिबद्धता दिखाती हैं। एमएसएमई, पर्यटन, और रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस से राज्य को ऊर्जा सुरक्षा और रोजगार का हब बनाया जा रहा है।

फिस्कल डिसिप्लिन बनाए रखते हुए यह विकास संभव हुआ है। राजस्व प्राप्तियाँ मजबूत हुई हैं-केंद्रीय करों से 90,445 करोड़ रुपये प्राप्ति। राजस्व घाटा और फिस्कल घाटा नियंत्रित स्तर पर हैं, जबकि कैपेक्स बढ़ रहा है। पिछले वर्षों में राजस्व घाटा जीएसडीपी का 1.6-1.9 प्रतिशत रहा, जो बेहतर प्रबंधन दर्शाता है। सरकार ने उधार को उत्पादक उपयोग में लगाया, जिससे भविष्य में ब्याज बोझ कम होगा और विकास टिकाऊ बनेगा।

यह बजट युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के लिए आशा की किरण है। 100 से अधिक योजनाएँ, रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास का मॉडल पेश करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर चल रही है। यह बजट राजस्थान को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से ले जाएगा और 2029 में राज्य की 350 बिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की तरफ तेज कदम होगा ।

लेखक राजस्थान भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता है।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

सार-समाचार

कांग्रेसी नेताओं ने की पायलट की अगवानी

अजमेर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के आज किशनगढ आगमन पर अजमेर कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पायलट की किशनगढ टोल पर अगवानी की। कांग्रेसियों ने पायलट को माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया ! इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ प्रदेश महासचिव राकेश पारीक पीसीसी सदस्य महेंद्र सिंह रलावता संग्राम सिंह गुर्जर राजू गुप्ता पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष विजय जैन निवर्तमान महासचिव शिवकुमार बंसल महेश चौहान पार्षद गजेंद्र सिंह रलावता एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अभिषेक सैमसन छात्र नेता मनीष मारोठिया भगवान सिंह चौहान रंजीत सिंह गुर्जर कैलाश कोमल अंकुर रघुनाथ मनीष सेठी आलोक गुप्ता मुकेश सिंह राठौड़ अहमद हुसैन चंद्र प्रकाश शर्मा शक्ति सिंह रलावता भरत सिंह राणा शंकर गुर्जर प्रहलाद गुर्जर राकेश शर्मा राजेश गुर्जर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नशा तस्करों के खिलाफ महायुद्ध

भीलवाड़ा। नशे के सौदागरों और ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ राजस्थान पुलिस ने अब आर-पार की जंग छेड़ दी है। आज दिनांक 12 फरवरी 2026 को राज्य के उच्चाधिकारियों द्वारा भीलवाड़ा चौकी सहित प्रदेश की 5 अन्य चौकियों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विधिवत उद्घाटन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की शुरुआत ए.डी.जी. दिनेश एम.एन. एवं आई.जी. विकास कुमार द्वारा की गई। इस अवसर पर डी.आई.जी. योगेश यादव और एसपी ज्ञानचंद्र की गरिमामयी उपस्थिति में भीलवाड़ा चौकी का विधिवत उद्घाटन संपन्न हुआ। चौकी के उद्घाटन के साथ ही पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि जिले में नशा तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

अजमेर में ठेका श्रमिकों का फूटा गुस्सा मांगों को लेकर किया सांकेतिक प्रदर्शन

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले में जल वितरण एवं संधारण कार्यों में लगी विभिन्न ठेका फर्मों द्वारा श्रम कानूनों की अनदेखी किए जाने से श्रमिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। समय पर वेतन भुगतान, वार्षिक वेतन वृद्धि, बोनस, पीएफ कटौती, ईएसआई सुविधा सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं लंबे समय से नहीं दिए जाने के विरोध में अब श्रमिक आंदोलन की राह पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। स्मार्ट सिटी, पीसांगन व पुष्कर परियोजनाओं में श्रमिकों के साथ अन्याय: जानकारी के अनुसार अजमेर जिले में स्मार्ट सिटी, पीसांगन एवं पुष्कर क्षेत्र में जल आपूर्ति का कार्य विगत 6 वर्षों से राज्य सरकार द्वारा विष्णु प्रकाश आर. पुंगलिया फर्म, जोधपुर को दिया गया है। इस फर्म द्वारा संधारण एवं संचालन का कार्य आगे सबलेट ठेकेदारों को सौंप दिया गया। इन ठेकेदारों के अधीन कार्यरत श्रमिक लगातार 6-7 वर्षों से कार्यरत हैं, इसके

■ एक मार्च से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार की चेतावनी

बावजूद उन्हें श्रम नियमों के तहत मिलने वाले अधिकार जैसे-समय पर वेतन, वार्षिक वेतन वृद्धि, बोनस, पीएफ कटौती, ईएसआई सुविधा आदि से वंचित रखा जा रहा है। इससे श्रमिकों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

ग्राम पंचायतों के जल मित्र 18 माह से वेतन के इंतज़ार में: अजमेर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल मित्र के पद पर कार्यरत कर्मचारियों की स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। इन कर्मचारियों को 18 माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद संबंधित ग्राम पंचायतों द्वारा वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। वेतन न मिलने के कारण जल मित्रों को अपने परिवार के भरण-पोषण में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। श्रमिकों का आरोप है कि फर्म द्वारा वर्ष 2025 का बोनस, वर्दी, जूते, राजकीय अवकाशों का भुगतान, ईएसआई, पीएफ एवं वार्षिक वेतन वृद्धि जैसी सुविधाएं अब तक उपलब्ध नहीं करवाई गई हैं।

जी इन्फ्रा प्रा. लि. द्वारा ईएसआई कटौती, कार्ड नहीं: थडोली, बघेरा, केकड़ी, बोराडा, रामसर किशनगढ़, बिदूर, बिजयनगर, लामाना, राजगढ़, सावर, कादेडा आदि पम्प हाउसों पर कार्यरत श्रमिकों ने जी इन्फ्रा प्रा. लि. पर गंभीर आरोप लगाए हैं। श्रमिकों के अनुसार पिछले 6 वर्षों से उनके वेतन से ईएसआई की कटौती तो की जा रही है, लेकिन आज तक किसी भी कर्मचारी को ईएसआई कार्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। इसके कारण बीमारी की स्थिति में श्रमिकों को इलाज के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मांग पत्र के बाद भी नहीं हुई कोई सुनवाई: श्रमिक संगठन द्वारा इस संबंध में अजमेर जिले की सभी संबंधित ठेका फर्मों को मांग पत्र देकर अवगत कराया जा चुका है। लगभग एक वर्ष का समय व्यतीत हो जाने के बावजूद भी बकाया वेतन, बोनस, एरियर सहित वार्षिक वेतन वृद्धि, पीएफ-ईएसआई, वर्दी, जूते एवं राजकीय अवकाशों के भुगतान को लेकर कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई।

एक मार्च से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार की चेतावनी: श्रमिकों ने चेतावनी दी है कि आज के सांकेतिक प्रदर्शन के बाद भी यदि उनकी वाजिब मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो एक मार्च 2026 से अजमेर जिले की विभिन्न ठेका फर्मों के अधीन कार्यरत ठेका श्रमिकों एवं ग्राम पंचायतों के जल मित्रों द्वारा अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

शक्ति नगर में जल भराव की समस्या के समाधान की प्रक्रिया शुरू

अजमेर, (कासं)। शहर के नाका मदार स्थित शक्ति नगर क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जल भराव की समस्या के समाधान की दिशा में प्रशासनिक प्रक्रिया तेज हो गई है। भाजपा वार्ड 54 के अध्यक्ष प्रवीण राठौड़ एवं भाजपा नेता मुन्ना मंसूरी ने जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता अनिल यादव से मुलाकात कर क्षेत्र में स्थायी समाधान के लिए नाले का निर्माण शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग की।

■ 11.87 लाख का कार्यादेश जारी

प्रतिनिधिमंडल ने अधिशाषी अभियंता को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि बरसात के दिनों में शक्ति नगर क्षेत्र में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़कों और घरों के आसपास जलभराव से आवागमन बाधित होता है तथा बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

भाजपा के प्रवीण राठौड़ ने अधिशाषी अभियंता अनिल यादव को ज्ञापन देकर जलभराव की समस्या निबटाने की मांग की।

अधिशाषी अभियंता अनिल यादव ने आश्वस्त किया कि समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि नाले के निर्माण हेतु पीएसएसएस कंपनी को 11 लाख 87 हजार रुपये का कार्यादेश जारी किया जा चुका है। साथ ही संबंधित सहायक अभियंता को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कार्य शीघ्र प्रारंभ कर समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जा सके। प्रवीण राठौड़ ने कहा कि यह समस्या लंबे समय से क्षेत्रवासियों के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी। उन्होंने बताया कि राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की अनुशंसा के बाद इस कार्य को स्वीकृति मिली है। मंत्री की पहल और विभागीय अधिकारियों की सक्रियता से अब क्षेत्र के लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। भाजपा नेता मुन्ना मंसूरी ने इस क्षेत्र के लिए बड़ी राहत बताते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के सतत प्रयास और मंत्री की सकारात्मक अनुशंसा से यह संभव हो पाया है।

फीफा अभियान का आग़ाज़

नसीराबाद,(निसं)। भारत सरकार के शिक्षा विभाग और विश्व की अग्रणी फुटबॉल संस्था फीफा के संयुक्त मिशन 'फुटबॉल फॉर स्कूल' के तहत पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय (न्व) नांदला, नसीराबाद को अजमेर जिले का मुख्य नोडल सेंटर बनाया गया है। विद्यालय को जिले में 3980 फुटबॉल के वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।कार्यक्रम आज शुक्रवार को विद्यालय परिसर में आयोजित होगा। समारोह में अजमेर के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविन्द नारायण तथा ब्यावर के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अनिल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और फुटबॉल वितरण कर अभियान का शुभारंभ करेंगे। प्राचार्य गिरिराज रेवाड़ ने बताया कि जिले के 517 विद्यालयों को फुटबॉल वितरित की जाएगी। शेष विद्यालयों को संबंधित ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से फुटबॉल उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यालय को वितरण हेतु सभी 3980 फुटबॉल प्राप्त हो चुकी हैं। यह पहल जिले में फुटबॉल को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों में खेल भावना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आम सूचना

मेरी पत्नि अनिता कंवर पत्नि दौलत सिंह जाति राजपूत निवासी ग्राम झाडोल की मृत्यु दिनांक 11.09.2024 को मेरे निवास स्थान ग्राम झाडोल में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत मण्डावरिया में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी पत्नि अनिता कंवर का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। - प्रार्थी- दौलत सिंह पुत्र गणपत सिंह जाति राजपूत निवासी ग्राम झाडोल तहसील अरांई, अजमेर

NAME CHANGE

I, Army No. 17032775X, CFN, Mallikarjun Balappa Nagar Residing at Vill & Po:-Biranholi, Teh:- Hukkeri, Distt:- Belagavi, Karnataka, Pin:-591243 have change my mother's name from Balavva to Balavva Nagar vide affidavit no. CA 331795 dt 12/02/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Army No. 17032775X, CFN, Mallikarjun Balappa Nagar Residing at Vill & Po:-Biranholi, Teh:- Hukkeri, Distt:- Belagavi, Karnataka, Pin:-591243 have change my father's name from Balappa to Balappa Nagar vide affidavit no. CA 331794 dt 12/02/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Army No. 15231373L, HAV(GNR), Patel Deepakkumar Arvindbhai Residing at Vill & Po:- Balol, Teh:- Mahesana, Distt:- Mahesana, Gujarat, Pin:-384410 have change my Daughter's name from Dhruvi to Dhruvi Deepakkumar Patel vide affidavit no. CA 924537 dt 11/02/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I D Pachiyammal Wife of Army No. JC-735048Y, SUB(SHGD), N Dhandapani Residing at Vill & Po:- Ettivadi, Teh:- Polur, Distt:- Tiruvannamalai, Tamil Nadu, Pin:-606907 have change my name from D Pachiyammal to Pachiyammal vide affidavit no. CA 331802 dt 12/02/2026 at court campus Nasirabad

गहलोत बने मीरा महल संरक्षक के सदस्य

मेड़ता सिटी । राजस्थान स्मारक राज्य सरकार की अधिसूचना 2008 द्वारा मेड़ता स्थित मीरा महल को संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है। इस ऐतिहासिक महत्व के स्मारक के संरक्षण,जीर्णोद्धार एवं विकास हेतु अजमेर संभागीय आयुक्त द्वारा एक समिति का गठन किया गया है । संभागीय आयुक्त अजमेर शक्ति सिंह द्वारा जारी किए गए आदेश में मेड़ता निवासी समाज सेवी और मीरा जयंती महोत्सव समिति अध्यक्ष जितेन्द्र गहलोत को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में सम्मिलित किया गया है । गौरतलब है कि गहलोत मेड़ता सहित आस पास क्षेत्र में सामाजिक और धार्मिक सांस्कृतिक गतिविधियों में अग्रसर होकर कार्य करते आए है । वर्तमान में विश्व स्तरीय मीरा जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष पद पर है । समिति के सदस्य के रूप में शामिल करने पर गहलोत ने राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा कि हम सभी के लिए यह सम्मान और गर्व का विषय है कि मीरा महल की दशा को सुधारने का प्रयास राज्य सरकार की और से किया जाएगा । हम सब मिलकर यह प्रयास करेंगे कि मीरा महल एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विश्व के पर्यटन मानचित्र में स्थान प्राप्त कर सके । आगामी दिनों में एक एक्शन पालन बनेगा जिसमें मीरा महल के जीर्णोद्वार के लिए आवश्यक कार्य होंगे ।

वकीलों का विरोध प्रदर्शन

बिजयनगर । राज्य सरकार के घोषित बजट मेंअधिवक्ताओं की लंबे समय से लंबित एडीजे कोर्ट की मांग पूरी नहीं होनेपर गुरुवार को न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओ ने सामूहिक रूप से एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी कर आक्रोश व्यक्त किया। अधिवक्ता रामनिवास जाट ने अधिवक्ताओं के विरोध प्रदर्शन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पिछले कई वर्षों से बिजयनगर न्यायालय को (एडीजे)अपर जिला व सत्र न्यायालय की मांग कर रहे थे इस संदर्भ मेंअधिवक्ताओं द्वारा कई बार सरकार को ज्ञापन दिये गये अधिवक्ता संघ द्वारा राज्य सरकार के मंत्री से लेकर स्थानीय विधायक कोअपनी मांगों को लेकर उचित समाधान की मांग की गई।

साइबर ठगी से बचाव के लिए जागरूकता अभियान

अजमेर,(कासं)। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा घूघरा स्थित राजपुरोहित डेयरी, नाचन बावड़ी, नाथ बस्ती में साइबर फ्रॉड से बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक और भ्रामक संदेशों से सतर्क करना रहा। संस्थान प्रतिनिधि सुमन मेघवंशी एवं मनोरमा सैन ने उपस्थित नागरिकों को साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बारे में फ्लिप चार्ट के माध्यम से बताया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक

साइबर फ्रॉड से बचाव के सम्बंध में पोस्टर बनाये।

खाता विवरण या आधार नंबर जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। फर्जी लॉटरी, इनाम या नौकरी के नाम पर होने वाले प्रलोभनों से दूर रहने की सलाह भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर धोखाधड़ी हो जाती है, तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करे और साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। मोबाइल में मजबूत पासवर्ड रखने, समय-समय पर उसे बदलने तथा केवल विश्वसनीय ऐप्स ही डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान के माध्यम से लोगों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी और सभी ने सतर्क एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने का संकल्प लिया।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज में आयोजित मिलेट्स मेला एवं वॉकेथन सफलतापूर्वक संपन्न

अजमेर, (कासं)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान, जयपुर डॉ. टी. शुभ मंगल के निर्देशों की अनुपालना में आमजन को मिलेट्स (मोटे अनाज) के प्रति जागरूक करने हेतु गुरुवार, 12 फरवरी 2026 को जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर के ऑडिटोरियम में आयोजित मिलेट्स मेला सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ अनिल सामरिया ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन फूड सेफ्टी के अंतर्गत विभिन्न नवाचारों की श्रृंखला में किया गया, जिसमें प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक बड़ी संख्या में आमजन, स्वास्थ्यकर्मी, छात्र-छात्राएं एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। मेले का मुख्य उद्देश्य लोगों को मिलेट्स जैसे ज्वार, बाजरा, रागी आदि मोटे अनाजों के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना रहा।

मेले में विभिन्न प्रकार के मिलेट्स से बने पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजनों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिन्हें उपस्थित लोगों ने न केवल देखा बल्कि उनके स्वाद का भी आनंद लिया। साथ ही विशेषज्ञों द्वारा मिलेट्स की पोषण क्षमता, मधुमेह नियंत्रण, हृदय स्वास्थ्य, पाचन सुधार तथा जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में इनके महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने मिलेट्स को दैनिक आहार में शामिल करने के तरीकों पर भी मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर आमजन में विशेष उत्साह देखने को मिला और लोगों ने मोटे अनाजों को अपनाने का संकल्प लिया। महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही, जिन्होंने मिलेट्स आधारित भोजन को स्वास्थ्यवर्धक विकल्प के रूप में सराहा।

वॉकेथन के माध्यम से दिया गया जागरूकता का संदेश: इसी क्रम में कार्यक्रम के दिन प्रातः 7:30 बजे मिलेट्स जागरूकता वॉकेथन का भी आयोजन किया गया। यह वॉकेथन पुरानी चौपाटी से प्रारंभ होकर नई चौपाटी, अजमेर तक निकाली गई। रैली के माध्यम से आमजन को मिलेट्स से संबंधित खाद्य पदार्थों, उनके लाभों एवं स्वस्थ जीवनशैली में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

भीलवाड़ा की सड़कों पर अब तीसरी आंख का पहरा

भीलवाड़ा। जिले की सड़कों को सुरक्षित बनाने और सड़क हादसों में होने वाली मृत्यु दर को कम करने के लिए पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार, भीलवाड़ा में अब उन्नत इलेक्ट्रॉनिक यातायात प्रवर्तन प्रणाली स्थापित की जा रही है। इस नई तकनीक के लागू होने के बाद अब यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की खैर नहीं है। सिस्टम स्वचालित रूप से नियम तोड़ने वाले वाहनों को चिन्हित करेगा और उनके मालिकों के मोबाइल पर सीधे ई-चालान भेजे जाएंगे। यह प्रणाली राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर तैनात की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम 'शी शक्ति' से महिलाओं को सशक्त बनाने का आव्हान

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 3233 ई-2 के प्रांतपाल लायन रामकिशोर गर्ग की सद्भावना यात्रा के तहत लायंस क्लब जोधपुर मारवाड़ द ग्रेट द्वारा प्रज्ञा निकेतन सभागार में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सेवा गतिविधियों की समीक्षा, भावी योजनाओं पर चर्चा तथा प्रांत स्तरीय निर्देशों से अवगत कराया गया।

डिस्ट्रिक्ट चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि प्रांतपाल की यह अधिकृत यात्रा क्लब के कार्यों के मूल्यांकन और मार्गदर्शन के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का शुभारंभ मेलविन जॉन्स की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

लायंस क्लब इंटरनेशनल के कार्यक्रम में भावी योजनाओं पर चर्चा की गई।

क्लब अध्यक्ष लायन दुर्गेश नंदिनी ने स्वागत उद्बोधन दिया। क्लब सचिव लायन संगीता गौर ने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष लायन सुनीता गांधी ने आय-व्यय का ब्यौरा रखा। ध्वज वंदना लायन रीटा सैन ने की। इस अवसर पर सेवा कार्यों के अंतर्गत जरूरतमंदों को शाम का भोजन उपलब्ध कराया गया, राशन सामग्री वितरित की गई तथा एक वृद्धाश्रम को 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। प्रांतपाल के सम्मान में अभिनंदन पत्र का वाचन लायन गोपी केशवानी ने किया। प्रांतपाल लायन रामकिशोर गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम 'शी शक्ति' ने महिलाओं को एक विशिष्ट पहचान प्रदान की है। उन्होंने सभी क्लब सदस्यों से इस मंच के माध्यम से अधिकाधिक सेवा कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही मिशन 1.50 को प्रभावी रूप से क्रियान्वित कर इंटरनेशनल प्रेसिडेंट के आह्वान को सफल बनाने की बात कही। प्रांतीय कोषाध्यक्ष लायन जे.के. जैन, डॉ. मीना बरडिया, संभागीय अध्यक्ष लायन सरिता सुराणा एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मंजुला अरोड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन/25-26/681 आपत्ति सूचना दिनांक-11.02.26

श्री सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा, श्री त्रिलोचन सिंह छाबड़ा, श्री गुरूदीप सिंह छाबड़ा पुत्रगण श्री मंजीत सिंह छाबड़ा निवासीगण भांग बावडी आशागंज रोड त्रिलोक नगर के सामने अजमेर द्वारा एक सम्पत्ति ए.एम.सी. नं. 15/33 जो वाके उसरी गेट पुलिस चौकी के पास नवाब का बेडा अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 257.65 व.मी. है में स्थित है भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार है-
पूर्व- रास्ता आम अजय नगर जाने वाला उत्तर - रास्ता आम व चौक
पश्चिम- श्री नरेश गुप्ता (कबाडी) की जायदाद दक्षिण - कम्मू डिस्क वाले की जायदाद
अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।
-उपायुक्त, नगर निगम अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उतराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की ख.नं. 619, 620 ग्राम घूघरा योजना के आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड संख्या डी-12 क्षेत्रफल 119.00 वर्गमीटर आवंटी/अन्तरिति श्री प्रवीण कुमार गौतम पुत्र श्री गौरीशंकर गौतम निवासी 839/37 नजदीक सांखला का कुआं, अवधपुरी जोन्सगंज अजमेर, राज. की मृत्यु दिनांक को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः 1. श्रीमती आकंक्षा वर्मा पत्नी स्व. श्री प्रवीण कुमार गौतम 2. प्राश गौतम पुत्र स्व. श्री प्रवीण कुमार गौतम (बाबा) निवासी 2602 इन्द्रपुरी कॉलोनी खजूर बाग नई बस्ती झांसी द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।
-योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/भवन/25-26/685 आपत्ति सूचना दिनांक-11.02.26

श्रीमती दीपिका सोमानी पत्नी श्री विनोद कुमार सोमानी, श्री विनोद कुमार सोमानी पुत्र श्री भगवती प्रसाद सोमानी निवासी एम-74 आनासागर लिंक रोड कृष्णगंज अजमेर द्वारा एक सम्पत्ति ए.एम.सी. नं. 4/118 किशनगढ़ कोठी बापू नगर जयपुर रोड अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 201.19 व.मी. है में स्थित है भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानुसार है-
पूर्व- श्री कैलाशजी मंत्री की सम्पत्ति उत्तर - श्री दिनेश चन्द की सम्पत्ति
पश्चिम- रोड 20 फुट दक्षिण - श्री पारसमल चौपड़ा की सम्पत्ति
अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।
-उपायुक्त, नगर निगम अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: योजना/2025-26/ सार्वजनिक सूचना दिनांक-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती संगीता गौड़ पत्नी श्री गोपाल कृष्ण गौड़ निवासी 77 सुथारों का मोहल्ला यूनिवर्सिटी रोड नोर्थ आयड उदयपुर के द्वारा नगर निगम की भगवानगंज योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या W-77 क्षेत्रफल 69.44 वर्गगज का नामान्तरण करवाये जाने बाबत दस्तावेज सलंग्न कर आवेदन सं. LSG/AJMER/MUT/2025-26/170025 दिनांक 19.01.2026 को नामान्तरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार उक्त भूखण्ड मूल आवंटी श्री रामावतार शर्मा पुत्र स्व. श्री कल्याण सहाय शर्मा के नाम से दर्ज है। श्री रामावतार शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 05.05.2016 को हो चुका है। सजरा प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती संगीता गौड(पुत्री) विधिक वारिस है। उक्त प्रकरण का निष्पादन राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 116 के तहत आवेदित है जिसका निष्पादन धारा 116 के तहत प्रक्रियाधीन किया गया है। इस संबंध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आपत्ति प्रकाशन से 15 दिवस के लिए आवेदन के साथ प्रस्तुत दस्तावेजों को अजमेर नगर निगम कार्यालय की योजना शाखा में देखने/पढ़ने के लिए खुला रखा गया है इस अवधि में किसी भी हितबद्ध व्यक्ति/आम खास को कोई आपत्ति उज्र हो तो सूचना प्रकाशन से 15 दिवस में मय पुख्ता दस्तावेजों के साथ अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है बाद मियाद नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा।
-प्रभारी अधिकारी(योजना) नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक:न.पा.बि./निर्माण स्वी./2025/6170 दिनांक :11.02.26

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद , गुजरने पर कोई उज्र/आपति मान्य नहीं होगी। :-

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
198	मैसर्स मुणोत कन्सट्रक्शन कम्पनी बिजयनगर जरिऐ भागीदार श्री पदमसिंह मुणोत पुत्र कान्तिलाल मुणोत	विद्यासागर रेजिडेन्सी ब्लॉक- R प्लाट नं. R-22 ख.सं. 287	112.40 SQ.MTR	आवासीय
199	मैसर्स मुणोत कन्सट्रक्शन कम्पनी बिजयनगर जरिऐ भागीदार श्री पदमसिंह मुणोत पुत्र कान्तिलाल मुणोत	विद्यासागर रेजिडेन्सी ब्लॉक- R प्लाट नं. R-21 ख.सं. 287	112.40 SQ.MTR	आवासीय
200	M/s Kothari Build creation जरिऐ पार्टनर श्री संजीव कुमार कोठारी पुत्र कन्हैयालाल कोठारी	विद्यासागर रेजिडेन्सी ब्लॉक- R प्लाट नं. R-20 ख.सं. 287	112.40 SQ.MTR	आवासीय
201	M/s Kothari Build creation जरिऐ पार्टनर श्री संजीव कुमार कोठारी पुत्र कन्हैयालाल कोठारी	विद्यासागर रेजिडेन्सी ब्लॉक- R प्लाट नं. R-19 ख.सं. 287	102.19 SQ.MTR	आवासीय

- अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/3785 आपत्ति आमन्त्रित सूचना दिनांक: 01-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि निम्न वर्णित आवेदक ने 69-A के तहत पालिका को आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेंगे। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/ प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं.	मकान मालिक का नाम	मौहल्ले का नाम	क्षेत्रफल
7	अशोक कुमार पुत्र रामस्वरूप पारीक	आबादी क्षेत्र श्रीराम कॉम्पलेक्स बालाजी रोड बिजयनगर दुकान नं. 11 से 15	G.F- 96.76 SQ. Mtr F.F- 74.57 SQ. Mtr S.F- 141.29 SQ. Mtr

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राज0

टैलीफोन नम्बर- 01462-230051 गांधी उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर ई-मेल npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक- न.पा.बि./भूमि/2025/3789 आपत्ति आमन्त्रित सूचना दिनांक: 01-10-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि निम्न वर्णित आवेदक ने 69-A के तहत पालिका को आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेंगे। अतः इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/ प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं.	मकान मालिक का नाम	मौहल्ले का नाम	क्षेत्रफल
8	सत्यनारायण पारीक पुत्र रामस्वरूप पारीक	आबादी क्षेत्र श्रीराम कॉम्पलेक्स बालाजी रोड बिजयनगर दुकान नं. 11 से 15	G.F- 77.58 SQ. Mtr F.F- 74.57 SQ. Mtr S.F- 141.29 SQ. Mtr

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाड़ा(राजस्थान)

टैलीफोन नम्बर- 01483-223079 भीलवाड़ा रोड रोडवेज बस स्टैंड के पास ई-मेल eombgbp@yahoo.in npbgulabpura@gmail.com

क्रमांक- न.प.गु./कृषि भूमि/2026/1381 आपति आमंत्रण सूचना दिनांक: 12-02-26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नामान्तरण के तहत निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुए है जिसके निस्तारण किए जाने में किसी आम-खास/संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 07 दिवस में लिखित रूप से आपत्तिकर्ता मय अपने दस्तावेजों के इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। बाद मियाद (अंतिम क्रेता) के पक्ष में नियमन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र.सं.	ऑनलाईन आवेदन क्रमांक व दिनांक	नाम आवेदक	भूखंड संख्या	क्षेत्रफल (वर्गगज)	कॉलोनी व भूखंड के पडौस	फाईल का प्रकार
1	172764 09.02.2026	श्री ओमप्रकाश दरोगा पुत्र श्री शम्भु सिंह गुलाबपुरा	05-जी-31	213.33	शिवचरण माथुर कॉलोनी गुलाबपुरा। पूर्व-आम रास्ता 80 फीट चौड़ा स्थित। पश्चिम- भूखंड सं. 05-जी-02 स्थित। उत्तर- भूखंड सं. 05-जी-32 स्थित। दक्षिण-भूखंड सं. 05-जी-30 स्थित।	नामान्तरण

-अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका गुलाबपुरा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन उत्तर अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक: LU2012/ADA/2025-26/101785 लोक सूचना दिनांक: 11/02/2026

श्रीमति RAMA DEVI YADAV पत्नी श्री BAL KRISHAN YADAV जाति JATAV निवासी 21/332,YADAV COLONY AMBABADI UDAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	माकड़वाली , अजमेर (अजमेर)	RAMA DEVI	1030	4200	0.42
				कुल	0.42

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो यह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 11-02-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन उत्तर
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन उत्तर अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक: LU2012/ADA/2025-26/101857 लोक सूचना दिनांक: 30/01/2026

श्रीमति HARSHA MOTWANI पुत्री श्री VISHNO MOTWANI जाति SINDHI निवासी 83,84 SHREE SHYAM COLONY NEAR RANA HOSPITAL VAISHALI NAGAR AJMER
श्री MANGI LAL NAYAK पुत्र श्री GOPAL NAYAK जाति MALI निवासी WARD 8,MALIYO KA MOHALLA SAPLA AJMER
ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	चाचियावास , अजमेर (अजमेर)	HARSHA MOTWANI MANGI LAL NAYAK	2905/1273	1600	0.16
				कुल	0.16

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो यह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 30-01-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन उत्तर
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय जिला परिवहन एवं सड़क सुरक्षा अधिकारी, जिला भीलवाड़ा (राज.)

पुर रोड़ बाईपास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) dto.bhilwara.tport@rajasthan.gov.in Ph. No. 01482-260444

क्रमांक:-परि/भील/2025-26/4151 नोटिस दिनांक - 06.02.2026

वाहन संख्या RJ06-PA-6249 श्री सावन सिंह राणावत पुत्र श्री बालू सिंह राणावत निवासी- 5/642, कृष्ण नगर, पुर रोड, आवरी माता मंदिर के पीछे भीलवाडा नोटिस फार्म 37 पत्र क्र.स ...... दिनांक 06.02.2026 फाईनेंसर HINDUJA LEYLAND FINANCE LTD	वाहन संख्या RJ06-GC-3264 श्री सांवर धाकड पुत्र श्री राम रतन धाकड निवासी : धाकडों का मोहल्ला, बिश्यिा, जिला- भीलवाडा नोटिस फार्म 37 पत्र क्र.स ..... दिनांक 06.02.2026 फाईनेंसर : HINDUJA BANK LTD .

विषय: फाईनेंसरों के नाम फेश आर.सी. जारी करने बाबत् ।

उक्त वाहन के फाईनेंसरों ने अपने कब्जे में लेकर अपने नाम से फ्रेश आर.सी. जारी करने हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है। कार्यालय के उपरोक्त पत्रांक से रजि0 एडी0 द्वारा नोटिस भिजवाया गया, लेकिन अभी तक उसका कोई प्रत्युतर प्राप्त नहीं हुआ। तथा न ही किसी प्रकार की आपति/अभ्यावेदन प्रस्तुत हुआ है। समाचार पत्र में पुनः नोटिस प्रकाशित किया जा रहा है। नोटिस प्रकाशन के सात दिवस तक वाहन की मुल आर.सी. इस कार्यालय में प्रस्तुत कर दे या जो भी आपति / अभ्यावेदन हो मय साक्ष्य / प्रमाण के अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर दें। इस अवधि उपरान्त कोई आपति स्वीकार्य नहीं होगी एवं तत्पश्चात U/S 51 (5) Of CMV ACT 1988 के तहत फाईनेंसर के नाम फेश आर. सी. जारी कर दी जायेगी ।

जिला परिवहन अधिकारी भीलवाड़ा (राज.)

BSNL भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMITED
(A Govt. of India Enterprise)

संख्या-BSNLCO-11/12(11)/1/2025-RECTT-CO-Part (1)
दिनांक-03.02.2026

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) दूरसंचार एवं वित्त संवर्ग में वरिष्ठ कार्यकारी प्रशिक्षु (सीनियर एग्जीक्यूटिव ट्रेनी) के पद हेतु प्रत्यक्ष भर्ती योजना के अंतर्गत खुले बाजार से प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करता है।

इच्छुक उम्मीदवार अधिक जानकारी एवं नवीनतम अपडेट के लिए बीएसएनएल की वेबसाइट www.bsnl.co.in पर जा सकते है।

CBC 06204/12/0002/2526 बीएसएनएल निगम कार्यालय, नई दिल्ली

प्रदेश में मा. शि. बोर्ड की परीक्षायें शुरु

पहले दिन सैकेण्डरी की अंग्रेजी अनिवार्य तथा सीनियर सैकेण्डरी की मनोविज्ञान की परीक्षा हुई

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित बोर्ड परीक्षाओं की गुरुवार से औपचारिक शुरुआत हो गई। पहले दिन सैकेण्डरी में अंग्रेजी अनिवार्य तथा सीनियर सैकेण्डरी में मनोविज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित की गई। कक्षा 10वीं की अंग्रेजी विषय की परीक्षा देकर बाहर आए विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएं मिली-जुली रही, कई छात्रों ने प्रश्नपत्र को सरल बताया, जबकि कुछ ने इसे थोड़ा कठिन करार दिया। परीक्षा केंद्रों के बाहर विद्यार्थियों में हल्की घबराहट के साथ-साथ संतोष भी देखने को मिला। अधिकांश छात्राओं का कहना था कि प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के अनुसार था और समय पर पूरा हो गया। वहीं कुछ विद्यार्थियों ने कहा कि ग्रामर और रीडिंग सेक्शन के कुछ प्रश्न अपेक्षाकृत कठिन थे, जिनमें सोचने में अधिक समय लगा।

प्रदेश के कई परीक्षा केंद्रों पर गुरुवार को 10वीं व 12वीं की परीक्षा हुई।

- **10वीं की अंग्रेजी विषय की परीक्षा देकर बाहर आए कई छात्रों ने प्रश्नपत्र को सरल बताया, जबकि कुछ ने इसे थोड़ा कठिन करार दिया**
- **बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थाओं को लेकर राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ सक्रिय नजर आए**

इधर, बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थाओं को लेकर राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ स्वयं सक्रिय नजर आए। उन्होंने बोर्ड परिसर में संचालित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और विभिन्न परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बोर्ड सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न कराई जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या नकल की शिकायत न आए। बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ के अनुसार इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं के लिए 19 लाख 90 हजार 57 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। प्रदेशभर में 6194 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। सुरक्षा और निगरानी के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं तथा संवेदनशील केंद्रों पर विशेष नजर रखी जा रही है। कुल मिलाकर बोर्ड परीक्षाओं का पहला दिन सफल और शांतिपूर्ण रहा। अब आने वाले दिनों में अन्य विषयों की परीक्षाएं आयोजित होंगी, जिनको लेकर विद्यार्थी अपनी तैयारी में जुटे हुए हैं।

वहीं नकल रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। उड़नदस्तों और विशेष दलों की तैनाती की गई है। इस बार अभय कमांड सेंटरों के माध्यम से भी जिलों के परीक्षा केंद्रों की मॉनिटरिंग की जा रही है। बोर्ड परिसर में परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व बोर्ड प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ तथा सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ सहित अधिकारियों ने विधिवत पूजा-अर्चना की और सीसीटीवी कक्ष व कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों को सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया।

सीमावर्ती क्षेत्र में पाकिस्तानी गुब्बारा मिला

बीकानेर, (निसं)। जिले के सीमावर्ती क्षेत्र छतरगढ़ में एक बार फिर पाकिस्तानी गुब्बारा दिखाई दिया है। पहले भी कई बार ऐसे ही गुब्बारे सीमावर्ती क्षेत्र में मिले हैं, जिन पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस लिखा हुआ है। गुब्बारा मिलने की सूचना मिलते ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना कर दी।

छतरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और गुब्बारे को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने गुब्बारे की स्थिति, उस पर लिखे शब्दों और उसके आसपास के क्षेत्र की बारीकी से जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह पहली बार नहीं है जब छतरगढ़ या बीकानेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में इस तरह के गुब्बारे मिले हों। इससे पहले भी कई बार बॉर्डर इलाके में पाकिस्तान की ओर से भेजे गए गुब्बारे बरामद हो चुके हैं। कई बार इन गुब्बारों पर अलग-अलग कंपनियों, संस्थानों या पाकिस्तान से जुड़े नाम भी लिखे मिले हैं। सीमा पार से ऐसे गुब्बारे अक्सर सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान भटकाने, क्षेत्र में भ्रम फैलाने या किसी संदिग्ध गतिविधि को अंजाम देने की मंशा से भेजे जाते हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो जाती हैं क्योंकि कई बार इन गुब्बारों के साथ संदिग्ध सामग्री, संदेश या तकनीकी उपकरण भी जुड़े हो सकते हैं। पुलिस का कहना है कि फिलहाल गुब्बारे की जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर इसे सुरक्षा एजेंसियों व विशेषज्ञ टीम को सौंपा जाएगा।

Office of the Medical Superintendent
RUHS Hospital, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur-302033
Ph. 0141-2792253 Email: supdt.hms@ruhsraj.org

No. RUHS/HMS/Manpower/2025-26/13922 Date: 09/02/2026

अल्पकालीन ई निविदा सूचना

राज.स्वा.वि.वि.आयुर्विज्ञान चिकित्सालय में कार्य की प्रकृति के आधार पर अकुशल, कुशल एवं उच्च कुशल मैन पावर सेवाओं के उपापन हेतु निर्धारित दर संविदा प्रपत्र अनुसार ई उपापन प्रकिया के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत राशि रू. 600 लाख)

1.	Bid Download Start Date/Time	09/02/2026 from 05:00 PM onwards
2.	Bid Submission Start Date/Time	09/02/2026 from 05:00 PM onwards
3.	Bid Submission End Date/Time	06/03/2026 at 02:00 PM
4.	Technical Bid Opening Date/Time	07/03/2026 at 02:00 PM

- Details may be seen in the bidding document at https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in

UBN: CMS2526SLRC00115
Raj.Samwad/C/25/19737
Medical Superintendent
RUHS Hospital, Jaipur

राजस्थान-सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान
आबकारी भवन-2 गुमानियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001
क्रमांक-F.32(B)(After Policy 2026-27)/ex/I/2026-06481-9018219/693
दिनांक-11.02.2026

कम्पोजिट रिटेल ऑफ मदिरा दुकानों के वर्ष 2025-26 के अनुज्ञाधारियों को वर्ष 2026-27 के लिये अनुज्ञा पत्र नवीनीकरण के लिये आवेदन (विकल्प प्रस्तुत करने की नियत तिथि को बढाई जाने की सूचना

इस कार्यालय की समसंख्यक विज्ञप्ति क्रमांक 665 दिनांक 28.01.2026 के सन्दर्भ में राज्य के कम्पोजिट रिटेल ऑफ मदिरा दुकानों के वर्ष 2025-26 के समस्त अनुज्ञाधारियों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026-27 के समस्त अनुज्ञाधारियों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026-27 के लिए अनुज्ञापत्रों के नवीनीकरण के लिए पात्र एवं इच्छुक अनुज्ञाधारी अपना नवीनीकरण आवेदन (विकल्प) पत्र मय निर्धारित आवेदन शुल्क के साथ दिनांक 16.02.2026 तक संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत किये जा सकेंगे। दिनांक 16.02.2026 तक नवीनीकरण आवेदन (विकल्प) प्राप्त नहीं होने पर अनुज्ञाधारी का नवीनीकरण करवाने का विकल्प समाप्त हो जावेगा। तथा दुकान/समूह (Cluster) का आवंटन ई-नीलामी/ई-निविदा द्वारा किया जाएगा।
वर्ष 2026-27 हेतु अनुज्ञापत्र नवीनीकरण से संबंधित समस्त जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in का अवलोकन करें।
अन्य सभी शर्तें पूर्वानुसार यथावत रहेगी।

DIPR/C/____/2026 आबकारी आयुक्त, राजस्थान

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PHED DIVISION KARAULI
PH NO.-07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for various works under summer contingency are invited from interested bidders up to 24.02.2026 other particulars of the bid may be visited eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website. on the procurement portal
NIB CODE:-PHE2526A5986

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	142/2025-26	PHE2526WSOB12758	9	150/2025-26	PHE2526WSOB12771
2	143/2025-26	PHE2526WSOB12759	10	151/2025-26	PHE2526WSOB12773
3	144/2025-26	PHE2526WSOB12762	11	152/2025-26	PHE2526WSOB12774
4	145/2025-26	PHE2526WSOB12763	12	153/2025-26	PHE2526WSOB12776
5	146/2025-26	PHE2526WSOB12765	13	154/2025-26	PHE2526WSOB12777
6	147/2025-26	PHE2526WSOB12766	14	155/2025-26	PHE2526WSOB12779
7	148/2025-26	PHE2526WSOB12769	15	156/2025-26	PHE2526WSOB12780
8	149/2025-26	PHE2526WSOB12770	16	157/2025-26	PHE2526WSOB12781
01		Total work	16		
02		Total Estimate Cost	63.29 Lac		
03		Bid submission end date	24.02.2026 up to 06.00 PM		
04		Bid opening date	25.02.2026 at 02.00 PM		

(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
PHED Division Karauli
DIPR/C/2411/2026

उदयपुर : सिलाई कर रही महिला पर चाकू से हमला, हालत गंभीर

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के कुराबड थाना क्षेत्र में बुधवार देर शाम सिलाई का काम कर रही एक महिला पर अज्ञात बदमाश ने चाकू से हमला कर दिया। महिला गंभीर घायल हो गई, जिसके बाद उसे एमबी हॉस्पिटल रेफर किया गया। खून ज्यादा बहने से महिला की हालत गंभीर बनी हुई है।

हॉस्पिटल में भर्ती घायल महिला ने बताया कि हमले के दौरान वह चिल्लाती हुई दुकान से बाहर आई और लोगों से मदद की गुहार लगाई थी, लेकिन लोग तमाशे की तरह देखते रहे। किसी ने मेरी मदद नहीं की। थानाधिकारी तेजू सिंह ने बताया कि कुराबड के ब्रह्मपुरी में यास्मीन (35) पुत्री फैयाज शाह अपनी दुकान पर सिलाई कर रही थी। तभी अज्ञात व्यक्ति ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। महिला घायल हो गई, जिसका इलाज जारी है। पुलिस आसपास सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपी की तलाश में जुटी है।

जानकारी अनुसार आरोपी अपने बहन के कपड़े सिलाई के बाद लेने की बात कह रहा था, लेकिन पीड़िता ने ऐसे कोई कपड़े होने से इंकार कर दिया। इसके बाद आरोपी वहां से चला गया।

- **बदमाश ने महिला की गर्दन, सिर और हाथ पर तीन वार किए**
- **पुलिस आसपास सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपी की तलाश में जुटी**

फिर करीब 20 मिनट बाद वापस लौटा और सिलाई करती महिला पर चाकू से हमला कर दिया। बदमाश ने महिला की गर्दन, सिर और हाथ पर तीन वार किए। जिससे वह घायल हो गई। आरोपी मौके से फरार हो गया। आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर कुराबड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस घटना के स्पष्ट कारणों की तलाश में जुटी है। घायल महिला की मामी गुलनाज बानो के अनुसार आरोपी ने यास्मीन पर तीन बार चाकू से वार किए। मौके पर लोग जमा हो गए थे, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। हम घायल को हॉस्पिटल लाए तब भी पुलिस साथ नहीं थी।

सोने की चेन के बदले में नकली बिस्किट देकर ठगी :- उदयपुर में असली सोने की चेन खरीदने के दौरान बदले में नकली बिस्किट देकर व्यापारी के साथ ठगी करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

जानकारी के अनुसार पीड़ित नमन सोनी पुत्र राकेश सोनी निवासी सेवा नगर सेक्टर 4 हिरणमगरी ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 7 फरवरी को अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर सोने की चेन खरीदने एवं भाव के संबंध में पूछताछ की। इस पर दोनों के बीच हुई बातचीत में सहमति बनने पर आरोपी दुबारा दो दिन बाद आरोपी चेतक सर्कल पर आया तथा फोन कर बुलाने पर नमन मौके पर पहुंचा। जहां करीब साढे पांच तोला सोने की 3 चेन देकर बदले में आरोपी से समान वजन का सोने का बिस्किट लेकर बड़ा बाजार में स्थित अपनी दुकान पर चला आया, जहां पहुंच कर बिस्किट की जांच की तो नकली होना पाया गया। इस पर उसके मोबाईल पर संपर्क किया तो स्वीच ऑफ था। इस पर हाथीपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एएसआई लोकेश कुमार कर रहे हैं।

महिला की चेन छीनने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना पुलिस ने महिला दुकानदार को चाकू दिखा उसके गले से सोने की चेन छीनने के मामले में पहाड़ा थाने के शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 11 फरवरी को पीड़िता सुनिता पत्नी बद्रीलाल कलाल निवासी तीतरड़ी अम्बामाता घाटी सविना ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि मेरी गायत्री किराणा स्टोर पर शाम को मुंह बांध कर दो लड़के आए तथा सिगरेट लने के बहाने बातचीत करते हुए मेरी गर्दन पर झपट्टा मार कर सोने की चेन छीन कर भाग रहे थे। इसको देख चिल्लाने पर लोगों ने घेरा डाल कर पकड़ लिया, लेकिन एक बदमाश चाकू दिखा कर बाइक से उतर कर फरार हो गया। डिटेनशुदा बाल अपचारी की सूचना मिलने पर सविना थानाधिकारी गजवीरसिंह मय टीम ने जोगी तालाब 200 फीट रोड़ के समीप झाडियों में छिपा भवर लाल पुत्र लक्ष्मण लाल मीणा निवासी सरेरा फला बिचला पहाड़ा पुलिस को देख कर भागा जो गिरने पर चोटिल होने पर चिकित्सालय में उपचार कराया। भवरलाल पहाड़ा थाने का बदमाश होकर उसके खिलाफ कई अपराधीक प्रकरण दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार था।

बोरवेल खुदाई में निकली चांदी जैसी धातु लूटने पहुंचे लोग

अलवर, (निसं)। अलवर में बोरवेल करते समय चांदी जैसी धातु के टुकड़े निकले। यह सब देखकर सबसे पहले बोरवेल करने वाले मजदूर ही पत्थर लूटने लगे। इसके बाद आसपास के दुकानदार और लोग भी धातु के टुकड़े ले गए। मामला अल्कापुरी इलाके में गुरुवार को करीब 1:30 बजे का है। यह बोरवेल जलदाय विभाग की ओर से करवाया जा रहा है। फिलहाल काम को रोक दिया है।

बोरवेल कर रहे मजदूर शाहरुख खान ने बताया कि यहां से लोग करीब 10 से 15 किलो वजन के चांदीनुमा पत्थर ले गए। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है कि जमीन के नीचे से आए चमकीले पत्थरों में चांदी कितनी प्रतिशत है। बोरवेल करते समय करीब 800 फीट तक मशीन से खुदाई हुई तो पानी-मिट्टी के प्रेशर के साथ नीचे जमीन से चांदी जैसी धातु के पत्थर निकले।

मजदूर शाहरुख खान ने बताया कि यहां 800 फीट गहरा बोरवेल करना था। इसमें आखिरी में जमीन की 20 फीट खुदाई तक मशीन पहुंची, तब यह चमकीला पत्थर निकलने लगा। आम तौर पर बोरवेल के नीचे से अलग-अलग तरह के पत्थर आ जाते हैं, लेकिन यह कुछ अलग है। इसमें धातु हो सकती है। आखिरी में करीब 5 से 10 प्रतिशत ऐसा पत्थर आया है। मशीन पर काम

- **बोरवेल में पानी-मिट्टी के साथ निकले टुकड़े, 15 किलो पत्थर मजदूर और लोगों ने लूटा**
- **यह बोरवेल जलदाय विभाग की ओर से करवाया जा रहा है, फिलहाल काम को रोका**

कर रहे मजदूर ही चांदी जैसे पत्थर लूटने लगे। उनको देख आसपास के दुकानदार भी आ गए। आसपास के काफी लोग पानी और मिट्टी के अंदर से ढूंढ़कर चमकीले पत्थर के टुकड़े लेकर गए हैं।

मशीन पर काम करने वाले ऑपरेटर भरत प्रजापत ने बताया कि हम कुछ नहीं कह सकते कि यह सिल्वर है। अभी 800 फीट के आसपास खुदाई हुई है, उसके बाद यह पत्थर आया है।

चमकीले पत्थर इकट्ठा कर रहे युवक महेश चंद सैनी ने बताया कि ये पता नहीं क्या है। दिखने में लगता है कि चांदी या सोना हो सकता है। लोग करीब 15 किलो के आसपास पत्थर ले गए।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (एम.एम.-प्रथम)
पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर टेलीफैक्सः 0141-2208098

निविदा सूचना

एल टी एक्स एल पी ई इंसुलेटेड एरियल बन्च्ड केबल, बेयर मेसेन्जर वायर के साथ (1Cx25+25 Sq.mm) (निविदा संख्या- 5071) (UBN- VVN2526GLOB00979), 2 कोर एलटी पीवीसी आरमर्ड केबल (2Cx4 Sq.mm) (निविदा संख्या-5072) (UBN- VVN2526GLOB00980), ए सी एस आर डॉग कंडक्टर (निविदा संख्या-5073) (UBN- VVN2526GLOB00981), फैब्रीकेटेड स्टील आइटम (वेल्डेड) 33 केवी कॉस आर्म्स मय क्लैम्प (एंगल) व टॉप हैम्पर, 11 केवी कॉस आर्म्स (65X65X6) मय क्लैम्प (एंगल) व टॉप हैम्पर, 11 केवी टॉप हैम्पर बिना क्लैम्प, एलटी कॉस ब्रैकेट 4' लम्बे एवं 2' लम्बे, (निविदा संख्या-5074) (UBN- VVN2526GLOB00983), 33 केवी जी आई पिन (निविदा संख्या-5075) (UBN- VVN2526GLOB00982), 11 केवी पिन इंसुलेटर (पोर्सलीन) (निविदा संख्या-5076) (UBN- VVN2526GLOB00984), 11 केवी पिन इंसुलेटर (पोलीमर) (निविदा संख्या-5077) (UBN- VVN2526GLOB00985), 45 के एन टी एण्ड सी टाइप टाइप डिस्क इन्सुलेटर (पोलीमर) (निविदा संख्या-5078) (UBN- VVN2526GLOB00986), 11 केवी हॉर्न गैप फ्यूज सैट पोस्ट इंसुलेटर के साथ (निविदा संख्या-5079) (UBN- VVN2526GLOB00987), 33 केवी एवं 11 केवी आईसोलेटर के फिक्स्ड कॉन्टेक्ट (जॉ) एवं मुविंग कॉन्टेक्ट (पाइप) (निविदा संख्या-5080) (UBN- VVN2526GLOB00988) की खरीद हेतु 'ई-प्रोक्योरमेंट' प्रणाली के अन्तर्गत निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के बारे में अन्य विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl द्वारा जाने जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन / तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl पर उपलब्ध कराई जाएगी।

जेपीआर-3121 (2026)
राज.संवाद/सी/25/19727
अधीक्षण अभियन्ता (एम. एम. प्रथम)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www.mcudaipur.org.com
क्रमांकः- एस.के./2025.26/209 दिनांकः-10.02.26

ई-बोली आमन्त्रण सूचना संख्या-ई- 01/2025-26

नगर निगम उदयपुर द्वारा अल्पाहार, भोजन व पानी केम्पर सप्लाई कार्य की दर संविदा हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा की अनुमानित लागत 30.00 लाख है। ऑनलाइन निविदा फार्म मिलने की प्रारंभ दिनांक 11.02.26 अन्तिम दिनांक 23.02.26 तथा खुलने की दिनांक 24.02.26 रहेगी।

UBN No. UNP2526GLRC00150
राज.संवाद/सी/25/19723
आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय नगर पालिका हिण्डोली जिला - बून्दी (राज0)
क्रमांक :- न0पा0हि0/निर्माण /2025-26/3265 दिनांक :- 09.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 22 /2025-26

नगर पालिका हिण्डोली द्वारा विभिन्न कार्यो हेतु नगर पालिका हिण्डोली में पंजीकृत कार्यो के अनुसार सक्षम स्तर के संवेदक एवं अन्य विभागों में पंजीकृत AA,A श्रेणी के संवेदकों से द्वी लिफाफा पद्वति/ई-निविदा पद्वति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 10.02.2026 से तथा अपलोड करने की दिनांक 10.02.2026 से दिनांक 23.02.2026 तक है। जिसकी कुल लागत 54.50 लाख है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
NIB code :- DLB2526B1447

Sr.N.	UBN No.	Tender Cost in lakh
1	DLB2526WSRC33761	24.96
2	DLB2526WSRC33762	29.54

राज.संवाद/सी/25/19697 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर परिषद टोंक
क्रमांक :-न.प.टोंक/निर्माण/2025-26/14290 दिनांक :- 09.02.2026

NOTICE INVITING TENDERS THROUGH
NIT No 87 / 2025-26

Bids are invited from interested bidders from 10.02.2026 (10.00AM) to 23.02.2026 (6.00PM) as per following details. Other particulars of he bid may be visited on procurement portal (www.Sppp.Rajasthan.gov.in) of the state
NIB No. DLB2526B1403

NIT No.	Name of work	UBN No.
87/2025-26	आईडीएसएमटी कॉलोनी मे सेक्टर नं. बी एवं सी के पार्क का सौन्दर्यकरण करने का कार्य (अनुमानित राशि 29.98 लाख)	DLB2526WSOB33593

Date & time of opening of tender 24.02.2026 at 3.00PM
अति0 जिला कलक्टर एवं प्राधिकारी /प्रशासक न0प0टोंक
आयुक्त नगर परिषद, टोंक
राज.संवाद/सी/25/19677

राजस्थान सरकार
वन विभाग
कार्यालय उप वन संरक्षक, कोटा
राजभवन रोड, सिविल लाईन्स, नयापुरा, कोटा-324001 दूरभाष/फेक्स 0744-2322747
(ई मेल आई.डी dcf.kota.forest@rajasthan.gov.in)
क्रमांक- एफ () स्टोर/उवसं/2025-26/890 दिनांक-01.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 48/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से MSME / SSI Unit / अधिकृत पंजीकृत निर्माताओं/विक्रेताओं/सप्यालर्स से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आरएफबीडीपी योजनान्तर्गत इस कार्यालय के अधीन विभिन्न रेंजों लाडपुरा, मण्डाना, मोडक, कनवास, सुल्तापुर, ईटावा एवं खातोली के क्षेत्राधिकारी अधीन राजकीय विद्यालयों हेतु विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था हेतु आयरन टेबल कम बैन्चेस को क्रय करने के लिए द्वि-स्तरीय निविदा प्रक्रिया के माध्यम से वार्षिक दर अनुबंध पद्धती के आधार पर ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
उक्त निविदा को ऑनलाईन भरने की अंतिम तिथि 15.02.2026 को सायं 06.00 बजे तक है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण निम्नानुसार साईट्स परदेखा जा सकता है।
https://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in
UBN NO. 1- FOR2526WSOB05315
(अपूर्व कृष्ण श्रीवास्तव)
उप वन संरक्षक
कोटा (राज.)
DIPR/C/2717/2026

भारत-पाक बॉर्डर पर 10 करोड़ की हेरोइन मिली

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाक बॉर्डर पर बीकानेर जिले के खाजूवाला क्षेत्र में एक बार फिर पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन से हेरोइन गिराई गई है। बॉर्डर से 2 किमी दूर मिला 2 किलो 25 ग्राम हेरोइन का पैकेट मिला। 10 करोड़ रुपए की हेरोइन को बीएसएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जब्त कर लिया गया।

खाजूवाला के कार्यवाहक एसएचओ हरपाल सिंह ने बताया कि मंगलवार देर रात बॉर्डर के पास संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली थी। आशंका थी कि ड्रोन के जरिए मादक पदार्थ गिराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। रात करीब एक बजे चक 14 बीडी के पास बॉर्डर से करीब दो किलोमीटर दूर एक पीले रंग का पैकेट बरामद हुआ। जांच में उसमें करीब 2 किलो 25 ग्राम हेरोइन होने की पुष्टि हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 10 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। बरामद पैकेट में दो

- **बीकानेर जिले के खाजूवाला क्षेत्र में ड्रोन से गिराई गई थी हेरोइन**

छड़ें लगी हुई थी, जिन्हें संभवतः ड्रोन से जोड़कर गिराने के लिए इस्तेमाल किया गया। शुरुआती जांच में साफ है कि तस्करों ने ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर सीमा पार से खेप भेजी। पुलिस ने अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच पूगल थाना प्रभारी समरवीर को सौंपी है। आसपास के क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। खाजूवाला क्षेत्र में यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 8 जनवरी को चक 40 केजेडी में भी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराई गई करीब ढाई करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की गई थी। उस समय 500 ग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई थी।

ट्रेन की चपेट से युवक की मौत

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना रुदावल थाना क्षेत्र के ब्रह्मबाद रेलवे फाटक के पास की बताई जा रही है। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार युवक रेलवे पटरी पार कर रहा था, तभी अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बंध बारेठा थाना इंचार्ज भरतलाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रुदावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया है। मृतक की पहचान सुरेंद्र शर्मा पुत्र भूदेव निवासी गांव ककलपुरा के रूप में हुई है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है और आगे की कार्रवाई जारी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है।

बेटी की शादी के एक दिन पहले मां की हादसे में मौत

देवर के साथ कार्ड बांटकर लौटते समय बाइक से गिर गई थी महिला

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में पालवड़ा के पास देवर की बाइक के पीछे बैठी भाभी की नीचे गिरने से मौत हो गई। बेटी की शादी के एक दिन पहले ही मां की मौत से परिवार ने मातम पसर गया। देवर और भाभी दोनों ही शादी के कार्ड बांटने के बाद वापस घर लौट रहे थे।

सदर थाना पुलिस के अनुसार धर्मनारायण मीणा निवासी कलावत फला आमली डूंगरी थाना ऋषभदेव उदयपुर की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इसमें बताया कि उसकी बेटी की 13 फरवरी को शादी है। बुधवार को पत्नी काली देवी (50) और छोटा भाई कांतिलाल दोनों ही बाइक लेकर शादी के कार्ड बांटने डूंगरपुर के देवल गांव गए थे। दोनों ही निमंत्रण पत्र देकर वापस बाइक से जा रहे थे। पालवड़ा स्कूल के पहले ही महिला काली देवी अचानक बाइक से नीचे गिर गई। महिला के हाथ, पैर ओर सिर पर गंभीर चोटें आई। उसे तुरंत डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए, जहां इमरजेंसी में डॉक्टर ने जांच के बाद काली देवी की मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। हादसे के बाद शादी के घर में मातम पसर गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास, सबको आवास
ई-ऑक्शन के माध्यम से
व्यावसायिक / आवासीय प्रीमियम संपत्तियों को खरीदने का सुनहरा अवसर
ई-ऑक्शन 25 से 27 फरवरी, 2026

बड़े व्यावसायिक भूखण्ड
जयपुर - 10 अलवर - 01
भिवाड़ी - 18 भरतपुर - 01

स्वतंत्र निर्मित आवास एवं फ्लैट
जयपुर - 07

आवासीय भूखण्ड
जयपुर - 04 अलवर - 06
जोधपुर - 02

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें
RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in

ईएमडी राशि न्यूनतम बोली मूल्य की 2% होगी एवं बोली/ई-नीलामी आरम्भ होने से 5 दिन पूर्व जमा कराई जा सकेगी एवं 24 घंटे पूर्व तक स्वीकार की जा सकेगी।

वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी एवं अन्य शर्तो के लिए QR कोड स्कैन करें
*भवन निर्माण पैरामीटर्स भवन विनियम 2025 के अनुसार रहेंगे।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्तः 9461054291/92/319 एवं 6376868696, 9460254319
राज.संवाद/सी/25/19749
आवेदन केवल ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से
आवासन आयुक्त

राज्य बजट 2026-27 में किसान कल्याण पर विशेष फोकस

राजस्थान में कृषि क्षेत्र के लिए 1.19 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रावधान

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में किसान कल्याण पर विशेष फोकस रखा है। बजट वर्ष 2026-27 में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए रिकॉर्ड एक लाख 19 हजार 408 करोड़ 11 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राशि गत वर्ष की तुलना में 7.59 प्रतिशत अधिक है। सरकार का दावा है कि इन प्रावधानों से किसानों की आय, उत्पादकता और कृषि अवसंरचना को नई मजबूती मिलेगी तथा राजस्थान को देश का अग्रणी कृषि राज्य बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

बजट में ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण योजना के तहत 35 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिस पर 800 करोड़ रुपये ब्याज अनुदान दिया जाएगा। दीर्घकालीन सहकारी कृषि एवं नॉन-फार्मिंग सेक्टर के लिए 590 करोड़ रुपये का ऋण 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे करीब 26 हजार किसान एवं लघु उद्यमी लाभान्वित होंगे।सिंचाई और खेतों की आधारभूत सुविधाओं के लिए 585 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान प्रस्तावित है। इसके तहत 8 हजार डिग्गियां, 15 हजार किलोमीटर सिंचाई पाइपलाइन तथा अगले दो वर्षों में 36 हजार फार्म पॉण्ड बनाए जाएंगे, जिससे 80 हजार से अधिक किसान लाभान्वित होंगे।

- **रबी दलहनों का उत्पादन 22.34 प्रतिशत वृद्धि के साथ 26.61 लाख मैट्रिक टन अनुमानित**
- **मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना में लक्ष्य के मुकाबले 99 प्रतिशत से अधिक गुणवत्तापूर्ण बीज वितरित**

50 हजार किसानों को 20 हजार किलोमीटर तारबंदी के लिए 228 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। सामुदायिक तारबंदी में न्यूनतम कृषक संख्या 10 से घटाकर 7 कर दी गई है। इसके अलावा 50 हजार किसानों को कृषि यंत्रों पर 160 करोड़ रुपये का अनुदान तथा 500 कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

राज्य में उन्नत बीजों को बढ़ावा देने के लिए 5 लाख किसानों को मूंग, 1-1 लाख किसानों को मोठ और ज्वार-बाजरा-बरसीम के मिनीकिट वितरित किए जाएंगे। 2.50 लाख किसानों को दलहनी और तिलहनी फसलों के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। पांच हजार से अधिक आबादी वाली 3496 ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध रूप से वर्मी कम्पोस्ट इकाइयां स्थापित की जाएंगी। प्रथम चरण में 2098 ग्राम पंचायतों में लगभग 270 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।

किसानों को जलवायु जोखिम से बचाने के लिए डिजिटल कृषि मिशन के तहत 'राज कृषि सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली' विकसित की जाएगी। एआई, एमएल, जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और सैटेलाइट इमेजरी के माध्यम से मौसम आधारित बुवाई, फसल स्वास्थ्य निगरानी और जोखिम प्रबंधन की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

प्रदेश के विशिष्ट कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए 'मिशन राज गिफ्ट' भी प्रारंभ किया जाएगा।

राजस्थान कॉपरेटिव डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट फंड को 1000 करोड़ से बढ़ाकर 2000 करोड़ रुपये किया गया है। 'सरस' ब्रांड को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए एनसीआर, यूपी और एमपी में आउटलेट्स खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के तहत 5 लाख पशुपालकों को लाभान्वित करने के लिए 700 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री बीज स्वावलंबन योजना के तहत 1.12 लाख क्विंटल बीज वितरित किए गए। नई किस्मों के 31.50 लाख बीज मिनीकिट निःशुल्क दिए गए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 6,206 करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में 10.63 लाख पशु और 5.54 लाख परिवार लाभान्वित हुए। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को 1,070 कृषि ड्रोन खरीदने पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया गया।

विधायक रोहित बोहरा ने किया अभद्र इशारा

जयपुर (विसं)। विधानसभा में गुरुवार को शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा अभद्र इशारा करते हुए कैमरे में कैद हो गए। शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा विधायकों को सरकारी कार्यक्रमों के लोकार्पण शिलान्यास का मुद्दा उठा रहे थे। रोहित बोहरा उनके पीछे बैठे थे।

इस दौरान बोहरा ने किसी विधायक को हाथ जोड़कर अभिवादन किया, थोड़ी ही देर में उन्होंने हंसते हुए हाथ से अभद्र इशारा किया था। यह सब विधानसभा की लाइव फीड के कैमरों में भी कैद हो गया था। हालांकि विधानसभा सदन में अब तक किसी विधायक ने इस पर चर्चा नहीं की थी। देर शाम सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा ने मुख्यमंत्री निवास पहुँचकर ''बजट राजस्थान 2026-27'' के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का धन्यवाद व्यक्त किया। कटारा ने कहा कि यह बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ गरीब, किसान, नारी शक्ति और युवा सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

दौसा तहसीलदार की कार्यशैली पर विधानसभा में हंगामा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को दौसा तहसीलदार की कार्यशैली को लेकर जमकर हंगामा हुआ। दौसा से कांग्रेस विधायक दीनदयाल बैरवा ने शून्यकाल के दौरान तहसीलदार पर मनमानी और एससी वर्ग के लोगों के मकान तोड़ने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तहसीलदार वंचित तबके के लोगों के साथ अन्याय कर रहा है और उनका व्यवहार भी अत्यंत खराब है। बैरवा ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के साथ इस तरह का व्यवहार न केवल अपमानजनक है, बल्कि पूरे सदन के लिए चिंताजनक है। उन्होंने संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

- **कांग्रेस विधायक बैरवा वैल में पहुंचे तो स्पीकर ने कार्रवाई का आश्वासन दिया**

मामले को लेकर सदन में माहौल उस समय गरमा गया जब विधायक बैरवा वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। इस पर स्पीकर ने नाराजगी जताते हुए इसे अनुशासनहीनता करार दिया। उन्होंने बैरवा को मर्यादा में रहने की हिदायत दी और आश्वासन दिया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

इसी बीच नेता प्रतिपक्ष ने व्यवस्था का प्रश्न उठाने की कोशिश की, जिस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने आपत्ति जताई। जिस पर दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस भी हुई। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि मुख्य सचेतक किस नियम के तहत बीच में हस्तक्षेप कर रहे है।। हंगामे के बीच स्पीकर ने स्थिति को संभालते हुए कहा कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सदन की कार्यवाही के दौरान इस मुद्दे को लेकर काफी देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

फैक्ट्री से 1000 किलो सॉस सीज

जयपुर। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान खाद्य सुरक्षा एवं और स्वास्थ्य टीम टीम ने गुरुवार को मुहाना मंडी स्थित मैसर्स श्री श्याम फूड इंडस्ट्री पर कार्यवाही कर मिलावट के संदेह पर एक हजार किलो सॉस सीज किया।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि इस फैक्ट्री से उत्पादित श्री श्याम ब्रांड सॉस का नमूना जांच रिपोर्ट में अनसेफ पाया गया था। जिस पर रिकॉल और रिसेंपलिंग के निर्देश पर टीम इस फैक्ट्री पर पहुंची। मौके पर टीम द्वारा स्नैक्स सॉस और रेड चिली सॉस के नमूने लेकर शेष एक हजार किलो सॉस में कलर मिला होने एवं अन्य कोई मिलावट होने का संदेह होने पर जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक सीज किया गया। मौके पर फैक्ट्री में विभिन्न प्रकार के फ्लेवर, सॉस, आचार आदि लगभग 150 किलो एस्पायर पाए गए। जिन्हें मौके पर नष्ट करवाया गया।

विधानसभा में फिर गूंजा खेजड़ी संरक्षण का मुद्दा

विधायकों ने गौशालाओं, विधायकों के सम्मान और प्रशासनिक कार्यों से जुड़े प्रकरण भी उठाए

जयपुर (विसं)। राज्य विधानसभा में गुरुवार को शून्यकाल के दौरान स्थगन प्रस्ताव के जरिए विधायकों ने कई अहम मुद्दे उठाए। बायतू विधायक हरीश चौधरी ने खेजड़ी के संरक्षण का मामला प्रमुखता से उठाते हुए इसे प्रदेश की लाइफ लाइन बताया। वहीं अन्य विधायकों ने गौशालाओं, विधायकों के सम्मान और प्रशासनिक कार्यों से जुडे मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

हरीश चौधरी ने कहा कि खेजड़ी का अस्तित्व संकट में है और बीकानेर सहित कई क्षेत्रों में इसके संरक्षण को लेकर आंदोलन चल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में लाखों खेजड़ी के पेड़ काटे जा चुके हैं। हम सब इस मामले में विफल रहे हैं, लेकिन अब मिलकर इसे रोकना होगा, उन्होंने कहा। चौधरी ने बताया कि टेनेंसी एक्ट लागू होने के समय खेजड़ी एक प्रकार की संपत्ति मानी जाती थी, लेकिन आज यह प्रदेश की आवश्यकता बन चुकी है।

चौधरी ने चर्चा के दौरान एक समाज विशेष का उल्लेख किया, जिस पर विधायक पटेल ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यदि उनका नाम लिया जा रहा है तो उन्हें पहले नोटिस दिया जाना चाहिए।

इस बात को लेकर दोनों विधायकों के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। विधानसभा अध्यक्ष ने हस्तक्षेप करते हुए चौधरी को अध्यक्ष को संबोधित करने के निर्देश दिए। टोका-टाकी के बीच चौधरी ने कहा कि आवश्यकता होगी तो वे नोटिस देकर भी बात करेंगे, लेकिन खेजड़ी का संरक्षण अत्यंत जरूरी है।

17 फरवरी को बजट बहस का जवाब देंगी सरकार

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र को लेकर कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) ने 19 फरवरी तक का विस्तृत कामकाज तय कर दिया है। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने सदन में बीएसी का प्रतिवेदन पेश करते हुए आगामी दिनों की कार्यवाही की रूपरेखा साझा की।

बीएसी की बैठक में निर्णय लिया गया कि 12, 13, 16 और 17 फरवरी को राज्य बजट पर विस्तृत चर्चा होगी। इन चार दिनों के दौरान पक्ष और विपक्ष के विधायक बजट के विभिन्न प्रावधानों, घोषणाओं और वित्तीय प्रबंधन पर अपनी बात रखेंगे।

बजट को लेकर पहले ही सदन में तीखी बहस के संकेत मिल चुके हैं और आने वाले दिनों में यह चर्चा और तेज होने की संभावना है। आगामी 14 और 15 फरवरी को विधानसभा की कार्यवाही अवकाश के कारण स्थगित रहेगी। इसके बाद 17 फरवरी को डिप्टी सीएम एवं वित्त मंत्री दीया कुमारी बजट पर हुई चर्चा का जवाब देंगी। माना जा रहा है कि वे विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों- कर्ज, घोषणाओं के क्रियान्वयन, सामाजिक योजनाओं और किसानों से जुड़े विषयों-पर सरकार का पक्ष विस्तार से रखेंगी।

फ्री बीज देने में राजस्थान तीसरे नंबर पर : बोहरा

कांग्रेस विधायक ने सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में बजट बहस के दौरान कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा ने राज्य सरकार के वित्तीय प्रबंधन और पिछली बजट घोषणाओं को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने अब तक करीब 2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज ले लिया है और वित्तीय अनुशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बोहरा ने कहा कि जिस 'फ्री बीज' योजना को लेकर कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाए जाते थे, उसी मामले में राजस्थान अब देश में तीसरे नंबर पर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, हम पर आरोप लगाते थे, लेकिन आपकी सरकार जीएसडीपी का 14 फीसदी फ्री बीज में दे रही है। हम तो आपसे बहुत पीछे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले बजट में की गई कई घोषणाएं अब तक अधूरी हैं। बोहरा ने कहा कि एक भी छात्रा को गार्गी पुरस्कार नहीं मिला, बच्चियों को ट्रांसपोर्ट वाउचर और प्रोत्साहन राशि तक नहीं दी गई। इसके अलावा 5000 अन्नपूर्णा शॉप खोलने की घोषणा पर भी कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। कांग्रेस विधायक ने किसानों के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की बात करने वाली 'डबल इंजन सरकार' किसान विरोधी फैसले ले रही है।

बोहरा ने आशंका जताई कि प्रस्तावित अमेरिकी ट्रेड डील से किसानों को भारी नुकसान होगा। उनके अनुसार, यदि सोयाबीन और मक्का अमेरिका से शून्य टैरिफ पर आयात किया गया तो इससे स्थानीय किसानों की फसल और आय पर गंभीर असर पड़ेगा। बजट बहस के दौरान बोहरा के आरोपों को लेकर सदन में हंगामे की स्थिति भी बनी रही।

'नेता प्रतिपक्ष को फॉर्च्यूनर मिलने से हुई डोटासरा को तकलीफ'

भाजपा विधायक कैलाश वर्मा ने सदन में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पर कटाक्ष किया

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में बजट बहस के दौरान भाजपा विधायक कैलाश वर्मा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तंज कसते हुए कहा कि मंत्रियों के लिए वाहन हर सरकार में खरीदे जाते हैं, इसमें मुख्यमंत्री का कोई दोष नहीं है। उन्होंने कहा कि मंत्रियों के लिए फॉर्च्यूनर ली गई तो डोटासरा को तकलीफ हो गई। यही फॉर्च्यूनर मंत्रियों के साथ नेता प्रतिपक्ष को भी मिली है। मुझे लगता है उन्हें इस बात से ज्यादा परेशानी है कि नेता प्रतिपक्ष को यह सुविधा कैसे मिल गई।

इस टिप्पणी पर कांग्रेस विधायकों ने कड़ा विरोध जताया। हंगामे के बीच कैलाश वर्मा ने आपत्ति करने वाले विधायकों से कहा, मुझे क्या बोलना है, यह आप तय नहीं करेंगे, आपको सुनना पडेगा। विपक्ष के विरोध के कारण सदन में कुछ देर तक शोर-शराबा रहा, जिसके बाद कार्यवाही आगे बढ़ाई गई।

बजट पर चर्चा के दौरान कैलाश वर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रदेश को विरासत में कर्ज का बड़ा बोझ देकर गई है और वित्तीय स्थिति को बिगाड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने प्रदेश को आर्थिक रूप से कमजोर किया।

6 करोड रुपए के गांजा तस्करी करने वाले को राहत नहीं

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बैंकाक से करीब छह करोड रुपए के हाईड्रोपोनिक वीड (गांजा) की तस्करी के आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में आरोपी की ओर से दायर जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस शुभा मेहता की एकलपीठ ने यह आदेश इन्द्रजीत कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने साधारण गांजा नहीं, बल्कि अत्यन्त शक्तिशाली और कई गुणा नशीला हाईड्रोपोनिक वीड की तस्करी की है। ऐसे मादक पदार्थ युवाओं को नशे का आदि बना रहे हैं।

राजस्थान में पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता प्रबंधन पर चर्चा

डीजीपी राजीव शर्मा ने ली पुलिस और पर्यटन विभाग की बैठक

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने गुरूवार को पुलिस और पर्यटन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेश में पर्यटक सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा की।

जयपुर। राजस्थान आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजामों के लिए गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में पुलिस व पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। डीजीपी ने प्रदेश में विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की सुरक्षा व सुविधाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए पर्यटन स्थलों पर स्थापित पर्यटक सहायता बल (टीएएफ) को और सुदृढ़ करने, पर्यटन थानों की संख्या बढ़ाने और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए अपेक्षित पुलिस बल लगाने और इन्हें उचित प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए।

उन्होंने हाल ही में पर्यटन विकास के लिए बजट में दी गई स्वीकृति पर कार्ययोजना तैयार करने व पर्यटन स्थलों पर विशेष त्यौहारों, मेलों के साथ-साथ सामयिक आयोजनों में भी पर्यटन विभाग की उपस्थिति सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य भर के विभिन्न धार्मिक पर्यटन स्थलों यथा खाटू श्यामजी, मेहंदीपुर बालाजी, सालासर बालाजी, रामदेवरा, गोगामेड़ी, पुष्करजी, श्रीनाथद्वारा, सांवरियाजी आदि में कुशल प्रबंधन के लिए देवस्थान, पुलिस व प्रशासन मिलकर कार्य करें और पर्यटकों व श्रद्धालुओं के लिए उचित व्यवस्थाएं करें।

बैठक में डीजी (ट्रेफिक) अनिल पालीवाल ने पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की सुविधा के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं के साथ-साथ विभिन्न दूतावासों से संपर्क कर पर्यटन आमंत्रण की बात कही। आईजी अजयपाल लांबा ने डीजी-आईजी कांफ्रेंस में प्रधानमंत्री द्वारा पर्यटकों की सुविधा के लिए राज्य के पर्यटन स्थलों पर अन्य राज्यों के पुलिस अधिकारियों को नियोजित करने, एक ही स्थान पर समस्त सरकारी कार्मिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, पर्यटन स्थलों पर अधिकाधिक सीसीटीवी कवरेज करने, पांच डेस्टिनेशन जहां सबसे ज्यादा ट्ययूरिस्ट आते हैं वहां पर्यटन थाना बनाने, ट्यूरिज्म के नेशनल पोर्टल पर राज्यों के पोर्टल को लिंक करने आदि के सुझावों की जानकारी दी। बैठक में पर्यटन आयुक्त रूकमणि रियाड ने पर्यटन स्थलों की वर्तमान स्थिति और यहां पर विभाग द्वारा पर्यटकों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए विभाग द्वारा तैयार की गई प्रचार सामग्री, बूथ डिजाइन, प्रशिक्षण इत्यादि के बारे में जानकारी दी।

खाटूश्यामजी मेले में विशेष प्रबंध करें

डीजीपी शर्मा ने खाटूश्यामजी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए पर्यटन पुलिस और टीएएफ की ओर से विशेष प्रबंध किए जावें। उन्होंने पर्यटकों की सुविधा के लिए जगह-जगह पुलिस सहायता प्राप्त करने के लिए नियंत्रण कक्ष नंबर, पुलिस हेल्पलाइन 112, राजकॉप सिटीजन एप आदि के लिंक इत्यादि दर्शाती हुई स्टेंडीज व टीएएफ की ओर से विशेष सहायता बूथ स्थाापित करने के निर्देश दिए और कहा कि टीएएफ की उपस्थिति दिखनी चाहिए।

पर्यटकों को मिले बेहतर सुविधाएं : डीजीपी ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुरूप आमेर की केस स्टडी में आई अपेक्षाओं को समस्त पर्यटक स्थलों पर लागू करने की बात कही। उन्होंने सभी पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटकों को स्वच्छ वातावरण और आवागमन के लिए व्यवस्थित सड़क सुविधा के साथ-साथ पर्यटकों के लिए अपेक्षित सूचनाओं की उपलब्धता के संबंध में उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों के साथ-साथ रेल्वे स्टेशन, हवाई अड्डा और अन्य स्थानों पर पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटक सहायता बूथ स्थापित हो जहां पर पर्यटक किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल संपर्क कर सकें। बैठक में एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) वी.के.सिंह, एडीजी (ट्रेफिक) बीएल मीणा सहित पर्यटन, आरटीडीसी,आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण, नगर निगम और संबंधित पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

भजनलाल सरकार का तीसरा बजट ''विकसित राजस्थान'' का रोडमैप : डॉ. प्रेमचंद बैरवा

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरूवार को बीजेपी कार्यालय में पत्रकार वार्ता की।

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने वर्ष 2026-27 के राज्य बजट को विकसित राजस्थान का रोडमैप बताया।

बीजेपी ऑफिस में प्रेस वार्ता में डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा प्रस्तुत 6.10 लाख करोड़ रुपये का बजट, वर्ष 2023-24 की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है।

अवसंरचना विकास के लिए 53 हजार 978 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 32 हजार 526 करोड़ (53 प्रतिशत वृद्धि), शिक्षा क्षेत्र में 69 हजार करोड़ (35 प्रतिशत वृद्धि), कृषि बजट में 7.59 प्रतिशत और ग्रीन बजट में 20.81 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान किया गया है। 400 विद्यालयों को सीएम राइज विद्यालय के रूप में क्रमोन्नत किया जाएगा तथा राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी की स्थापना की घोषणा की गई है।

युवाओं के लिए 1.43 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है और 1 लाख पदों का भर्ती कैलेंडर जारी किया गया है।

किसानों को 25 हजार करोड़ रुपए के ऋण वितरण और 800 करोड़ ब्याज अनुदान का प्रावधान है। शेखावाटी तक यमुना जल लाने के लिए 32 हजार करोड़ की परियोजनाएं शुरू होंगी।

जोगाराम पटेल ने कहा कि यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना के अनुरूप 2047 तक राजस्थान को 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में आधार स्तंभ साबित होगा।

कोटा में अवैध हथियार व वाहन सहित हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

आरोपी के पास से 2 देशी पिस्टल, 5 देशी कट्टे व 27 जिंदा कारतूस बरामद किये

कोटा, (निसं)। रानपुर पुलिस टीम ने इलाके में आकस्मिक चैकिंग के दौरान अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए थाने के हिस्ट्रीशीटर कालू भड़क को सात अवैध हथियारों व 27 जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपी के पास से 2 देशी पिस्टल मय मैगजीन मय 4 अतिरिक्त मैगजीन, 5 देशी कट्टे व 27 जिंदा कारतूस बरामद किये हैं। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान कुछ हथियार मौके पर उसके वाहन से जब्त किये हैं एवं कुछ हथियार व कारतूस पकड़े गये आरोपी के घर से बरामद किये हैं।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिये शहर के समस्त थानाधिकारियों को निर्देशित किया हुआ है। अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रानपुर थाने के उप निरीक्षक थानाधिकारी भीमसिंह मय जाब्ता इलाके में गश्त कर रहे थे, गश्त के दौरान थानाधिकारी ने सूचना के आधार पर रानपुर के रीको क्षेत्र में मय जाब्ता मौके पर पहुंचकर टाटा सफारी गाड़ी को रोक कर उसकी तलाशी ली तो, तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने कार से 2 देशी पिस्टल मय मैगजीन, दो अतिरिक्त मैगजीन व 1 देशी कट्टा तथा 15 जिंदा कारतूस बरामद किये। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए लखावा निवासी कालू भड़क उर्फ कालू (45) को गिरफ्तार किया है। अवैध हथियारों सहित पकड़ा गया आरोपी कालू भड़क थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान के बाद पुलिस टीम ने आरोपी के घर से भी 4 देशी कट्टा 12 जिंदा कारतूस व 2 मैगजीन बरामद किये।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर जानकारी दी।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से हथियारों की खरीद-फरोख्त एवं मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्ता के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि उक्त कार्रवाई पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में की गई।

मादक पदार्थ सहित तीन गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश नेतृत्व में गठित टीम द्वारा जिले के तीन थाना क्षेत्रों में छापामारी नशे के खिलाफ कार्रवाई कर अवैध मादक पदार्थ सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस कार्रवाई के दौरान टोंक सदर थाना क्षैत्र स्थित बंबोर रोड पर अम्बेडकर कॉलोनी हाउसिंग बोर्ड निवासी सनी सांसी के कब्जे से एक मोटरसाइकिल पर करीबन 50 हजार रूपये कीमत का एक किलोग्राम से अधिक अवैध मादक पदार्थ गांजा व 100 लीटर हथकड़ शराब जब्त की जाकर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस व एक्साइज एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

इसी प्रकार टीम ने थाना कोतवाली क्षेत्र में 99 शॉप पर छापामार कार्रवाई करते हुए आरोपी नवेद खान के कब्जे से करीबन 70 हजार रुपए कीमत की प्रतिबंधित 31 पलेवर युक्त ई सिगरेट (इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट) पांच धारदार चाकू व खरीद फरोख्त राशि 3300 रूपये बरामद किए जाकर आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया। वहीं डीएसटी टीम ने पुलिस थाना पचेवर क्षेत्र के कचोलिया ग्राम में आरोपी रामपाल जाट के कब्जे से करीबन 15 हजार रूपये कीमत का एक किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त बरामद किया जाकर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

भीलवाड़ा में हवाला के 24 लाख रुपये के साथ दो को पकड़ा

■ **पकड़े गए आरोपी मध्य प्रदेश और गुजरात के रहने वाले हैं, जो कन्नुकांति नामक हवाला नेटवर्क के लिए काम कर रहे थे**

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के व्यस्ततम इलाके गोल प्याऊ चौराहे पर कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हवाला कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 24 लाख 10 हजार रुपये की संदिग्ध नगदी बरामद की है। पकड़े गए आरोपी मध्य प्रदेश और गुजरात के रहने वाले हैं, जो कन्नुकांति नामक हवाला नेटवर्क के लिए काम कर रहे थे।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेशानुसार जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में (प्रो.) आयुष श्रोत्रिय को सूचना मिली कि महावीर सुगंध वाली गली में दो युवक बैग लेकर जा रहे हैं, जिसमें बड़ी मात्रा में कैश होने की संभावना है। सूचना मिलते ही कोतवाली थानाधिकारी शिवराज गुर्जर के नेतृत्व में एएसआई सुरेश कुमार और टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देख युवक घबरा गए। संदेह होने पर जब उनके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें 500 और 200 रुपये के नोटों की थड्डियां बरामद हुई। पुलिस ने जब बरामद राशि के संबंध में दस्तावेज या लाइसेंस मांगे, तो आरोपी कोई भी वैध रसीद पेश नहीं कर सके। इस पर पुलिस ने राशि जब्त कर दोनों आरोपी गोपाल सिंह पुत्र मानसिंह परमार निवासी उज्जैन (म.प्र.) और सिद्धराज सिंह पुत्र भंवर सिंह वाघेला निवासी मेहसाना (गुजरात) को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि नेटवर्क के अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके।

बंद पेंशन वापस चालू कराने के नाम पर ठगी

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना कस्बे में सायबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। रेलवे विभाग के नाम पर झांसा देकर एक व्यक्ति के खाते से 63 हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने कोतवाली में मामला दर्ज कराया है और पुलिस जांच में जुटी हुई है।

मामला बयाना कस्बे की सुनार गली का है, जहां निवासी जयप्रकाश सोनी सायबर ठगी का शिकार हो गए। जयप्रकाश सोनी ने बताया कि 9 फरवरी को उनके पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को रेलवे विभाग का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनके पिता हरिप्रकाश सोनी की पेंशन बंद हो गई है। ठग ने पेंशन दोबारा चालू कराने के नाम पर एक लिंक भेजा और उसे डाउनलोड कर मोबाइल में जानकारी भरने को कहा। जैसे ही जयप्रकाश ने एप्लिकेशन डाउनलोड कर जानकारी भरी, उनके खाते से तीन अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 63 हजार रुपये कट गए। जयप्रकाश के पिता हरि प्रकाश सोनी रेलवे विभाग में खल्लासी पद से रिटायर्ड हैं। पैसे कटने का मैसेज आते ही जयप्रकाश ने तुरंत बैंक से संपर्क कर अपना खाता बंद कराया। जब उन्होंने वापस उस नंबर पर कॉल किया तो मोबाइल नंबर बंद मिला। फिलहाल पीड़ित की शिकायत पर बयाना कोतवाली में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस जांच जारी है।

डूंगरपुर में कार से 22 कार्टून अवैध शराब जब्त

शराब को डिग्गी और सीटों के बीच छिपाकर गुजरात ले जा रहा ड्राइवर गिरफ्तार

■ **धंबोला थाना पुलिस ने दिल्ली नंबर की एक स्विफ्ट डिजायर कार से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की**

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के धंबोला थाना पुलिस ने दिल्ली नंबर की एक स्विफ्ट डिजायर कार से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। यह शराब कार की डिग्गी और पीछे की सीटों के बीच छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

धम्बोला थानाधिकारी देवेंद्र सिंह देवल ने बताया कि ऑपरेशन स्वच्छता के तहत शराब तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को एक कार से अंग्रेजी शराब की तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर मांडली जाने वाले रोड पर नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान गेंजी की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार दिल्ली नंबर की कार को रोका गया। पूछताछ करने पर ड्राइवर ने अपना नाम धर्माराम पुत्र महेंद्र कुमार जाट निवासी सनावाड़ा, थाना सदर बाड़मेर बताया। चालक संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, जिसके बाद पुलिस ने कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की डिग्गी और पीछे की सीट के बीच 22 कार्टून विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब मिली।

शराब के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज ड्राइवर के पास नहीं थे। पुलिस ने तत्काल कार को जब्त कर लिया। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में ड्राइवर धर्माराम जाट को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह शराब तस्करी कर गुजरात ले जाई जा रही थी। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बिहार की बबुआ गैंग से जुड़ते जा रहे हैं उदयपुर की मणप्पुरम गोल्ड लूट के तार

बबुआ गैंग ने ही एक दशक में देशभर में 400 किलो से ज्यादा सोना लूटा था

■ **बिहार के कुख्यात गोल्ड लुटेरे सुबोध सिंह उर्फ बबुआ की गिरफ्तारी के बाद यह लगभग साफ हो गया है कि उदयपुर की इस सनसनीखेज लूट के तार उसी गैंग से जुड़े हैं**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में 29 अगस्त 2022 को दिनदहाड़े हुई मणप्पुरम गोल्ड लोन शाखा लूट के तार बिहार के कुख्यात गोल्ड लुटेरे सुबोध सिंह उर्फ बबुआ गैंग से जुड़ते नजर आ रहे हैं।

राजस्थान पुलिस की ताजा कार्रवाई में बिहार के कुख्यात गोल्ड लुटेरे सुबोध सिंह उर्फ बबुआ की गिरफ्तारी के बाद यह लगभग साफ हो गया है कि उदयपुर की इस सनसनीखेज लूट के तार उसी गैंग से जुड़े हैं, जिसने एक दशक में देशभर में 400 किलो से ज्यादा सोना लूटा था। उल्लेखनीय है कि 29 अगस्त 2022 की सुबह उदयपुर के सुंदरवास स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन की शाखा में पांच नकाबपोश बदमाश घुसे। हथियारों के बल पर कर्मचारियों को बंधक बनाया गया। बदमाशों ने तिजोरी खुलवाई और करीब 23.24 किलो सोना तथा 10-11 लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। पूरी वारदात महज 20-25 मिनट में अंजाम दी गई। सीसीटीवी फुटेज मिले, लेकिन बदमाश शहर से बाहर निकल चुके थे। पुलिस जांच में सामने आया कि लूट पूरी प्लानिंग के साथ की गई थी। ब्रांच की टाइमिंग, स्टाफ की मूवमेंट और सुरक्षा व्यवस्था तक की रेकी पहले से की गई थी। अब इस केस की कड़ियाँ सीधे सुबोध सिंह उर्फ बबुआ से जुड़ती दिख रही है। राजसमंद जिले की कांकरोली पुलिस ने उसे ओडिशा से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। सुबोध सिंह पर देश के अलग-अलग राज्यों में लूट, हत्या और डकैती के 42 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सुबोध बिहार के नालंदा जिले के चिस्तीपुर गांव का रहने वाला है। उम्र करीब 42 साल, पढ़ाई 12वीं पास है। शुरुआत छोटे-मोटे अपराधों से की, फिर 1999 से 2007 तक बिहार पुलिस का मुखबिर रहा। इसी दौरान उसने पुलिस की कार्यशैली, पूछताछ के तरीके और सिस्टम की कमजोरियों को बारीकी से समझ लिया। साल 2008 में सुबोध ने पहली बड़ी डकैती कोलकाता की एक बैंक में डाली, फिर रायपुर में वारदात की। 2015 तक वह रायपुर जेल में रहा। जमानत पर छूटने के बाद उसने रणनीति बदली और मुथूट, मणप्पुरम जैसी गोल्ड लोन कंपनियों और बड़े ज्वैलर्स को निशाना बनाना शुरू किया। उसने एक संगठित गैंग खड़ी की। हर वारदात से पहले रेकी, हर सदस्य का तय रोल तय करता। एक लूट में 15 से 30 किलो तक सोना मिलता था।

इस गैंग ने उदयपुर में 29 अगस्त 2022 को मणप्पुरम गोल्ड लोन, सुंदरवास से 23-24 किलो सोना लूटा था, वहीं राजसमन्द जिले के कांकरोली में 23 अगस्त 2023 को रूपम गोल्ड ज्वैलर्स से 3 किलो सोना और 18 लाख नकदी लूटी। कांकरोली केस में इस्तेमाल की गई बाइक बिहार से चोरी की गई थी और बदमाश ट्रेन से भागे थे। यही पैटर्न उदयपुर केस में भी सामने आया था। पुलिस अब मान रही है कि उदयपुर की मणप्पुरम लूट उसी नेटवर्क का हिस्सा थी जिसमें पहले ही तीन बदमाश गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

कांकरोली थाने की सीआई सरोज बैरवा के अनुसार सुबोध सिंह की गैंग ने अलग-अलग राज्यों में करीब 400 किलो से ज्यादा गोल्ड लूटा है।

गांजा और स्मैक बेचते एक व्यक्ति गिरफ्तार

■ **पुलिस को देख एक व्यक्ति फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है**

■ **दोनों व्यक्ति लोगों को स्मैक और गांजा बेचते थे, जिन्हें पुड़िया में बांधकर रखा हुआ था**

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की मथुरा गेट थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा है, जिसके कब्जे से अवैध गांजा और स्मैक बरामद की गई है। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। दोनों व्यक्ति लोगों को स्मैक और गांजा बेचते थे, जिन्हें पुड़िया में बांधकर रखा हुआ था। वहीं मामले को लेकर मथुरा गेट थाना पुलिस जांच कर रही है।

मथुरा गेट थाना अधिकारी देरावर सिंह भाटी ने बताया कि एक टीम अपराधियों पर कार्रवाई करने के लिए रवाना हुई। रात में पुलिस की टीम श्याम नगर तिराहे पर पहुंची। जहां मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि दो व्यक्ति केंद्रीय विद्यालय के पीछे एक दुकान पर गांजा और स्मैक बेच रहे हैं। जैसे ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो, एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा।

एक व्यक्ति दुकान के अंदर कुर्सी पर बैठा था, जिसे पुलिस की टीम ने पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम अमित निवासी श्याम नगर होना बताया। अमित के पास दो थैली रखी हुई थी, जिसमें से एक थैली को खोलकर देखा तो, उसके अंदर सफ़ेद कागज की दो छोटी-छोटी 28 पुड़िया रखी थी। उसमें से एक पुड़िया को खोलकर देखा तो, उसमें स्मैक थी। सभी पुड़िया से स्मैक निकालकर इकठ्ठा किया। तोलने पर 2.97 ग्राम स्मैक पाई गई। दूसरी थैली को देखा तो उसमें 6 पुड़िया थी। जिनमें गांजा भरा हुआ था।

वजन करने पर 3.80 ग्राम गांजा पाया गया। अमित ने बताया कि जो व्यक्ति भागा था जितेंद्र वह गांजा और स्मैक बेचता है। पुलिस ने अमित को गिरफ्तार कर लिया और जितेंद्र की तलाश की जा रही है।

चोरी का सोना गिरवी रखकर लोन लिया

उदयपुर, (कासं)। चाचा के घर से सोना चोरी कर बैंक में गिरवी रख कर ऋण लेने वाले के खिलाफ हाथीपोल थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

जानकारी के अनुसार पीड़ित अंकुर पुत्र पारसमल निवासी आर्ची गेलेक्सी जेन जेवली हॉल टोटिटरी मैनेजर कोटक महिन्दा बैंक लि. मधुवन बैंक स्ट्रीट ने आरोपी युवराजसिंह पुत्र दुर्जनसिंह राठौड़ निवासी साबला डूगरपुर हॉल द्वारका अपार्टमेंट के पास जामर कोटड़ा रोड़ के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

उसने बताया कि आरोपी ने आरोपी ने बैंक में चोरी किया सोना गिरवी रख कर 8 लाख रूपये का ऋण लेने का प्रकरण दर्ज करवाया। आरोपी युवराजसिंह ने 27 जनवरी 2025 में अपने चाचा के घर से सोने के जेवरात चोरी किए थे।

नियमितीकरण व वेतन वृद्धि सहित मांगों को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन

राजस्थान आजीविका विकास परिषद के संविदा कर्मचारियों ने भरी हुंकार

■ **प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा**

भीलवाड़ा, (निसं)। संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रव्यापी आव्हान पर राजस्थान आजीविका विकास परिषद के संविदा कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

आजीविका संगठन की जिला अध्यक्ष अनीता कंवर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी मुखर्जी पार्क में एकत्रित हुए और वहां से रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। नियमितीकरण और न्यूनतम वेतन की मुख्य मांग प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। संगठन की मुख्य मांग है कि सभी संविदा कर्मचारियों का स्थायीकरण किया जाए और उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान लाभ दिए जाएं। साथ ही, सभी महिला श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये प्रतिमाह तय करने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई गई।

ज्ञापन में नए लेबर कोड को कर्मचारी विरोधी बताते हुए इसे तुरंत वापस लेने, आरसीआरपीसी के तहत कर्मचारियों की वेतन वृद्धि लागू की जाए, फील्ड में कार्यरत प्रत्येक टीम को गांवों में रहने के लिए सुरक्षित सरकारी भवन उपलब्ध करवाए जाए, काम के दौरान फील्ड में आ रही समस्याओं, जैसे ओटीपी मिस और अन्य तकनीकी बाधाओं को तुरंत दूर किया जाए आदि की मांग की गई। इस दौरान संगठन की कोषाध्यक्ष सत्तू बुनकर, रिंकू पारीक, टीना कंवर, शैफाली, सलमा सहित बड़ी संख्या में आजीविका परिषद के कार्यकर्ता और महिला श्रमिक उपस्थित रही। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी भी दी।

युवक ने सुसाइड किया

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के नलवा फला धारिया में एक युवक ने घर में ही साड़ी का फंदा लगा लिया। पत्नी बकरियां चराकर वापस घर लौटी तो पति को फंदे पर लटका देखकर उसके होश उड़ गए। सूचना पर मजदूरी करने गए ससुर भी आ गए। पिता ने बेटे के मानसिक अवसाद में चलने की वजह से सुसाइड करना बताया है।

सदर थाना एसआई रमेशचंद्र ने बताया कि नानूराम मनात निवासी नलवा फला धारिया की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इसमें बताया की बुधवार को वह मजदूरी के लिए डूंगरपुर शहर की ओर गया था। बेटा राजकुमार मनात (24) घर पर अकेला था, जबकि उसकी पत्नी मुन्ना देवी दोपहर के समय बकरियां चराने के लिए गई थी। शाम के समय उसकी पत्नी बकरियां लेकर वापस घर आई तो देखा कि पति राजकुमार घर में ही लकड़ी के पाट से साड़ी का फंदा लगाकर लटका हुआ था।

भीलवाड़ा में दूसरे दिन भी अवैध कब्जे हटाये

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर को अतिक्रमण मुक्त करने की दिशा में नगर निगम का अभियान गुरुवार को और भी आक्रामक रूप में दिखाई दिया। निगम के दस्ते ने शहर के व्यस्ततम हरीसेवा मार्ग और प्रताप टॉकीज के आस-पास के इलाकों में भारी पुलिस बल के साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान वर्षों से जमे पक्के अतिक्रमणों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया, जिससे पूरे व्यापारिक क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार, हरीसेवा मार्ग पर कई व्यापारियों ने अपनी दुकानों के बाहर स्थायी चबूतरे और अस्थायी टीनशेड लगाकर सार्वजनिक मार्ग को काफी संकरा कर दिया था। इससे वाहन चालकों और पैदल चलने वाले राहगीरों को भारी परेशानी हो रही थी। बार-बार मिल रही शिकायतों के बाद निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। गुरुवार दोपहर जैसे ही जेसीबी मशीनें मौके पर पहुंची, दुकानदारों में हड़कंप मच गया।

टीम ने एक-एक कर अवैध रूप से बने चबूतरों को तोड़ दिया और अवैध केबिनों को जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानों पर व्यापारियों ने विरोध दर्ज कराया और कार्रवाई को रोकने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर तैनात पुलिस बल और निगम अधिकारियों ने दो-टूक शब्दों में कह दिया कि सार्वजनिक जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई जारी रही और शाम तक मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। वहीं पुलिस बल की तैनाती के कारण स्थिति नियंत्रण में रही।

लैपर्ड ने चार बकरियों को मारा

टोंक, (निसं)। निवाई उपखंड के छोटी बरथल गांव में लैपर्ड ने एक बार फिर पशुओं पर हमला कर चार बकरियों को मार डाला। यह 20 दिनों में चौथी घटना है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार रात गांव बरथल के भैरूजी के मंदिर के पास स्थित गजानंद बेफलावत के बाड़े में हुई हलचल से ग्रामीणों की नींद खुल गई, शोर सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हुए, जिसके बाद लैपर्ड अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग गया। पीड़ित गजानंद बेफलावत के लिए बकरियां आय का मुख्य स्रोत थी। घटना की सूचना निवाई वन विभाग को दी गई, जिसके बाद रेंजर धारीलाल बैरवा ने अपनी टीम के साथ मौके का मुआयना किया। ग्रामीणों के बढ़ते रोष को देखते हुए विभाग ने जानवर को पकड़ने के लिए क्षेत्र में दो पिंजरे लगाए हैं। फॉरेस्ट रेंजर बैरवा ने बताया कि वन विभाग की टीम निगरानी कर रही है और जल्द ही लैपर्ड को पकड़ लिया जाएगा।

घायल की मौत के बाद दूसरे दिन भी सर्व समाज में आक्रोश

■ **प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए**

■ **सर्व समाज का आरोप है कि पुलिस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है**

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल तहसील के चतरपुरा भादू गांव में एक परिवार पर हुए जानलेवा हमले और आगजनी के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। उदयपुर में उपचार के दौरान घायल जगदीश सिंह की मौत के बाद गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर सर्व समाज और रावणा राजपूत समाज का भारी जमावड़ा लगा हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीती एक तारीख की रात को चतरपुरा भादू गांव में करीब 50-60 असामाजिक तत्वों ने एक रावणा राजपूत परिवार के घर में घुसकर महिलाओं और पुरुषों पर सरियों व कुल्हाड़ियों से हमला कर दिया था। हमलावरों ने घर में आग भी लगा दी थी। इस हमले में जगदीश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्होंने बुधवार रात दम तोड़ दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द की जाए, परिवार ने 25-30 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दी थी, लेकिन पुलिस ने अब तक केवल 1-2 लोगों को ही पकड़ा है।

सर्व समाज का आरोप है कि पुलिस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। जब तक सभी मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा नहीं मिलता, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। यह केवल एक परिवार पर हमला नहीं, बल्कि मानवता पर हमला है। जब तक जगदीश सिंह के हत्यारे सलाखों के पीछे नहीं होंगे, समाज पीछे नहीं हटेगा। अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के उच्च अधिकारी समाज के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता कर मामला शांत कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन प्रदर्शनकारी सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं।

अवैध अफीम व गांजा सहित दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध अफीम मय कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। अन्यत्र माण्डवा थाना पुलिस ने बाइक सहित अवैध गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में खेरवाड़ा थानाधिकारी करनाराम के नेतृत्व में गठित दल ने 11 फरवरी रात में गश्त के दौरान खाण्डी ओवरी टोल से आगे राजस्थानी ढाबा के बाहर एक कार को देख चालक सीट पर बैठे व्यक्ति से पूछताछ की तो उसने अपना नाम नन्दलाल पुत्र रसीकलाल निवासी खाण्डी ओवरी उपला फला खेरवाड़ा होना व पास सीट पर रखी थेली में पीसा हुआ अवैध 846 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा होना बताया। इस पर आरोपी को गिरफ्तार कर कार मय अफीम डोडा-चूरा जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

इसी तरह माण्डवा थानाधिकारी निर्मल कुमार मय टीम ने नाकाबंदी के दौरान बिकरनी मरोड़ पर बाइक को रोक तलाशी ली तो चालक पंकज राव पुत्र मदनलाल निवासी गोगुन्दा फला महादेव जी की बावड़ी के पास रखे कट्टे की तलाशी ली तो उसमें 7.810 किलोग्राम अवैध गांजा पाया गया। इस पर मादक पदार्थ मय बाइक जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

पत्थरों से भरी चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

बिना रवन्ना (परिवहन दस्तावेज) के चल रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवाकर कार्रवाई की

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में अवैध खनन के खिलाफ पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह की सूचना पर पुलिस ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की। विश्वेंद्र सिंह ने अलसुबह करीब 3:30 बजे पत्थरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली निकलने की सूचना पुलिस को दी थी, लेकिन करीब 20 मिनट इंतजार के बावजूद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद सुबह करीब आठ बजे उन्होंने सेवर थाने के सामने दोबारा ऐसे वाहन देखे। पुलिसकर्मी को थाने से बुलाकर लाने पर चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त करने की कार्रवाई की। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि गुरुवार सुबह मोती महल से सुप्रभातम की पूजा-अर्चना कर जवाहर फार्म लौट रहे थे। इसी दौरान सर्किट हाउस चौराहे के पास उन्हें अवैध खनन सामग्री (पत्थरों) से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली नजर आई। इसकी सूचना सीओ सिटी को दी। सीओ ने मथुरा गेट थाने को सूचना देने की बात कही। विश्वेंद्र सिंह के अनुसार, सूचना देने के बाद वे करीब 20 मिनट तक मौके पर इंतजार करते रहे, लेकिन न तो पुलिस पहुंची और न ही कोई जवाब मिला। उन्होंने दो बार कंट्रोल रूम पर फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। उन्होंने अपनी पोस्ट में इसे पुलिस प्रशासन की लापरवाही बताते हुए कहा कि इसी कारण शहर में अवैध खनन से भरे वाहनों का आवागमन धड़ल्ले से हो रहा है। विश्वेंद्र सिंह ने आगे बताया कि सुबह करीब 8 बजे जब वे सेवर थाने के सामने से गुजर रहे थे, तो वहां भी अवैध खनन से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी मिली। उन्होंने अपने पीएसओ को थाने के अंदर भेजकर पुलिसकर्मी को बुलाया। करीब 10 मिनट बाद सेवर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद बिना रवन्ना (परिवहन दस्तावेज) के चल रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवाया गया।

सेवर थाना एचएसओ सतीश भारद्वाज ने बताया कि शिकायत के आधार पर पत्थरों से भरी चार ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि खनन सामग्री कहां से लाई गई और संबंधित दस्तावेज वैध थे या नहीं।

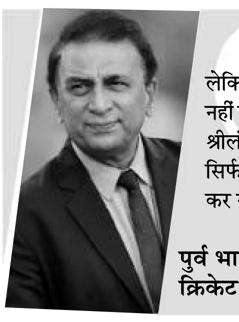

"तुम कह रहे हो बांग्लादेश के साथ खड़े हैं, लेकिन क्या तुमने उन्हें वापस टूर्नामेंट में एंट्री दिलाई? नहीं ना। असल में 11-12 देशों ने बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में न शिफ्ट किए जाने की बात कही थी, सिर्फ इंडिया नहीं। तो फिर आप किस बात की बात कर रहे हैं?" - सुनील गावस्कर

पुर्व भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान क्रिकेट टीम को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जोस बटलर

जोस बटलर ने क्रिकेट बॉल का अब तक का सबसे ऊंचा कैच लेकर इतिहास रच दिया। उन्होंने इसे ज़मीन से 122 मीटर ऊपर उड़ रहे ड्रोन से गिराए जाने के बाद लपका जिसका वीडियो केविन पीटरसन ने शेयर किया है। जोस बटलर के लिए चैलेंज बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि बॉल को बहुत ऊंचाई से ड्रोन के ज़रिए छोड़ा गया था, जिससे इंग्लैंड के पूर्व कप्तान की नज़र, टाइमिंग, हिम्मत और हाथ-आंख के तालमेल का टेस्ट हुआ। जैसे ही बॉल आसमान से नीचे गिरी, बटलर शांत रहे, अपनी नज़रें उस पर टिकाए रखीं और सुरक्षित रूप से कैच पूरा किया।

क्या आप जानते हैं ?...रोहित शर्मा ने वनडे में13 नवंबर 2014 को श्रीलंका के खिलाफ 173 गेंदों में खेली गई उनकी 264 रनों की विश्व रिकॉर्ड पारी आज भी वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में बरकरार है।

रोजर फेडरर के लिए फैन्स की दीवानगी

नई दिल्ली, 12फरवरी। रोजर फेडरर ने भले ही टेनिस को अलविदा कह दिया हो लेकिन उनका जादू अब भी प्रशंसकों पर सर चढ़कर बोलता है जिसकी बानगी यहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ़ फेम में शामिल करने के समारोह के टिकटों की भारी मांग में देखने में मिली। फेडरर से जुड़े इस समारोह के सभी टिकट दो मिनट में बिक गए। आयोजकों ने आउटडोर पार्टी के लिए अलग से अतिरिक्त टिकट जारी किए जो हाथों हाथ बिक गए। आखिर में आयोजकों को कहना पड़ा कि उनकी क्षमता सीमित है और वह अधिक टिकट जारी नहीं कर सकते हैं। आयोजक हॉल ऑफ़ फेम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "एक छोटा लेकिन ऐतिहासिक स्थल होने के कारण हमारी क्षमता सीमित है।" हॉल ने कहा कि उसे पहले से ही इस बात का अंदाज़ा था कि 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर को लेकर कितना उत्साह होगा। इस दिग्गज टेनिस खिलाड़ी को 29 अगस्त को प्रसारक मैरी कैरिलो के साथ हॉल ऑफ़ फेम में शामिल किया जाएगा। न्यूपोर्ट स्थित इस प्रतिष्ठित हॉल में होने वाले मुख्य समारोह के लिए पहले से उपलब्ध 900 टिकटों के अलावा हॉल अपने 3,600 सीटों वाले स्टेडियम को एक विशेष कार्यक्रम के लिए खोलेगा। इसके बावजूद हॉल की प्रवक्ता मेगन एर्ब्स ने कहा कि 4,500 टिकट दो मिनट के भीतर ही बिक गए।

रैफल्स सिरमौर कप के लिए सेमीफाइनल मुकाबले आज

जयपुर, 12 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित हो रहे रैफल्स सिरमौर कप (14 गोल्स) टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले शुक्रवार को पीपीसी और आरपीसी मैदान पर खेले जाएंगे। पहला सेमीफाइनल मैच टीम कैरेसिल सुहाना और टीम जिंदल पोलो के बीच सुबह 11:30 बजे पीपीसी ग्राउंड पर खेला जाएगा। दूसरा मैच टीम जयपुर अरावली और टीम विमल एरियन अचीवर्स के बीच दोपहर 3 बजे आरपीसी ग्राउंड पर आयोजित होगा। पहले सेमीफाइनल में टीम कैरेसिल सुहाना की ओर से अशोक चांदना, कुलदीप सिंह राठौड़, मैनुअल प्राडो और माटियास वायल खेलेंगे। वहीं टीम जिंदल पोलो की ओर से वैंकटेश जिंदल, सिद्धांत शर्मा, सिमरन शेरगिल और मैक्स चार्ल्टन मैदान में उतरेंगे।

एएफसी ने स्टेडियम को किया रिजेक्ट, कोच्चि बना नया वेन्यू

नई दिल्ली, 12फरवरी। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने 31 मार्च को भारत और हांगकांग के बीच होने वाले 2027 एशियाई कप क्वालीफायर मैच के लिए रांची को आयोजन स्थल के रूप में खारिज कर दिया है क्योंकि यह स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे के मानकों को पूरा नहीं करता है। अब इस मैच की मेजबानी के लिए सबसे संभावित विकल्प केरल का कोच्चि है। भारतीय टीम पहले ही पिछले साल खराब प्रदर्शन के कारण 2027 एशियाई कप मुख्य टूर्नामेंट में प्रवेश के दावेदारों से बाहर हो चुकी है। फुटबॉल को नए स्थानों और छोटे शहरों तक पहुंचाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में भारत बनाम हांगकांग मैच आयोजित करने का प्रस्ताव रखा था।

इंग्लैंड के बल्लेबाज ने वैभव सूर्यवंशी पर दिया बयान,

नई दिल्ली 12 फरवरी। वैसे तो पूरी दुनिया वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की मुरीद होती जा रही है और उनकी तारीफों के कसीदें पढ़े जा रहे है पर जिस तरह की तुलना और शाबासी इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और प्रसिद्ध कमेंटेटर ने की है वो अपने आप में सारी कहानी कहता है। मार्क बूचर ने भारतीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की तुलना महानतम ऑलराउंडर सर गारफील्ड (गैरी) सोबर्स से करके क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है।

भारत की लगातार दूसरी जीत, नामीबिया 93 रन से हारा

नई दिल्ली 12 फरवरी। टी20 विश्व कप 2026 के अपने दूसरे मैच में भारतीय टीम आज नामीबिया से टकरा रही है। टूर्नामेंट का यह 18वां मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा है।नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है।

भारतीय टीम में 2 बदलाव हुए हैं। संजू सैमसन और जसप्रीत बुमराह की प्लेइंग 11 में वापसी हुई है। सूर्यकुमार यादव की कप्तान वाली भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में अमेरिका को मात दी थी। दूसरी ओर दिल्ली के मैदान पर ही नीदरलैंड ने नामीबिया को मात दी थी। अब जहां टीम इंडिया जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से उतरी है तो वहीं नामीबिया की नजर जीत की पटरी पर लौटने पर है।

'टी 20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान से मैच से पहले तिलक वर्मा का बड़ा बयान'

नई दिल्ली 12 फरवरी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाक मुकाबले को लेकर चला सस्पेंस खत्म हो गया है। इस बीच तिलक वर्मा ने साफ कर दिया है कि टीम इंडिया पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरने को तैयार है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर कई दिनों तक अनिश्चितता बनी रही थी।पाकिस्तानकी ओर से पहले इस मैच को लेकर अलग रुख दिखाई दिया था, लेकिन अब तस्वीर साफ है। 15 फरवरी को कोलंबो में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने भी अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का फोकस सिर्फ क्रिकेट पर है और वे इस बड़े मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं। तिलक ने साफ किया कि टीम को जैसे ही मैच की पुष्टि मिली, सभी ने अपनी तैयारी को उसी दिशा में मोड़ दिया।

तैयारी पर है पूरा ध्यान: नामीबिया के खिलाफ मुकाबले से पहले मीडिया से बात करते हुए तिलक ने कहा कि टीम को एक दिन पहले ही पता चल गया था कि भारत-पाक मैच होगा। इसके बाद से खिलाड़ी पूरी तरह मैच खेलने के मोड में हैं। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी मानसिक रूप से तैयार हैं और हर टीम पर नजर रखी जा रही है।

तिलक के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट वीडियो एनालिसिस और तकनीक की मदद से विरोधी टीम के गेंदबाजों और बल्लेबाजों की ताकत और कमजोरी को लेकर अध्यन कर रही है। पिच का मिजाज कैसा रहेगा, किस गेंदबाज को टारगेट करना है और किन शॉट्स का इस्तेमाल करना है, इन सभी पहलुओं पर विस्तार से काम किया जा रहा है।

पाकिस्तान को हो सकता है घरेलू फायदा:

भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशेट ने भी माना कि पाकिस्तान की टीम कुछ समय से श्रीलंका में ही ठहरी हुई है, जिससे उन्हें स्थानीय परिस्थितियों की बेहतर समझ हो सकती है। हालांकि भारतीय टीम इसे चुनौती के तौर पर देख रही है।

तिलक ने भी साफ कहा कि टीम फिलहाल एक-एक मैच पर ध्यान दे रही है। पहले टीम को नामीबिया के खिलाफ मुकाबला खेलना है फिर पाकिस्तान। उनका मानना है कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए फोकस और तैयारी ही सबसे बड़ा हथियार है।

खेल सिटी फिटनेस सेंटर, जगतपुरा का उद्घाटन

जयपुर, 12 फरवरी। डॉ. आशुतोष पंथ, पंकज ओझा, मनोज दासोत एवं अतुल गुप्ता द्वारा खेल सिटी फिटनेस सेंटर , जगतपुरा का भव्य उद्घाटन किया गया। इस आधुनिक फिटनेस सेंटर में बैडमिंटन, क्रिकेट बॉक्स, स्केटिंग, हॉर्स राइडिंग, पीकल बॉल, स्विमिंग पूल एवं कैफे जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

इस अवसर पर अतिथियों ने सेंटर की उत्कृष्ट खेल सुविधाओं की सराहना करते हुए इसे युवाओं एवं खेल प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

खेल सिटी फिटनेस सेंटर के संचालक मनीष गुप्ता, सूरज छाबड़ा एवं अभिजीत गुलाटी ने बताया कि इस केंद्र का उद्देश्य लोगों को खेल, स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक कर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है।

भारत के खिलाफ मैच से पहले अपने ही बाबर आजम पर बरसे

कराची 12 फरवरी। पाकिस्तान क्रिकेट के पोस्टर बॉय रहे बाबर आजम इन दिनों अपनी जगह बचाने की जंग लड़ते दिख रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले मैच में नीदरलैंड्स के खिलाफ 18 गेंदों पर 15 रन की पारी ने आलोचकों को और मुखर कर दिया। हालांकि, अमेरिका के खिलाफ 32 गेंदों में 46 रन बनाकर उन्होंने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन भारत के खिलाफ बड़े मुकाबले से पहले उनके प्रदर्शन को लेकर संशय बना हुआ है। अब पाकिस्तान को 15 फरवरी को कोलंबो में भारत से भिड़ना है। हालांकि, इस मैच से पहले उनके अपने ही उनकी खिल्ली उडा रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स अहमद शहजाद, मोहम्मद आमिर और राशिद लतीफ ने उनका जमकर मजाक उड़ाया। पाकिस्तानी टीवी शो हारना मना है में एंकर ताबिश हाशमी से चर्चा के दौरान इन पूर्व क्रिकेटरों ने बाबर की क्षमता पर खुलकर तंज कसे और हैरान करने वाली शर्तें लगा दीं। अहमद शहजाद ने कहा, क्राउड कोऑर्डिनेटर को उस दिन खाना नहीं लाना पड़ेगा। पूरी टीम को मेरी तरफ से खाना मिलेगा। मतलब साफ था- अगर बाबर मैच जिता दें, तो वह सबको दावत देंगे। दशो के एंकर ताबिश ने मोहम्मद आमिर की ओर से बड़ी घोषणा करते हुए कहा, अगर बाबर 160 के स्ट्राइक रेट से खेलते हैं और पाकिस्तान को जिताते हैं, तो आमिर रिटायरमेंट वापस ले लेंगे।

टी 20 व्लार्ड कप 2026

आज के मुकाबले-

ऑस्ट्रेलिया और जिमबाम्वे के बीच सुबह 11 बजे

दुसरा मुकाबला यूएई और कनाडा के बीच - 3 बजे

तीसरा मुकाबला अमेरिका व नीदरलैंड के बीच - 7 बजे

भारत ने टी20 विश्वकप में पावरप्ले का अपना सर्वाधिक स्कोर बनाया

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 में भारत का गुरुवार को नामीबिया से सामना हो रहा है। इस मैच में ईशान किशन ने तूफानी बल्लेबाजी से विपक्षी गेंदबाजों के धागे खोल दिए। उन्होंने अर्धशतकीय पारी से रिकॉर्ड्स की झड़ी लगी दीं।

बता दें कि, देश की राजधानी के अरुण जेटली स्टेडियम में मौजूदा विश्व कप का 18वां मुकाबला भारत और नामीबिया के बीच खेला जा रहा है; जिसमें मेहमानों ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

इस मैच में सलामी बल्लेबाजी के लिए आए ईशान किशन ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने महज 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

वह टी20 विश्व कप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से चौथे बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने युवराज सिंह की बराबरी कर ली, जिन्होंने 2007 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।.

दासुन शनाका ने टी20 वर्ल्ड कप में मचाई तबाही, रोहित रिकॉर्ड बचा

नई दिल्ली 12 फरवरी। टी-20 विश्व कप 2026 के 16वें मैच में श्रीलंकाई टीम ने ओमान पर 105 रन की जीत दर्ज की। इस मैच में श्रीलंकाई टीम के कप्तान दासुन शनाका ने 19 गेंद पर तेज अर्धशतक ठोककर तबाई मचाई और ओमान के गेंदबाजों की धुनाई की। उन्होंने मैच में अपना ही रिकॉर्ड धराशायी तो किया ही, लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी कर डाली। दासुन शनाका की रिकॉर्डतोड़ फिफ्टी: दरअसल, श्रीलंका के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक जड़ने वाले दासुन शनाका पहले बैटर बन गए हैं। हैरानी की बात ये है कि वो इस लिस्ट में पहले से ही टॉप पर थे। दाएं हाथ के बैटर दासुन ने ओमान के खिलाफ महज 19 गेंदों में टी-20 विश्व कप 2026 का सबसे तेज अर्धशतक जड़ा, जो कि श्रीलंका के लिए भी टी20आई क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक रहा। पल्लेकेले में खेले गए इस मैच में शनाका ने कमाल की पारी खेली। इससे पहले उन्होंने 2023 में पुणे में भारत के खिलाफ 20 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था। लिस्ट में तीसरे नंबर पर पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने हैं, उन्होंने 21 गेंद में 2007 टी20 विश्व कप में जोहानिसबर्ग में केन्या के खिलाफ तूफानी फिफ्टी पूरी की थी।

राजस्थान के तनिष्क शर्मा ने यूथ वर्ग में कांस्य पदक जीता

जयपुर, 12 फरवरी। इंडियन वेटलिफ्टिंग फेडरेशन के द्वारा मोदीनगर उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश वेट लिफ्टिंग संगठन के सानिध्य में यूथ जूनियर एवं सीनियर वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता 3 फरवरी से 14 फरवरी तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में आज 12 फरवरी 2026 को राजस्थान टीम के खिलाडी तनिष्क शर्मा ने 94 किलो भार वर्ग में 127 किलो स्नैच और 146 किलो क्लीन एंड जर्क टोटल 273 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता में पूरे भारतवर्ष लगभग सभी राज्यों से लगभग 900 खिलाड़ियों ने वेट लिफ्टिंग की प्रतियोगिता में भाग लिया।

नन्द किशोर शर्मा ने बताया की इससे पूर्व तनिष्क शर्मा ने पूर्व में ईटानगर अरुणाचल प्रदेश में आयोजित 69 राष्ट्रीय स्कूल वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में भी रजत पदक प्राप्त किया था

तनिष्क शर्मा वर्तमान में जयपुरिया विद्यालय के कक्षा 11 के छात्र हैं उनकी उपलब्धि पर जयपुरिया विद्यालय की प्रधानाचार्य रेनू शर्मा ने बधाई और शुभकामनाएं देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। तनिष्क शर्मा के पिता अमित शर्मा जो स्वयं भी वेटलिफ्टिंग के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता रह चुके हैं उनके पास आनंद राष्ट्रीय व्यायामशाला में कड़ी मेहनत और लगन के साथ नियमित अभ्यास कर रहे हैं।

इटली की टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत

इटली ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत हासिल की है। टीम ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। ग्रुप सी के इस मैच में इटली ने 124 रन का टारगेट 12.4 ओवर में बिना नुकसान के चेज कर दिया। मोस्का ब्रदर्स ने शतकीय साझेदारी की। जस्टिन मोस्का ने नाबाद 60 और एंथोनी मोस्का ने नाबाद 62 रन बनाए।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इटली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। नेपाल 19.3 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। नेपाल के आरिफ शेख ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। दीपेंद्र सिंह ऐरी 17 रन, रोहित पौडेल 23 रन और आसिफ शेख 20 रन बनाकर आउट हुए।

क्रिशन कालुगामगे ने 3 विकेट झटके। बेन मेनेंटी को 2 विकेट मिला। अली हसन, जेजे स्मट्स और जसप्रीत सिंह को एक-एक विकेट मिला।

स्टीव स्मिथ बने पाकिस्तान सुपर लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली। स्टीव स्मिथ पाकिस्तान सुपर लीग के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। स्टीव स्मिथ को नई फ्रेंचाइजी सियालकोट स्टैलियन्ज ने 14 करोड़ पाकिस्तानी रुपये (5 लाख अमेरिकी डॉलर, 4 करोड़ 52 लाख भारतीय रुपये) में डायरेक्ट साइन किया है। यह ऐतिहासिक डील लीग की पहली खिलाड़ी नीलामी का हिस्सा था। इसने लंबे समय से चले आ रहे ड्राफ्ट सिस्टम की जगह ली ।

अब खेलेंगी 8 टीम: पीएसएल के 11वें संस्करण में पहली बार आठ टीमें होंगी। सियालकोट और हैदराबाद लीग में 2 नई टीम जुड़ी हैं।

इन दोनों नई फ्रेंचाइजी को ओवरसीज पाकिस्तानी बिजनेसमैन ने खरीदा है। टूर्नामेंट 26 मार्च से 3 मई तक चलेगा। इस दौरान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी खेली जाएगी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पिछले दस सालों से चली आ रही ड्राफ्ट प्रणाली से हटकर खिलाड़ियों की नीलामी प्रणाली शुरू की है। लाहौर में हुई नीलामी में डेविड वार्नर, एडम जैम्पा, डेवोन कॉनवे और मार्नस लाबुशेन सहित कुछ टॉप विदेशी खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। आठों फ्रेंचाइजी ने कुल 103 खिलाड़ियों को साइन किया।

नसीम शाह सबसे महंगे पाकिस्तानी खिलाड़ी बने। इस्लामाबाद यूनाइटेड ने उन्हें 8.65 करोड़ पाकिस्तानी रुपये में खरीदा। उनके साथी खिलाड़ी फहीम अशरफ को भी 8.5 करोड़ पाकिस्तानी रुपये में खरीदा गया। बाबर आजम को पेशावर ज़ल्मी ने 7 करोड़ पाकिस्तानी रुपये में रिटेन किया। सैम अयूब 12।2 करोड़ पाकिस्तानी रुपये में पेशावर जल्मी में बने रहेंगे। 2026 में एक बड़ा बदालव देखने को मिलेगा। मुल्तान सुल्तांस का नाम बदलकर रावलपिंडी कर दिया गया है।

के एल सैनी "ए" डिवीजन लीग

राजस्थान यूथ की जीत में भावित, ताम्बी व शुभम चमके

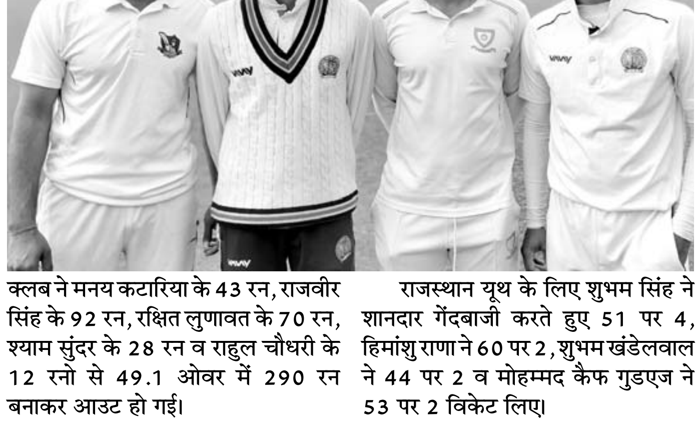

जयपुर, 12 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित व वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में राजस्थान यूथ ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को 22 रनों से हराया ।

आज प्रातः के एल सैनी स्टेडियम पर राजीव गांधी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत कर पहले राजस्थान यूथ को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। राजस्थान यूथ ने जयंत ताम्बी के 84 रन, भावित कुमावत के 86 रन (47 गेंद, 6 चौके व 6 छक्के), कुमार वासुदेव के 32 रन, रिहान अली के 67 रन व हिमांशु राणा के 25 रन नाबाद से 50 ओवर में 6 विकेट पर 312 रन बनाए। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब के लिए सौरभ यादव ने 76 पर 2, राजवीर सिंह ने 45 पर 2,

मनय कटारिया ने 51 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में राजीव गांधी क्रिकेट क्लब ने मनय कटारिया के 43 रन, राजवीर सिंह के 92 रन, रक्षित लुणावत के 70 रन, श्याम सुंदर के 28 रन व राहुल चौधरी के 12 रनो से 49.1 ओवर में 290 रन बनाकर आउट हो गई।

राजस्थान यूथ के लिए शुभम सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 51 पर 4, हिमांशु राणा ने 60 पर 2, शुभम खंडेलवाल ने 44 पर 2 व मोहम्मद कैफ गुडएज ने 53 पर 2 विकेट लिए।

2027 वर्ल्ड कप खेलने को लेकर रोहित शर्मा ने दिया बयान

नई दिल्ली 12 फरवरी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने वनडे भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर विराम लगा दिया है। 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में अपनी भागीदारी को लेकर रोहित ने बड़ा बयान दिया है। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके रोहित अब केवल वनडे फॉर्मेट में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं। 2027 में जब वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होगा, तब रोहित 40 साल के होंगे। हालांकि, रोहित ने साफ किया है कि उनका लक्ष्य अभी भी टीम के साथ वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाना है और वह इसके लिए खुद को फिट रखने के लिए कड़ी मेहनत करने को तैयार हैं।

एक इवेंट के दौरान रोहित ने कहा,मैं निश्चित रूप से वहां जाना चाहता हूं और अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीतना चाहता हूं। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने हमेशा देखा है। मैं 50 ओवर का वर्ल्ड कप देखते हुए बड़ा हुआ हूं। तब कोई टी-20 वर्ल्ड कप या नहीं था। यह क्रिकेट का शिखर था जो हर चार साल में होता था।

रोहित बोले-बचपन से 50 ओवर के वर्ल्ड कप का सपना देखा रोहित शर्मा ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि उस एक ट्रॉफी के लिए बहुत इंतजार और बेताबी रहती थी। उन्होंने कहा,मुझे वह ट्रॉफी चाहिए, इसलिए मैं अपनी शक्ति और क्षमता के अनुसार कड़ी मेहनत करने और उसे हासिल करने की पूरी कोशिश करूंगा। 38 साल के रोहित ने 2024 में भारत के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था। वहीं, पिछले साल मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की नई लिस्ट जारी की है। इसमें एक बड़ा बदलाव करते हुए कैटेगरी को खत्म कर दिया गया है, जिसमें पहले खिलाड़ियों को 7 करोड़ रुपए मिलते थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली को अब ग्रेड-में रखा गया है। बोर्ड ने कुल 30 पुरुष और 21 महिला क्रिकेटरों को कॉन्ट्रैक्ट दिया है, जिन्हें ए, बी और सी ग्रुप में बांटा गया है। नया कॉन्ट्रैक्ट पिछले सीजन में खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेले गए मैचों की संख्या के आधार पर तय किया गया है।

वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी और फिटनेस चुनौती रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती उम्र और फिटनेस होगी। 2027 तक उनकी उम्र 40 पार कर जाएगी। क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि रोहित जिस तरह की फॉर्म में हैं, अगर वह अपनी फिटनेस बरकरार रखते हैं तो 2027 में भारत के लिए ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। फिलहाल उनका पूरा ध्यान 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी और उसके बाद वर्ल्ड कप के रोडमैप पर है।

''राइट टू हैल्थ'' एक्ट पर विधानसभा में सत्ता पक्ष व विपक्ष में घमासान

सरकार का कहना था कि मौजूदा योजनाओं में स्वास्थ्य का अधिकार मिल रहा है, अलग कानून की जरूरत नहीं

■ कांग्रेस का कहना था कि नियम नहीं बना कर जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। सरकार के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉक आउट किया।

जयपुर, 12 फरवरी। राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम-2022 (राइट टू हेल्थ) को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक और जोरदार हंगामा देखने को मिला। सरकार के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

विधायक हरिमोहन शर्मा ने, अप्रैल 2023 में अधिसूचित राइट टू हेल्थ एक्ट के नियम अब तक लागू नहीं किए जाने पर सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने पूछा कि नियम क्यों नहीं बनाए गए, प्राप्त सुझावों पर क्या निर्णय हुआ और इस संबंध में हुई बैठकों का ब्यौरा क्या है? साथ ही, उन्होंने हाईकोर्ट के नोटिस और सरकार के जवाब की जानकारी भी मांगी।

इस पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि पिछली सरकार चुनाव से ठीक पहले बिना पर्याप्त तैयारी के यह अधिनियम लेकर आई थी। नियम नहीं बनाए गए और हितधारकों से समुचित चर्चा भी नहीं की गई। उन्होंने बताया कि अधिनियम के नियमों को लेकर हाईकोर्ट में पीआईएल लंबित है और निर्णय प्रतीक्षित है।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पहले से ही ''मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मा) योजना'' के तहत 25 लाख रुपये तक का वार्षिक कैशलैस इलाज उपलब्ध करा रही है। योजना के तहत1.36 करोड़ पात्र परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है और 2179 उपचार पैकेज इसमें शामिल हैं। निःशुल्क जांच, दवाइयां, ओपीडी, आईपीडी, आपातकालीन सेवाएं, हीमोडायलिसिस और एम्बुलेंस जैसी सुविधाएं पहले से दी जा रही हैं। ऐसे में अलग से इस एक्ट की आवश्यकता नहीं है।

मंत्री के बयान पर कांग्रेस विधायकों ने कड़ा विरोध जताया। नेता प्रतिपक्ष ने सीधा सवाल किया कि सरकार राइट टू हेल्थ लागू करना चाहती है या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि नियम नहीं बनाकर जनता के स्वास्थ्य अधिकार के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी और चेतावनी दी कि स्थिति नहीं संभली तो सदन स्थगित करना पड़ेगा। अंततः विपक्ष ने विरोधस्वरूप सदन से वॉकआउट कर दिया।

मोदी आज नए ऑफिस 'सेवा तीर्थ' में शिफ्ट होंगे

■ सेवा तीर्थ के साथ ही कर्त्तव्य भवन-1 और 2 का भी शाम 6 बजे उद्घाटन होगा।

नई दिल्ली, 12 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 फरवरी को नए प्रधानमंत्री ऑफिस 'सेवा तीर्थ' में शिफ्ट होंगे। जानकारी के अनुसार, मोदी दोपहर करीब 1:30 बजे 'सेवा तीर्थ' बिल्डिंग कॉम्पलेक्स के नाम का अनावरण करेंगे। फिर शाम करीब 6 बजे सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन करेंगे।

इसके बाद, पीएम एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। कर्तव्य भवन-1 और 2 में केन्द्र सरकार के मंत्रालयों के नए ऑफिस होंगे। वर्तमान में पीएमओ और मंत्रालयों के ऑफिस नई दिल्ली स्थित सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग के नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में है।

तालेड़ा के स्कूल में स्ट्रीट डॉग्स ने बालिका पर हमला किया

बालिका के दादा के अनुसार, उसके चेहरे को छोड़कर पूरे शरीर पर घाव हैं

■ कोटा मैडिकल कॉलेज में सर्जरी के एचओडी डॉ. नीरज देवेंदा ने बताया कि बालिका के शरीर पर करीब 20 घाव हैं। उसके फेफड़ों तक में घाव हो गया, इसलिए श्वसन तंत्र को सुचारु रखने के लिए ट्यूब डाली गई है।

कोटा, 12 फरवरी (निसं)। बूंदी जिले के तालेड़ा में स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल में गुरुवार को बालिका तृप्ति सेन पर स्ट्रीट डॉग्स ने हमला कर दिया। बालिका की स्थिति गंभीर बनी हुई है। उसके शरीर पर कई जख्म हो गए हैं। घटना के बाद बालिका को पहले तालेड़ा अस्पताल ले जाया गया, उसके बाद कोटा के एमबीएस हॉस्पिटल के इमरजैंसी आई.सी.यू. में भर्ती किया गया।

स्कूल के प्रिंसिपल गोवर्धन गोपाल का कहना है कि बच्चे लंच के समय भोजन करने के बाद मैदान में खेल रहे थे। इसी दौरान 3 - 4 कुत्तों ने बालिका पर हमला कर दिया था। इन डॉग्स को भगाकर केयरटेकर ने बड़ी मुश्किल से बालिका को बचाया है। इसके बाद तत्काल बालिका को अस्पताल लेकर गए, जहां से बच्ची को कोटा रेफर किया गया है।

बालिका के दादा भंवरलाल सेन का कहना है कि वे लोग सीतापुरा रहते हैं। वहीं से बालिका स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल में पढ़ने तालेड़ा जाती थी, जहां पर यह घटना हुई है। उन्होंने बताया कि स्ट्रीट डॉग्स ने बालिका को इतनी बुरी तरह काटा है कि उसके शरीर पर चेहरे को छोड़कर लगभग सभी जगह पर घाव हो गए हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल में वे वैन से कई बार बच्चों को लेने भी जाते हैं, तब बड़ी संख्या में स्ट्रीट डॉग्स स्कूल में घूमते नजर आते हैं। उन्होंने कहा, सरकार तत्काल इस पूरे प्रकरण पर संज्ञान ले। मेडिकल कॉलेज कोटा में सर्जरी के एचओडी डॉ. नीरज का कहना है कि बालिका के शरीर पर करीब 20 के आसपास घाव हैं। उसके फेफड़ों तक में भी घाव हो गया है। इसीलिए ट्यूब डाली गई है, ताकि बालिका के श्वसन तंत्र को सुचारू रखा जा सके। बालिका के हाथ, पैर और छाती सहित, कई जगह पर घाव के निशान हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट को बता दिया है कि फिल्म का नाम बदला जा रहा है और ट्रेलर तथा प्रचार सामग्री पहले ही वापस ले ली गई है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने निर्माताओं से यह भी बताने को कहा कि क्या फिल्म ''घूसखोर पंडित'' में किसी समुदाय के प्रति आपत्तिजनक सामग्री दिखाई गई है।

कोर्ट ने फिल्म निर्माताओं से इस संबंध में हलफनामा भी मांगा है।

अदालत ने, ''फ्राईडे फिल्मवर्क्स'' द्वारा निर्मित इस फिल्म की टीम को फटकार लगाते हुए पूछा कि फिल्म निर्माता संयम क्यों नहीं बरत सकते। कोर्ट ने कहा, ''जब समाज में पहले से ही विभाजन है, तो किसी समाज के एक वर्ग को बदनाम क्यों किया जाना चाहिए?''

'वोकिज़्म' को जिम्मेदार ठहराते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे फिल्म शीर्षक समाज में अशांति पैदा करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, भाईचारा संविधान की मूल संरचना का हिस्सा है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता इसे सीमित नहीं कर सकती।

''घूसखोर पंडित'' विवाद में तब आई, जब 3 फरवरी को नेटफ्लिक्स इंडिया के 2026 लॉन्च कार्यक्रम में इसका शीर्षक और टीजर सामने आया।

कक्षा-10 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षा 2026 के लिए बड़े बदलाव किए हैं, जिनमें प्रश्नपत्र प्रारूप में संशोधन और वर्ष में दो बार परीक्षा आयोजित करने की व्यवस्था शामिल है।

विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के प्रश्नपत्रों में अब स्पष्टता और मूल्यांकन मानकों में सुधार के लिए नए खंडीय प्रारूप (सैक्शनल फॉर्मेट) का पालन किया जायेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं अब वर्ष में दो बार आयोजित की जाएंगी।

इस प्रणाली के तहत, विद्यार्थियों को अपने अंक सुधारने या जिन विषयों में वे फेल हुए है उन्हें पास करने के लिए दोबारा परीक्षा देने का अवसर मिलेगा। इस योजना के अनुसार, छात्र दूसरी परीक्षा में अधिकतम तीन विषयों में सुधार परीक्षा दे सकते हैं, जो 15 मई से 1 जून 2026 तक होनी है।

सीबीएसई की सैकण्डरी और सीनियर सैकण्डरी बोर्ड परीक्षाएं 2026, 17 फरवरी से शुरू होंगी। ये परीक्षाएं भारत और विदेश के 26 देशों में स्थित 31,000 से अधिक संबद्ध विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाएंगी। कक्षा 10 की परीक्षा में सबसे पहले गणित (स्टैंडर्ड और बेसिक) विषय का पेपर होगा।

बेअसर रहा भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की सभी ट्रेड यूनियनें, किसान और मजदूर मोदी सरकार के व्यापार समझौते, श्रम कानूनों और मनरेगा को समाप्त करने के खिलाफ सड़कों पर हैं।

ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, गोवा, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और पंजाब सहित, कई राज्यों में मिला-जुला असर देखने को मिला।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने मजदूरों और किसानों के भविष्य से जुड़े निर्णय लेते समय उनकी आवाज़ों को नज़रअंदाज़ किया।

केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच से जुड़े कर्मचारियों और मजदूरों ने आज दिनभर की हड़ताल कर केन्द्र सरकार की मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और राष्ट्र-विरोधी कॉरपोरेट समर्थक नीतियों के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया। मंच ने दावा किया कि नई श्रम संहिताओं सहित, अन्य मुद्दों के विरोध में सामान्य हड़ताल के लिए 30 करोड़ मजदूरों को संगठित किया जा रहा है।

'दिल्ली हवा खाने नहीं आए हैं, राजनीति करने आए हैं'

कर्नाटक के नेता शिवकुमार ने दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए टिप्पणी की

■ डी के शिवकुमार ने खड़गे, सोनिया, राहुल और प्रियंका से मुलाकात की।

■ शिवकुमार की इस मीटिंग के बाद एक बार फिर कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा शुरु हो गई है।

नई दिल्ली, 12 फरवरी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य नेताओं से गुरुवार को यहां अलग-अलग मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवकुमार ने कहा कि वे यहां सिर्फ दिल्ली की हवा खाने नहीं आए हैं, बल्कि राजनीति करने आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाला समय ही हर सवाल का जवाब देगा।

सोनिया गांधी से दस जनपथ स्थित आवास पर मुलाकात के बाद शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि वे सड़क पर खड़े होकर राजनीति नहीं करना चाहते और पार्टी नेतृत्व से सभी जरूरी मुद्दों पर चर्चा कर चुके हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष खड़गे और महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की जानकारी दी। शिवकुमार ने कहा कि दिल्ली आने पर पार्टी नेतृत्व को सभी मामलों की जानकारी देनी होती है, जिस पर विस्तार से बातचीत हुई।

हालांकि शिवकुमार ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात पर सीधा जवाब नहीं दिया। शिवकुमार की इस मुलाकात के बाद कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें लगाई जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में नेतृत्व को लेकर खींचतान पिछले साल नवंबर से जारी है, जब सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे रास्ते पर पहुंची थी।

'दूषित फल-सब्जियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने पूछा कि राज्य सरकार यह कैसे सुनिश्चित करती है कि डेयरियों में पहुंचा हुआ दूध मिलावटी नही है। इस दौरान पूर्व महाधिवक्ता सिंघवी ने कहा कि पशुओं को ऑक्सीटोसीन इंजेक्शन लगाया जाता है, जिससे दूध उत्पादन बढ़ता है, लेकिन इस इंजेक्शन के असर से दूध दूषित हो जाता है। इस पर अदालत ने आर.सी.डी.एफ. को पक्षकार बनाते हुए इस पूरे प्रकरण पर जवाब मांगा है। अदालत ने मामले में रिपोर्ट तलब करते हुए मामले की सुनवाई 6 अप्रैल को रखी है।

भारत में निपाह वायरस से पहली मौत

■ दो संक्रमित मरीजों का आईसीयू में इलाज चल रहा था। मेल नर्स ठीक हो गया, महिला नर्स की मृत्यु हो गई।

नई दिल्ली, 12 फरवरी। पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस से संक्रमित दो मरीजों में से एक मरीज की मौत हो गई है। देश में इस साल निपाह वायरस से यह पहली मौत है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि 11 जनवरी 2026 को पश्चिम बंगाल से रिपोर्ट किए गए निपाह संक्रमण के दो पॉजिटिव मामलों में से एक नर्स थीं, जो गंभीर रूप से बीमार थीं और अस्पताल में गहन चिकित्सा देखभाल के तहत भर्ती थीं। 25 साल की महिला नर्स का बुधवार को उपचार के दौरान ह्रदयगति रुकने से निधन हो गया।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, उन्हें आईसीयू में विशेषज्ञ निगरानी में रखा गया था। स्वास्थ्य विभाग के आवश्यक प्रोटोकॉल के तहत संपर्क में आए लोगों की निगरानी और अन्य एहतियाती कदम उठाए गए हैं। दोनों संक्रमित नर्सिंग स्टाफ नॉर्थ 24 परगना जिले के बारासात के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे। इनमें एक पुरुष नर्स और एक महिला नर्स शामिल थीं। पुरुष नर्स इलाज के दौरान ठीक हो गया, लेकिन महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई।

बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महिलाओं को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है, वहीं प्रमुख दलों ने भी उन्हें केवल औपचारिक या प्रतीकात्मक नामांकन दिए हैं। 2026 के चुनाव महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व में स्पष्ट और जबरदस्त गिरावट दर्शाते हैं और बांग्लादेश की राजनीति में लैंगिक समानता के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। गुरुवार को चुनाव के दिन ढाका में भारी मतदान देखा गया, जहां जमात और बीएनपी के बीच मुकाबला चुनावी परिदृश्य को परिभाषित करता नज़र आया। जनरेशन-ज़ैड आंदोलन के बाद हो रहे इस पहले चुनाव में जमात और बीएनपी समर्थकों के बीच झड़पों की भी खबरें सामने आईं।

सावलकोट पावर प्रोजैक्ट पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के स्थगन के बाद केन्द्र सरकार से मंजूरी पाने वाली पहली बड़ी नई परियोजना है। इसके अलावा, पाकल डुल, किरू और रतले बांध परियोजनाओं को भी शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है। भारत सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से पानी के प्रवाह का बेहतर प्रबंधन होगा और देश की बिजली उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी।

पाकिस्तान भारत की इन कार्रवाइयों का विरोध कर रहा है। उसका कहना है कि भारत द्वारा बांध बनाने से पाकिस्तान को मिलने वाले सिंधु नदी के साझा पानी के प्रवाह पर गंभीर असर पड़ेगा, जिससे उसके देश के अस्तित्व से जुड़ा जल अधिकार प्रभावित होगा।

भारत द्वारा चिनाब नदी पर 5129 करोड़ रुपये की सावलकोट जलविद्युत परियोजना पर काम शुरू करने की खबरों के बाद पाकिस्तान सरकार ने सिंधु वॉटर्स कमिश्नर के स्तर पर चिंता जताई है और इस परियोजना से जुड़ी जानकारी और बातचीत की मांग की है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा, ''सिंधु जल संधि एक ''बाइंडिंग इन्टरनैशनल इन्स्ट्रूमैंट'' (बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता) है और कोई भी एकतरफा कदम या अवहेलना इस कानूनी स्थिति को नहीं बदल सकती। अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान भारत की कार्रवाइयों को चुनौती देगा, क्योंकि देश के लगभग तीन चौथाई पानी का स्रोत चिनाब जैसी पश्चिमी नदियां हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान भारत के साथ विवादों और मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान बातचीत और अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था के जरिए करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कायदे, कानून व प्रक्रिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ ''डिस्क्वालिफिकेशन'' करने के लिए कायदे-कानून व प्रक्रिया की पूरी जानकारी का न होना, फिर कारण बना, राहुल गांधी को ''डिस्क्वालिफाई'' करने के प्रयास के असफल होने का।

नहीं है। ज्यादा से ज्यादा इसे फर्जी ही कहा जा सकता है।

लेकिन सरकार की हर बात को दोहराने वाला सुविधाजनक गोदी मीडिया यह खबर चला रहा है कि राहुल गांधी को अयोग्य घोषित किया जाएगा।

यह बात निश्चित रूप से हर उस भाजपा समर्थक के दिल और दिमाग में हो सकती है जो राहुल गांधी से नफरत करता है, और ऐसे लोग काफी संख्या में हैं। लेकिन बिना सही नियम और प्रक्रिया के यह सपना हकीकत कैसे बनेगा? यही वह मुख्य सवाल है, जिसे पूछा जाना चाहिए।

'संविधान के अनुरुप है एक राष्ट्र एक चुनाव का प्रस्ताव'

■ पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई ने प्रस्ताव को लेकर गठित जेपीसी की मीटिंग में कहा

नई दिल्ली, 12 फ़रवरी। ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की गुरुवार को हुई बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रस्ताव संविधान के अनुरूप है और यह मूल ढ ांचे का उल्लंघन नहीं करता। उन्होंने कहा कि संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है और यह उसका विशेषाधिकार है। इसमें लोकतंत्र या संघीय ढ ांचे का कोई उल्लंघन नहीं है।

बैठक के बाद संसद के बाहर जेपीसी के अध्यक्ष और भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने पत्रकारों को जानकारी दी कि बैठक में सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। पूर्व न्यायमूर्ति बीआर गवई ने बैठक में आकर सदस्यों द्वारा संवैधानिक वैधता से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा सभी दलों को राष्ट्रीय हित में एकजुट होकर इस पर काम करना चाहिए, ताकि विश्व के सामने देश की एकता प्रदर्शित हो सके। उन्होंने कहा कि यदि इन चुनावी सुधारों को लागू किया जाता है तो पूरे देश को इसका लाभ मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि एक राष्ट्र एक चुनाव के तहत देश में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की बात की गई है। 2 सितंबर 2023 को एक कमेटी का गठन किया गया था। इस कमेटी का अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नियुक्त किया गया था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट संसद को सौंप दी और एक देश एक चुनाव कराने का समर्थन किया। इसके बाद इस विधेयक को 17 दिसंबर 2024 को लोकसभा में संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। विधेयक को 19 दिसंबर 2024 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया।

श्रीलंका के लिए हवाई उड़ानों के किराए में भारी वृद्धि

भारत-पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को कोलम्बो में होने वाले मुकाबले के कारण यह वृद्धि हुई है

■ बड़ी संख्या में लोग कोलम्बो जा रहे है इस वजह से चेन्नई से कोलम्बो की हवाई टिकट, जो 7,127 रुपए की होती थी, के दाम बढ़कर 22 से 25 हजार तक पहुँच गए हैं।

चेन्नई, 12 फरवरी। श्रीलंका में 15 फरवरी को टी-20 विश्व कप का भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग चेन्नई से श्रीलंका जाने के टिकट बुक कर रहे हैं। इस कारण चेन्नई से श्रीलंका जाने वाली उड़ानों के किराए में भारी बढ़ोतरी की गई है।

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से प्रतिदिन श्रीलंका के लिए 8 उड़ानें और श्रीलंका से चेन्नई के लिए 8 उड़ानें संचालित होती हैं, यानी कुल 16 उड़ान सेवाएं चलती हैं।

इसके अलावा, श्रीलंका के रास्ते कई अन्य देशों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट्स उपलब्ध होने के कारण किराया सामान्यतः कम रहता है। इसी वजह से चेन्नई से श्रीलंका जाने वाले यात्रियों की संख्या आमतौर पर अधिक रहती है।

सामान्य दिनों में चेन्नई-श्रीलंका के बीच हवाई किराया लगभग 7,127 रुपये होता है, लेकिन 13 तारीख को इंडिगो एयरलाइंस की इकोनॉमी क्लास का किराया 22,073 रुपये से 25,207 रुपये तक पहुंच गया है, जबकि श्रीलंकन एयरलाइंस का किराया 42,231 रुपये तक हो गया है।

14 तारीख को इंडिगो एयरलाइंस का किराया 20,708 रुपये से 25,207 रुपये तक और श्रीलंकन एयरलाइंस का किराया 35,217 रुपये तक बढ़ गया है। मैच के दिन यानी, 15 तारीख को इंडिगो एयरलाइंस में किराया 18,283 रुपये से 19,464 रुपये तक और श्रीलंकन एयरलाइंस में 28,660 रुपये से 42,231 रुपये तक निर्धारित किया गया है।

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था कि गांधी के बयानों से संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक हुई है और इससे सशस्त्र बलों का मनोबल प्रभावित हो सकता है, और संसदीय संदर्भ में यह एक गंभीर आरोप है।

लेकिन शाम तक परिदृश्य बदलता दिखाई दिया। संसदीय सूत्रों ने संकेत दिया कि विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने, या अयोग्यता से संबंधित किसी प्रस्ताव को संस्थागत समर्थन नहीं मिला। संसदीय कार्यसूची में किसी औपचारिक उल्लेख का न होना इस बात का संकेत था कि इस कदम पर पुनर्विचार किया गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पीछे हटना कमजोरी नहीं, बल्कि रणनीतिक पुनर्संतुलन है। राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावशाली होने के बावजूद, भाजपा के पास वर्तमान लोकसभा में ऐसा प्रचंड बहुमत नहीं है कि विपक्ष के नेता के खिलाफ विवादास्पद अनुशासनात्मक कार्रवाई आसानी से की जा सके। ऐसे किसी भी कदम के लिए, सदन प्रबंधन, सहयोगियों के साथ समन्वय और, सबसे ऊपर, संभावित प्रतिक्रिया का राजनीतिक आकलन आवश्यक होता।

एनडीए के व्यापक दायरे के सूत्रों के अनुसार, टीडीपी और जेडी (यू) जैसे प्रमुख सहयोगी दल ऐसे बड़े टकराव से असहज हो सकते हैं, क्योंकि इसे असहमति दबाने के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। आगामी महत्वपूर्ण राज्य विधानसभाओं चुनावों को देखते हुए, गठबंधन का गणित, वैचारिक स्थिति जितना ही महत्वपूर्ण है।

राहुल गांधी के खिलाफ किसी भी अतिशयता पूर्ण कार्रवाई से विपक्ष को एकजुट होने का अवसर मिल सकता था और इस कार्रवाई से गांधी की राष्ट्रीय छवि के और मजबूत हो जाने की सम्भावना थी।

इसके अतिरिक्त, इस पूरे घटनाक्रम में छवि-प्रबंधन का पहलू भी महत्वपूर्ण है। किसी भाषण के हिस्सों को हटाना अध्यक्ष का एक प्रक्रियात्मक अधिकार है, लेकिन जब यह कदम विवादास्पद राजनीतिक आरोपों से जुड़ता है, तो कभी-कभी वही बात और अधिक फैल जाती है, जिसे नियंत्रित करने की कोशिश की जाती है।

डिजिटल युग में, अभिलेखों से हटाए गए अंश अक्सर आधिकारिक रिकॉर्ड से बाहर व्यापक रूप से प्रसारित हो जाते हैं, जिससे सेंसरशिप का व्यावहारिक प्रभाव सीमित हो जाता है और राजनीतिक बहस और तेज हो जाती है।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय जांचों से जुड़े संभावित भविष्य के खुलासों से सम्बन्धित अटकलों ने राजनीतिक माहौल में अनिश्चितता का तत्व जोड़ दिया है। यद्यिप शीर्ष भारतीय नेतृत्व को फंसाने वाले किसी संभावित खुलासे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन ऐसी रिपोर्टों का प्रसार ही राजनीतिक हलकों में संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए पर्याप्त है। ऐसे माहौल में संसदीय टकराव को बढ़ाना अनिश्चित परिणामों वाला दु:साहस माना जा सकता था।

मोदी सरकार के सामने दृढ़ता और संयम के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। बिना किसी न्यायिक दोषसिद्धि या स्पष्ट संवैधानिक आधार के, नेता प्रतिपक्ष की सदस्यता समाप्त करने के सीधे प्रयास को न केवल प्रक्रियात्मक और कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ता, बल्कि लोकतन्त्र को कमज़ोर करने के विपक्षी दलों के आरोपों को भी बल मिल सकता था।

राहुल गांधी के लिए यह प्रकरण उनके विकसित होते संसदीय व्यक्तित्व को रेखांकित करता है, एक ऐसे नेता के रूप में, जो तीखे टकराव से पीछे नहीं हटते। यह रणनीति उन्हें दीर्घकालिक राजनीतिक लाभ देगी या नहीं, यह अभी देखना बाकी है। फिलहाल, जो विशेषाधिकार प्रस्ताव आसन्न प्रतीत हो रहा था, वह राजनीतिक दांव-पेंच और संसदीय व्यावहारिकता के टकराव का उदाहरण बन गया है।

निष्कर्षतः, यह प्रकरण समकालीन भारतीय राजनीति की इस व्यापक सच्चाई को उजागर करता है कि लड़ाइयाँ केवल सदन के पटल पर ही नहीं, बल्कि धारणा, गठबंधन प्रबंधन और चुनावी गणित के क्षेत्र में भी लड़ी जाती हैं और कभी-कभी सबसे महत्वपूर्ण कदम वही होता है, जो अंततः उठाया ही नहीं जाता।

नार्थ कोरिया के किम जोंग उन ने अपनी बेटी को वारिस बनाया

प्योंगयांग, 12 फरवरी। नॉर्थ कोरिया के लीडर किम जोंग उन ने अपनी बेटी जू-ऐ को अपना वारिस चुन लिया है। साउथ कोरिया की जासूसी एजेंसी (एनआईएस) ने गुरुवार को देश के सांसदों के सामने यह दावा किया। नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस (एनआईएस) ने कहा कि उनके इस दावे के पीछे कई चीजों को आधार बनाया गया है। इनमें उत्तर कोरिया के सरकारी कार्यक्रमों में जू ऐ की बढ़ ती उपस्थिति एक अहम वजह है। इससे लगता है कि किम ने अपने वारिस पर फैसला ले लिया है। एनआईएस ने कहा है कि उनकी इस पर नजर होगी कि जू-ऐ इस महीने के आखिर में नॉर्थ कोरिया की पार्टी कांग्रेस में शामिल होंगी या नहीं। यह बड़ा पॉलिटिकल इवेंट पांच साल में एक बार होता है। टीनएज जू-ऐ का इस कार्यक्रम में आना इस बात की तस्दीक होगी कि वे सत्ता संभालने वाली अपने परिवार की चौथी पीढ़ ी बनने जा रही हैं।

हिंसा व हत्याओं के वातावरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के बीच वोटों के लिए मुकाबला हुआ। मतदान प्रक्रिया बीएनपी और जमात के समर्थकों के बीच झड़पें भी हुईं।

पहले, शेख हसीना के शासनकाल में बीएनपी और जमात ने चुनाव लड़ने के लिए आपस में गठजोड़ किया था। पर अब अवामी लीग के मैदान में न होने से ये दोनों कट्टरपंथी दल अब एक-दूसरे से अलग हो गए हैं और सत्ता पर नियंत्रण के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। जमात एक इस्लामी झुकाव वाला बांग्लादेश बनाने की कोशिश कर रही है।

भारत के लिए ये दोनों दल एक तरह से ''हॉब्सन चॉइस'' प्रस्तुत करते हैं, अर्थात दोनों ही मूल रूप से भारत-विरोधी हैं और दोनों ने देश में बचे हुए हिंदुओं को बाहर निकालने की दिशा में काम किया है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार मतदान की सफलता का दावा कर रही है और एक नई शुरुआत की आशा व्यक्त कर रही है।

यहां तक कि यूनुस और अंतरिम सरकार के प्रबल समर्थक भी यह दावा नहीं कर सकते कि मतदान किसी भी तरह से निष्पक्ष और नियमित था। रिपोर्टों के अनुसार, प्रतिद्वन्दी उम्मीदवारों को डराने-धमकाने के लिए उन पर हमले किए गए, साथ ही लोगों को मतदान से दूर रखने के लिए देसी बम फेंके गए।

ऐसी अनेक घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें हिंदुओं को पीटा गया, जिंदा जलाया गया, भीड़ द्वारा मार डाला गया और यातनाएं देकर हत्या की गई। पाकिस्तान से स्वतन्त्र होने तक, पूर्वी पाकिस्तान कहलाने वाले इस क्षेत्र में हिंदू-विरोधी घटनाएं अपेक्षाकृत कम थीं। उस समय लोगों का गुस्सा पाकिस्तानियों की ओर था, जिन्होंने पूर्वी पाकिस्तान में ब्रिटिशों से भी अधिक कठोर औपनिवेशिक शक्ति की तरह व्यवहार किया था।

हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, जो मूलतः बांग्लादेशी जनता को भारत द्वारा दिया गया एक उपहार थी, भावनाएं आश्चर्यजनक रूप से भारत-विरोधी हो गईं। स्वतंत्र बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले और भारत-विरोधी रवैया इतने वर्षों में बढ़ता गया।

रिपोर्टों के अनुसार, यह कल्पना करना कठिन है कि बांग्लादेश जल्द ही कानून-व्यवस्था से संचालित देश बन सकेगा और वहां कुछ हद तक स्थिरता स्थापित हो पाएगी। वर्षों के कुप्रबंधन ने प्रशासनिक तंत्र को कमज़ोर कर दिया है और लोग अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं।

देश में बड़े पैमाने पर बेरोज़गारी है, जहां अधिकांश आबादी 30 वर्ष से कम आयु की है। नियमित नौकरी पाने वाले कुछ भाग्यशाली लोग भी बढ़ती कीमतों और वस्तुओं की कमी की शिकायत कर रहे हैं। आम लोग लगातार अराजकता और आर्थिक कुप्रबंधन से कराह रहे हैं।

बांग्लादेश में जारी अस्थिरता भारत के लिए एक भयावह स्थिति है, क्योंकि गंभीर आर्थिक गिरावट लोगों को भारत की ओर धकेल रही है। अवैध पलायन पूर्वी क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को प्रभावित कर रहा है। अब समय आ गया है कि भारत, बांग्लादेश के प्रति अधिक सक्रिय और सशक्त नीति अपनाए, बजाय इसके कि वह वहां की स्थिति के स्वतः स्थिर होने की प्रतीक्षा करे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908